मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने.... 05

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तापसी पन्नू को नहीं मिल... 11

वर्ष - 02, अंक - 70 | गाजियाबाद / शनिवार 13 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

डीजल पर सख्तीः कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

एक वाहन को रोज 200 लीटर से ज्यादा नहीं मिलेगा ईंधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेट्रोल-डीजल की कालाबाजारी, जमाखोरी और अनधिकृत बिक्री पर रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत जारी नए आदेश के अनुसार अब किसी भी वाहन या ग्राहक को पेट्रोल पंप से एक दिन में 200 लीटर से अधिक डीजल नहीं दिया जाएगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है और इसके चलते लंबी दूरी के माल परिवहन में लगे ट्रकों और व्यावसायिक वाहनों पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि डीजल की बिक्री केवल वाहन के टैंक अथवा पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (ढएरड) द्वारा अनुमोदित कंटेनर में ही की जाएगी। इसके साथ ही खरीदे गए डीजल की पुनर्बिक्री पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

सरकार ने आदेश में कहा है कि संस्थागत, औद्योगिक और व्यावसायिक ग्राहक अब खुदरा पेट्रोल पंपों से पेट्रोल या डीजल नहीं खरीद सकेंगे। उन्हें अपनी जरूरतों की पूर्ति केवल अपने उपभोक्ता पंपों के माध्यम से करनी होगी। हालांकि फिलहाल पेट्रोल की खुदरा बिक्री पर कोई मात्रा सीमा निर्धारित नहीं की गई है, लेकिन भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर ऐसा किया जा सकता है।

नए नियमों का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी तेल विपणन कंपनियों और पेट्रोल पंप संचालकों को सौंपी गई है। आदेश के अनुसार केंद्र और राज्य सरकारें इसके क्रियान्वयन के लिए राजपत्रित अधिकारियों, पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारियों अथवा तेल कंपनियों के अधिकृत अधिकारियों को जांच, तलाशी और जब्ती की शक्तियां दे सकती हैं।

सरकार ने कहा कि यह कदम पेट्रोल-डीजल की समान उपलब्धता सुनिश्चित करने, जमाखोरी रोकने एवं देशभर में निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए उठाया गया है।

अधिसूचना में कहा गया, सरकार किसी विशेष आदेश द्वारा किसी भी उपभोक्ता, उपभोक्ताओं के वर्ग, क्षेत्र, लेन-देन या लेन-देन की श्रेणी को इस आदेश के सभी या किसी भी प्रावधान से छूट दे सकती है।

क्या होगा असर?

डीजल बिक्री पर लगाई गई नई सीमा का सबसे अधिक प्रभाव लंबी दूरी के माल परिवहन क्षेत्र पर पड़ सकता है। वहीं सरकार का दावा है कि इस कदम से ईंधन की कालाबाजारी पर अंकुश लगेगा और आपूर्ति व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनेगी।

90 दिन तक प्रभावी रहेगा आदेश

सरकार का यह आदेश फिलहाल 90 दिनों तक या अगले आदेश तक लागू रहेगा। केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिए हैं कि वे पेट्रोल-डीजल की जमाखोरी, कालाबाजारी, अनधिकृत खरीद-बिक्री और दुरुपयोग के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें।

उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई

सरकार ने साफ किया है कि आदेश का उल्लंघन आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 तथा अन्य लागू कानूनों के तहत दंडनीय होगा। दोषी पाए जाने वालों पर जुर्माने के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जा सकेगी।

नीट पेपर लीक के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन

लखनऊ के ईको गार्डन में जुटे युवा, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और एसआईटी जांच की मांग

लखनऊ, एजेंसी। नीट पेपर लीक और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आई कथित अनियमितताओं के विरोध में शुक्रवार को राजधानी लखनऊ के ईको गार्डन में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में युवाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।

प्रदर्शन में शामिल युवाओं ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों से लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है और इसके लिए जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके भी प्रदर्शन में शामिल होने के लिए लखनऊ पहुंचे। ईको गार्डन में पहुंचने के दौरान वह कुछ समय के लिए भीड़ में फंस गए, लेकिन बाद में प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया और उनके साथ धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि नीट, सीबीएसई और सीयूईटी जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं में छात्रों को अन्याय का सामना करना पड़ा है तथा सरकार जवाबदेही तय करने में विफल रही है।

अभिजीत दीपके ने कहा कि यदि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते हैं तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि 20 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक बार फिर बड़ा विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि लखनऊ के बाद अमृतसर और बेंगलुरु में भी आंदोलन किया जाएगा।

प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने विभिन्न परीक्षाओं में सामने आई अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग भी उठाई। उनका कहना था कि परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई आवश्यक है।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ईको गार्डन और आसपास के क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तथा रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की तैनाती की गई थी। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग की व्यवस्था भी की। प्रशासन से अनुमति मिलने के बाद प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। गौरतलब है कि कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा इससे पहले दिल्ली के जंतर-मंतर और पुणे में भी इसी मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया जा चुका है। लखनऊ का प्रदर्शन उसी देशव्यापी आंदोलन का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके माध्यम से युवा परीक्षा प्रणाली में सुधार और जवाबदेही की मांग उठा रहे हैं।

फेसबुक-इंस्टाग्राम अचानक हुए डाउन नई पोस्ट और प्रोफाइल नहीं दिखीं

■ शाम करीब 7 बजे शुरू हुई दिक्कत, वेबसाइट पर पेज क्रैश होने की शिकायतें; मेटा की ओर से नहीं आया कोई आधिकारिक बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी मेटा के लोकप्रिय प्लेटफॉर्म फेसबुक और इंस्टाग्राम गुरुवार शाम अचानक तकनीकी समस्या का शिकार हो गए। शाम करीब 7 बजे से दोनों प्लेटफॉर्म की वेबसाइट पर यूजर्स को नई पोस्ट दिखाई देना बंद हो गईं, जबकि कई लोग नई पोस्ट अपलोड भी नहीं कर पाए। इस दौरान बड़ी संख्या में यूजर्स ने पेज क्रैश होने और प्रोफाइल संबंधी जानकारी न दिखने की शिकायत दर्ज कराई।

जानकारी के अनुसार फेसबुक और इंस्टाग्राम की वेबसाइट पर लॉगिन करने वाले यूजर्स को होम पेज सही तरीके से लोड नहीं हो रहा था। कई यूजर्स को उनकी प्रोफाइल, पोस्ट और अन्य जानकारियां भी दिखाई नहीं दे रही थीं। समस्या सामने आते ही सोशल मीडिया पर यूजर्स ने इसकी शिकायतें शुरू कर दीं।

वेबसाइट मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म डाउन डिटेक्टर के अनुसार, फेसबुक और इंस्टाग्राम से जुड़ी शिकायतों में अचानक तेजी आई। अधिकांश यूजर्स ने वेबसाइट क्रैश होने, पोस्ट लोड न होने और प्रोफाइल एक्सेस न कर पाने की समस्या बताई।

राहत की बात यह रही कि यह तकनीकी समस्या मुख्य रूप से दोनों प्लेटफॉर्म की वेबसाइट पर ही देखने को मिली। फेसबुक और इंस्टाग्राम के मोबाइल एप्स अधिकांश यूजर्स के लिए सामान्य रूप से काम करते रहे, जिससे ऐप उपयोगकर्ताओं को ज्यादा परेशानी नहीं हुई।

मेटा की ओर से नहीं आया बयान

समाचार लिखे जाने तक मेटा की ओर से इस तकनीकी गड़बड़ी को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि सर्वर या बैकएंड सिस्टम में आई अस्थायी तकनीकी खराबी इसकी वजह हो सकती है।

दुनियाभर के यूजर्स हुए प्रभावित

फेसबुक और इंस्टाग्राम दुनिया के सबसे बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स में शामिल हैं। ऐसे में कुछ समय के लिए भी सेवा बाधित होने से लाखों यूजर्स, कंटेंट क्रिएटर्स और व्यवसायिक अकाउंट्स प्रभावित हुए। यूजर्स अब मेटा की ओर से समस्या के समाधान और आधिकारिक स्पष्टीकरण का इंतजार कर रहे हैं।

नहीं रहे निशानेबाज जसपाल राणा

पीएम मोदी और खेल मंत्री मांडविया ने जताया शोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपियन और भारत के पूर्व निशानेबाज जसपाल राणा का यहां के अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे 49 साल के थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और अन्य ने जसपाल राणा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

भारत के सबसे कामयाब निशानेबाजों में से एक राणा को हाल ही में जर्मनी के म्यूनिख में मई के आखिर में हुए आईएसएसएफ विश्व कप के दौरान सीने में तकलीफ हुई थी, जिसके बाद उनकी स्टेंट प्रक्रिया हुई थी। भारत लौटने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन इलाज के बावजूद उनका निधन हो गया। अस्पताल में भर्ती होने के बाद जसपाल राणा के भाई सुभाष राणा ने मीडिया को बताया था कि शुरुआत में उन्हें लगा कि यह तकलीफ एसिडिटी की वजह से है और उन्होंने अपनी यात्रा जारी रखी। हालांकि, भारत लौटते समय उन्हें फिर से तकलीफ हुई, जिसके बाद दिल्ली पहुंचने पर उन्हें तुरंत मेडिकल मदद लेनी पड़ी। जसपाल राणा के निधन से गहरा दुख हुआ है। उनका जाना भारतीय खेल जगत के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने शूटिंग में अपनी असाधारण उपलब्धियों से देश का मान बढ़ाया। एक मेंटर के तौर पर भी उनका योगदान बहुत अहम रहा। उन्होंने पूरी लगन से युवा खिलाड़ियों को तराशा और उनका मार्गदर्शन किया।

कांग्रेस नेत्री मीनाक्षी नटराजन को सुप्रीम कोर्ट से लगा झटका

- राज्यसभा नामांकन रद्द होने के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश से कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र रद्द किए जाने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस अतुल एस. चंदूरकर की बेंच में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट से मीनाक्षी नटराजन को राहत नहीं मिली। सर्वोच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम

कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता इलेक्शन पिटीशन हाईकोर्ट में दाखिल कर सकते हैं। मीनाक्षी नटराजन की तरफ से वकील अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए। उन्होंने दलील देते हुए कहा कि एक प्राईवेट शिकायत पर नोटिस हुआ है। जस्टिस प्रशांत मिश्रा ने कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट ने प्रथमदृष्टया शिकायत में कुछ वजन देखने के बाद ही समन किया होगा।

अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि ये एक निजी शिकायत है। जिसमें संज्ञान नहीं लिया गया है। आरपी एक्ट का कानून कहता है कि कम से कम आरोप तय होने चाहिए। लेकिन इस मामले में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। सिंघवी ने कहा कि अगर रिटर्निंग ऑफिसर मनमाने ढंग से काम करता, जिससे किसी एक पार्टी को फायदा होता है, तो उसमें कोर्ट दखल दे सकता है।

ट्रंप का दावा-युद्ध खत्म करने के समझौते के करीब

- अभी कुछ भी तय नहीं : ईरान

वॉशिंगटन/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने 'ईरान के साथ युद्ध का एक शानदार समझौता तय किया है' और अगले कुछ दिनों में इस समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। वहीं ईरान ने कहा कि संघर्ष खत्म करने वाले समझौते पर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में यह दावा किया। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि सप्ताहांत पर यूरोप में एक

हस्ताक्षर समारोह आयोजित किया जायेगा। इसमें अमेरिका के उप राष्ट्रपति जे डी वेंस शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि दस्तावेज 'अंतिम रूप' में हैं और यह समझौता प्रक्रिया 'बेहद जल्द' पूरी हो जाएगी। यह पूछे जाने पर कि क्या ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई इस समझौते के लिए सहमत हो गए हैं? ट्रंप ने कहा कि मेरी समझ से इसका जवाब हां है।

दिल्ली : पाँच मंजिला इमारत में लगी आग, तीन मरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के तुगलकाबाद एक्सटेंशन में शुक्रवार अल सुबह 2 बजकर 15 मिनट के करीब पांच मंजिला रिहायशी इमारत में भीषण आग लग गई, हादसे में माँ, बेटा और बेटी की मौत हो गई और नानी व नातिन घायल हो गईं, जिनकी हालत गंभीर बनी हुई है। गोविंदपुरी पुलिस स्टेशन की एक टीम हादसे की जांच कर रही है। मृतकों की पहचान 28 वर्षीय पंकज, उसकी 50 वर्षीय मां गुड्डी और 20 वर्षीय बहन सोनी के रूप में हुई है। घटना के वक्त तीनों तुगलकाबाद गांव स्थित मकान की तीसरी मंजिल पर मौजूद थे, जब रात के समय अचानक आग लग गई। आग तेजी से

फैलने के कारण परिवार के सदस्य उसकी चपेट में आ गए। दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से सभी को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन पंकज, उसकी मां और बहन को बचाया नहीं जा सका। हादसे में पंकज की 18 वर्षीय बहन मोनी और उसकी करीब 70 वर्षीय नानी भी गंभीर रूप से झुलस गईं। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है और उन्हें लगातार निगरानी में रखा गया है। दमकल विभाग के अनुसार, आग लगने की सूचना रात करीब 2:25 बजे मिली थी। सूचना मिलते ही कई दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पाने के साथ बचाव अभियान शुरू किया गया। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, आग लगने के कुछ ही मिनटों में पूरा फ्लोर धुएं और लपटों से भर गया था, जिससे लोगों को बाहर निकलने का पर्याप्त समय नहीं मिल सका।

खुदरा महंगाई लगातार चौथे महीने बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। खाने-पीने के सामान, ईंधन और गहनों के दाम बढ़ने से मई में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर यानी खुदरा महंगाई बढ़कर 3.93 प्रतिशत पर पहुंच गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया गया कि मई में ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई 4.25 प्रतिशत और शहरी इलाकों में 3.53 प्रतिशत दर्ज की गई। खुदरा महंगाई लगातार चौथे महीने बढ़ी है। इस साल अप्रैल में यह 3.48 प्रतिशत रही थी। खास बात यह रही कि एक साल में सोने से ज्यादा मुद्रास्फीति टमाटर की रही। खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति दर 4.78 प्रतिशत दर्ज की गई। ईंधन की महंगाई दर छह प्रतिशत रही, हालांकि बिजली तीन प्रतिशत सस्ती हुई। माल परिवहन सेवा की 7.63 प्रतिशत दर्ज की गई। हवाई सफर 15 प्रतिशत महंगा हुआ जबकि डाक एवं कूरियर सेवाओं की महंगाई दर 7.63 प्रतिशत रही। गहने और घड़ियों के दाम 64 प्रतिशत बढ़े। तीन सबसे ऊंची महंगाई दर वाली वस्तुओं में चांदी के गहनों की कीमत एक साल पहले के मुकाबले 155 प्रतिशत, टमाटर की 48 प्रतिशत और सोना, हीरा तथा प्लेटिनम के गहनों की 41 प्रतिशत बढ़ी।

मुंबई में लोकल ट्रेन सेवाएं हुई बाधित, यात्री परेशान

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की हार्बर लाइन पर शुक्रवार को व्यस्ततम समय के दौरान लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। चेंबूर के पास ओवरहेड इलेक्ट्रिक तार पर कपड़ा गिरने से तकनीकी खराबी आ गयी। रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसके कारण हजारों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सोने-चांदी का आयात शुल्क मूल्य घटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट के मद्देनजर सरकार ने दोनों कीमती धातुओं के आयात शुल्क मूल्य में कमी कर दी। आयात शुल्क मूल्य वह कीमत है जिसके आधार पर ऐसी चुनिंदा वस्तुओं पर आयात शुल्क लगाया जाता है जिनकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार बदलती रहती है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा वीरवार रात जारी अधिसूचना में कहा गया कि सोने का आयात शुल्क मूल्य अब 1,343 डॉलर प्रति 10 ग्राम होगा। इससे पहले 29 मई को सोने का आयात शुल्क मूल्य 1,423 डॉलर प्रति 10 ग्राम निर्धारित किया गया था। इस प्रकार इसमें 80 डॉलर की कटौती की गई है। चांदी का आयात शुल्क मूल्य 276 डॉलर घटाकर 2,092 डॉलर प्रति किलोग्राम किया गया है। इससे पहले 29 मई को यह 2,368 डॉलर प्रति किलोग्राम तय किया गया था।

एक जुलाई 1.5% तक महंगी होंगी टाटा की कारें और एसयूवी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) ने बढ़ती लागत का हवाला देते हुए 01 जुलाई से कारों और एसयूवी के दाम में 1.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। कंपनी ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। कंपनी ने पारंपरिक आंतरिक दहन इंजन वाले वाहन और इलेक्ट्रिक वाहन दोनों के दाम अगले महीने से बढ़ाने का फैसला किया गया है।

परमाणु ऊर्जा से जुड़ी वस्तुओं के आयात पर सीमा शुल्क माफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने परमाणु ऊर्जा से जुड़ी वस्तुओं के आयात पर 01 अप्रैल 2019 से 31 जनवरी 2026 की अवधि के लिए पूर्व प्रभाव से सीमा शुल्क माफ कर दिया। वित्त मंत्रालय द्वारा वीरवार देर रात जारी अधिसूचना में कहा गया कि 01 फरवरी 2026 की अधिसूचना के माध्यम से उस तारीख से परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए सभी वस्तुओं पर देय संपूर्ण सीमा शुल्क से मुक्त आयात की अनुमति दी गई।

कैमिकल भरा ट्रक पलटा, लगी आग

धुले (एजेंसी)। महाराष्ट्र में धुले जिले के शिरपुर तालुका में सुबह सावरगांव के पास शिरपुर-चोपड़ा हाईवे पर शुक्रवार को केमिकल से भरा एक ट्रक पलट जाने के बाद उसमें आग लग गई। इस हादसे के बाद हाईवे पर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं। ड्राइवर और कंडक्टर दोनों कूदकर अपनी जान बचाने में कामयाब रहे। थलनेर पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि अज्ञात वाहन के आगे आने से यह हादसा हुआ।

असम में आया 4.7 तीव्रता का भूकंप, कछार जिले में था भूकंप का केंद्र, मेघालय समेत पूर्वोत्तर के कई इलाकों में महसूस हुए झटके

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के कछार जिले में गुरुवार रात 4.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसके झटके मेघालय सहित पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या बड़े हादसे की कोई सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार भूकंप गुरुवार रात करीब 9ः10 बजे आया। इसका केंद्र असम के कछार जिले में स्थित था। भूकंप की गहराई जमीन से लगभग 39 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई, जिससे इसके झटके आसपास के राज्यों तक महसूस किए गए। भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, भूकंप का केंद्र 24.941 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 93.007 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। झटके महसूस होते ही कई लोग एहतियातन अपने घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। कुछ क्षेत्रों में लोगों के बीच थोड़ी देर के लिए दहशत का माहौल भी देखा गया। मेघालय के अलावा दक्षिणी असम और पूर्वोत्तर के अन्य हिस्सों में भी कंपन महसूस किए जाने की खबरें सामने आई हैं। हालांकि स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियों ने स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखी और किसी बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं की।

बिल्डिंग में आग, 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में एक बिल्डिंग में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक युवक और दो महिलाएं हैं। 6 लोगों को बचाया गया है, सभी अस्पताल में भर्ती हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में लगी थी। धीरे-धीरे आग पांच मंजिला बिल्डिंग में फैल गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने छत का ताला काटकर लोगों को बचाया। फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, गुरुवार देर रात 2ः35 बजे से 2ः37 बजे के बीच इमरजेंसी कॉल मिलीं। आग तारा अपार्टमेंट के पास गली नंबर 1 में स्थित एक इमारत में लगी थी। इमारत के अंदर कई लोगों के फंसे होने की खबर मिलने के बाद फायर फाइटर्स ने रेस्क्यू शुरू किया। 3ः45 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

ट्रैनिंग के दौरान धमाका, 2 जवान घायल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शुक्रवार को एलओसी के पास धमाका हो गया। इस हादसे में सेना के दो जवान घायल हो गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक एलओसी के पास फॉरवर्ड एरिया में ट्रैनिंग एक्सरसाइज के दौरान अचानक ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ। हादसे में घायल दोनों जवानों को पुंछ के 425 आर्मी फील्ड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

वाराणसी में जिला जज की कुर्सी पर बैठी महिला, हंगामा

-बोली- आज मैं सुनवाई करूंगी, गवाह और सबूत पेश करिए; पुलिस ने खींचकर उतारा

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में शुक्रवार सुबह 9 बजे जिला जज की कुर्सी पर एक महिला बैठ गई। कुर्सी पर बैठते ही हैमर पटकते हुए चिल्लाई- ऑर्डर-ऑर्डर। वकीलों से कहा- आज मैं जिला जज हूं। गवाह और सबूत पेश करिए। आज सारे मामले की सुनवाई मैं करूंगी। जो भी काम हो हमको बताया जाए। इसके बाद फाइलें उठाकर उनको पलटना शुरू कर दिया। एकाएक हुए इस घटनाक्रम से वकील चौंक गए। उन्होंने वीडियो बनाना शुरू किया तो महिला भड़क गई। वकीलों ने महिला को बाहर जाने के लिए कहा, लेकिन वह कुर्सी पर ही बैठी रही। इसके बाद महिला पुलिसकर्मियों को बुलाया गया। पुलिस महिला को हिरासत में लेकर कैंट थाने लेकर चली गई। करीब एक घंटे तक यह ड्रामा चला। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को जिला जज अवकाश पर थे। शुक्रवार सुबह जिला कोर्ट खुला। कर्मचारियों ने जिला जज समेत सभी कोर्ट में आज सुनवाई के लिए प्रस्तावित मुकदमों की फाइलें रख दीं। तभी शिवपुर निवासी बुज गुप्ता की पत्नी वंदना गुप्ता (50) कोर्ट में घुस आईं। जिला जज के आने का समय पूछा। कुछ देर बाद वह जिला जज की डायस पर पहुंच गईं और कुर्सी पर बैठ गईं। हैमर उठाकर टेबल पर पटकते हुए जोर से चिल्लाकर कहा- ऑर्डर-ऑर्डर। यह सुनकर कोर्ट रूम में मौजूद वकील खड़े हो गए। यह देखकर वंदना गुप्ता बोली कि आप लोग खड़े मत हो। गवाह और सबूत पेश करिए। जो भी काम हो मुझे बताइए।

नटराजन मामला : कांग्रेस का प्रदर्शन, पहले वोट चोरी, अब सीट चोरी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में कांग्रेस पार्टी ने मध्य प्रदेश से अपनी राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के विरोध में प्रदर्शन किया। दिल्ली में जुटे मध्य प्रदेश कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित अनेक विधायकों ने भाजपा पर वोट चोरी के बाद अब सीट चोरी का आरोप लगाया। कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने घटना को देश के इतिहास में पहली बार हुई सीट चोरी बताया। उन्होंने कहा कि आजकल जहाँ वोट चोरी और ईवीएम में गड़बड़ी की चर्चा थी, वहीं अब भाजपा ने चुनाव से पहले ही सीट चोरी कर ली है। कांग्रेस नेता सिंह ने आरोप लगाया कि जब नटराजन ने अपना नामांकन जमा किया था, तब भी भाजपा कांग्रेस विधायकों को प्रलोभन देने और सौदा करने का पूरा प्रयास कर रही थी। उन्होंने 2020 के ज्योतिरादित्य सिंधिया प्रकरण का जिक्र कर कहा कि वर्तमान विधायकों को भाजपा के साथ सौदा करने का मतलब आत्महत्या करना बखूबी एहसास था। विधायकों के एकजुट खड़े रहने के बाद भाजपा पर बेबुनियाद तरीके से नोटिस ढूंढकर नामांकन रद्द कराने का आरोप लगाया गया। जयवर्धन सिंह ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुसार, गैर-संज्ञेय अपराध के नोटिस का नामांकन में उल्लेख करना अनिवार्य नहीं है, केवल एफआईआर या न्यायिक जाँच का ही उल्लेख करना पड़ता है। उन्होंने देश के 80 साल के इतिहास में पहली बार एक गैर-संज्ञेय अपराध के नोटिस के आधार पर उम्मीदवारी खारिज किया जाना बताया। वहीं कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया ने दिन को लोकतंत्र के लिए काला दिन करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा जहाँ 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की बात करती है, वहीं वह अपनी तीन राज्यसभा सीटों पर एक भी महिला को मौका नहीं देती और जब कांग्रेस मौका देती है, तब उस खत्म करने में पूरी ताकत लगा देती है। उन्होंने भाजपा पर विधायक खरीदकर वोटिंग से बचने का आरोप भी लगाया। राज्यसभा सांसद अशोक सिंह ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा संवैधानिक संस्थाओं को खत्म करने की बात अब स्पष्ट रूप से दिख रही है। विधायक विवेक पटेल ने इस लोकतंत्र की हत्या बताया, जो 2014 के बाद से भाजपा सरकार द्वारा लगातार की जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम, चली तेज आंधी-बारिश, लोगों को मिली राहत

-पाक सीमा से सटे इलाकों में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना, रेड अलर्ट जारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार रात अचानक मौसम का मिजाज बदल गया है। तेज आंधी, बिजली और धूल भरे तूफान आया। मौसम के इस आक्रामक रूप को देखते हुए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इस समय सेंट्रल पाकिस्तान और उससे सटे इलाकों के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। यह हवाओं का एक ऐसा जाल है जो अपने आसपास के क्षेत्र में भारी वायुमंडलीय अस्थिरता पैदा करता है। इस साइक्लोनिक सर्कुलेशन के मजबूत होने के कारण उत्तर-पश्चिम भारत, खासकर दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी यूपी के वायुमंडल में अचानक उथल-पुथल शुरू हो गई है। जब यह पाकिस्तान की तरफ से आ रही गर्म हवाएं भारत के मैदानी इलाकों की नमी से मिलती हैं, तो यह तीव्र आंधी और गरज-चमक वाले बादलों का निर्माण करती हैं। यही कारण है कि दिल्ली-एनसीआर में अचानक 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने लगीं, जो कभी-कभी 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार को भी छू रही हैं।

मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर में रेड अलर्ट जारी किया है। रेड अलर्ट का मतलब होता है- तुरंत कदम उठाएं और सुरक्षित रहें। यह अलर्ट तब जारी किया जाता है जब मौसम इतना खराब हो कि उससे जान-माल के नुकसान का खतरा हो। विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों तक दिल्ली और आसपास के इलाकों में तेज आंधी के साथ बिजली, धूल का गुबार और गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

इस तूफान और बारिश का एक सकारात्मक पहलू यह है कि इसने दिल्लीवासियों को पिछले कई दिनों से सता रही उमस और भीषण गर्मी से राहत दी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि शुक्रवार से यह सिस्टम और मजबूत हो सकता है, जिससे बारिश और तेज हवाओं का दौर आगे भी जारी रहेगा। खराब मौसम को देखते हुए मौसम विभाग ने नागरिकों और स्थानीय प्रशासन के लिए सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं।

गाइडलाइन के मुताबिक मजबूत इमारतों में शरण लें, तूफान के दौरान तुरंत किसी पक्के और सुरक्षित मकान के अंदर चले जाएं। कमजोर संरचनाओं से दूर रहें, टिन शेड, साइनबोर्ड, कच्चे मकानों और निर्माणाधीन इमारतों के पास बिल्कुल न खड़े हों। आंधी में पेड़ उखड़ने या उनकी शाखाएं टूटने का सबसे ज्यादा खतरा रहता है, इसलिए इनके नीचे गाड़ी पार्क न करें और न ही खुद खड़े हों। घरों के अंदर रहने के दौरान भी शीशे वाली खिड़कियों से दूर रहें। इस दौरान नदी, तालाब या जलभराव वाले इलाकों के पास जाने से बचें। पाकिस्तान से उठे इस वेदर सिस्टम का असर अगले 24 से 48 घंटों तक रह सकता है, इसलिए सतर्कता ही इस मौसम में सबसे बड़ा बचाव है।

इंडिगो फ्लाइट में बम लिखा टिशू पेपर मिला, विमान से यात्रियों को उतारा

-विमान और सामान की तलाशी ली, नहीं मिली संदिग्ध वस्तु, यात्री हुए परेशान

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब उड़ान भरने से पहले विमान के टॉयलेट में बम लिखा हुआ एक टिश्यू पेपर मिला। लखनऊ से

सुबह 11.15 बजे इंडिगो एयरलाइन के दिल्ली जाने वाले विमान 6ई2111 के टॉयलेट में किसी ने एक टिश्यू पेपर पर बम होने की सूचना लिखकर रख दी। इसके बाद विमान को एसटीसी से संपर्क के बाद टैक्सी वे एरिया में लाया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीआईएसएफ समेत सभी सुरक्षा एजेंसियों ने यात्रियों और उनके सामान को उतार नीचे उतारा। विमान और सामान की तलाशी ली गई। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत करीब 180 यात्रियों वाली इस फ़्लाइट को एप्रन पर ही रोक दिया गया। सुरक्षा कर्मियों ने विमान की सघन तलाशी ली गई, जिसमें कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जांच के बाद इस खतरे को पूरी तरह झूठा बताया। जरुरी सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के चलते विमान की उड़ान में देरी हुई। अधिकारी ने बताया कि टिशू पेपर पर बम शब्द किसने लिखा और इसके पीछे किसका हाथ है इसका पता लगाया जा रहा है। इस पूरी छानबीन में विमान में बैठे 180 यात्री परेशान होते रहे। बता दें यह कोई पहली बार नहीं है जब कि इंडिगो विमान में बम की झूठी सूचना दी गई हो। पहले भी कई मौकों पर ऐसा हो चुका है और हर बार यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा है। कई मामलों में तो सुरक्षाकर्मियों ने आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है।

दलाई लामा के घुटने की हुई रिप्लेसमेंट सफल सर्जरी, अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा की बाएं घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी के बाद उनकी सेहत में सुधार हो रहा है। इसके साथ ही, उन्हें अस्पताल से भी छुट्टी दे दी गई है। दलाई लामा ने एक्स पर अपने स्वास्थ्य को लेकर यह अपडेट साझा किया है। डॉक्टरों ने बताया कि वर्तमान प्रक्रिया के बाद उनकी स्थिति स्थिर है और स्वास्थ्य में सुधार जारी है। उन्होंने बताया कि अस्पताल के मेडिकल, नर्सिंग और प्रशासनिक स्टाफ ने उनके उपचार में उत्कृष्ट देखभाल प्रदान की है।

नई दिल्ली के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. राजेश मल्होत्रा के मुताबिक दलाई लामा की बाएं घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी सोमवार को हुई थी। इलाज के दौरान दलाई लामा की निजी मेडिकल टीम और उनके कार्यालय ने अपोलो अस्पताल के प्रशासनिक एवं चिकित्सकीय कर्मचारियों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखा। उन्होंने बताया कि दलाई लामा की स्थिति स्थिर है और उनके पूरी तरह स्वस्थ होने की उम्मीद है। उन्हें शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्होंने कहा कि दलाई लामा की सेवा करने का अवसर अस्पताल और चिकित्सा दल के लिए अत्यंत सम्मान की बात रही। बता दें इससे पहले जून 2024 में दलाई लामा ने न्यूयॉर्क सिटी के हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी में दाएं घुटने का सफल प्रत्यारोपण कराया था, जिसके बाद उनकी रिकवरी अच्छी रही थी। पिछले काफी समय से दलाई लामा हिमाचल प्रदेश के मैकलोडगंज में ही रह रहे हैं। 1959 में तिब्बत छोड़ने के बाद से वह भारत में शरण लिए हुए हैं और उन्होंने धर्मशाला को अपना स्थायी निवास बनाया है। बताया जा रहा है कि घुटने की सर्जरी करवाने के बाद दलाई लामा जून के अंत में लद्दाख जाएंगे। वहां वे एक विस्तारित अवधि तक प्रवास करेंगे। लद्दाख में उनके कार्यक्रमों और प्रवास की विस्तृत जानकारी बाद में जारी होगी।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर निजामुद्दीन दरगाह में विशेष दुआ

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पसमांदा मुस्लिम समाज उत्थान समिति (पंजीकृत) की ओर से राजधानी स्थित हजरत निजामुद्दीन औलिया की दरगाह में विशेष दुआ का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य और देश की निरंतर प्रगति के लिए दुआ की गई। साथ ही देश में शांति, सौहार्द, भाईचारा और राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की भी कामना की गई।

कार्यक्रम में समिति के मुख्य संरक्षक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता इरफान अहमद तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष एहसान अब्बासी के नेतृत्व में दरगाह पर चादर और अकीदत के फूल पेश किए गए। इस अवसर पर आयोजित पत्रकार वार्ता में वक्ताओं ने केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल को विकास, सुशासन और जनकल्याण की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया।

इरफान अहमद ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुद्रा योजना, नव उद्यम भारत अभियान, डिजिटल भारत अभियान, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी योजनाओं ने गरीब, पिछड़े और वंचित वर्गों के जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने दावा किया कि इन योजनाओं के माध्यम से करोड़ों लोगों को बैंकिंग सेवाओं, स्वास्थ्य सुविधाओं, आवास, स्वच्छता, रोजगार, पेयजल और खाद्यान्न जैसी बुनियादी सुविधाओं का लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि पसमांदा मुस्लिम समाज की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया जाता है।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की सदस्य मुन्नव्वरी बेगम, अकरम हाशमी, बिलाल जैदी, गुलाम निजाम निजामी, इकबाल खान, फुरकान सलमानी, बाबर निजामी, मजाहिर हुसैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम की सफलता में सक्रिय सहभागिता निभाई और देश की उन्नति तथा सामाजिक सद्भाव के लिए सामूहिक रूप से दुआ की।

प्रणीत मोरे विवाद पर फडणवीस, स्टैंड-अप कॉमेडी में मर्यादा का ध्यान रखना जरूरी

मुंबई (एजेंसी)। स्टैंड-अप कॉमेडियन प्रणीत मोरे के शो को लेकर उठे विवाद के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मौलिक अधिकार है, लेकिन इसका उपयोग करते समय समाज, संस्कृति और लोगों की भावनाओं का सम्मान होना चाहिए। सीएम फडणवीस ने जोर दिया कि जब अभिव्यक्ति की कोई शैली तय सीमाओं से आगे निकलती है, तब उसका समाज और आम लोगों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, इसलिए इसका इस्तेमाल जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ होना चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से स्टैंड-अप कॉमेडी देखना पसंद है, लेकिन कॉमेडियन को यह समझना चाहिए कि उनके शब्द और प्रस्तुतियां समाज में किस तरह का संदेश दे सकती हैं; कॉमेडी के साथ सामाजिक मर्यादाओं का पालन भी आवश्यक है। यह विवाद प्रणीत मोरे के स्टैंड-अप शो से जुड़े कुछ वीडियो और क्लिप के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सामने आया, जिसमें महिलाओं, सहमति और मृत व्यक्तियों को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के आरोप लगे हैं। इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने स्वतः संज्ञान लेकर हरियाणा के पुलिस महानिदेशक से त्वरित और सख्त कार्रवाई की मांग की है। आयोग ने सात दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, साथ ही मोरे तथा हिमांशु जांगड़ा को 22 जून को आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया है। वहीं, महाराष्ट्र साइबर विभाग ने भी प्रणीत मोरे, हिमांशु जांगड़ा, डॉक्टर सेजल पवार सहित अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है।

पीएम मोदी के पास समारोह में शामिल होने का समय है, अमेरिकी हमले की निंदा का नहीं

-3 भारतीय नाविकों की मौत पर भड़के ओवैसी, बोले- बार-बार विफल साबित हो रही सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओमान तट के पास एक वाणिज्यिक पोत पर अमेरिकी सेना के हमले में तीन भारतीय की मौत के बाद देश में सियासत गरमा गई है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर तीखा हमला बोला। ओवैसी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी के पास समारोहों में शामिल होने के लिए तो समय है, लेकिन अमेरिकी हमले में मारे गए भारतीयों की मौत की निंदा करने का समय नहीं है। ओवैसी ने दावा किया कि केंद्र सरकार अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में काम करने वाले भारतीय नागरिकों और नाविकों की जान की रक्षा करने में बार-बार विफल साबित हो रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओवैसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारतीयों की जान बचाना सरकार का पहला कर्तव्य है। यह दुखद और व्यथित करने वाला है कि पीएम मोदी के पास समारोहों के लिए समय है लेकिन भारतीयों की जान लेने के लिए अमेरिकी सेना की निंदा करने का समय नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि क्या भारत के इतिहास में कभी इससे कमजोर सरकार रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अब भी भारतीयों को सैनिकों के रूप में भर्ती कर रहा है ''जो कई मारे जा रहे हैं'' लेकिन सरकार असहाय है।

ओवैसी ने कहा कि सरकार फिल्मों में चीन का नाम लेने या गलवान की लड़ाई दिखाने की इजाजत नहीं देती और अब अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में भारतीय नाविकों के साथ यह हुआ है। एक देश के रूप में हम इससे बेहतर के हकदार हैं। जय हिंद। भारत ने गुरुवार को कहा कि अमेरिकी सेना ने पिछले चार दिन में ओमान के तट के पास भारतीय चालक दल वाले तीन वाणिज्यिक पोतों पर हमला किया जिसमें तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। भारत ने कहा कि उसने इस मामले को अमेरिका के समक्ष सख्ती से उठाया है।

गौ संरक्षण और मतदाता जागरूकता पर बोले शंकराचार्य, शुरू हुआ 'एक नोट अभियान'

गोवर्धन (एजेंसी) । गोवर्धन में शुक्रवार को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गौ संरक्षण और मतदाता जागरूकता को लेकर लोगों को संबोधित किया। श्री राधा कृष्ण कृपा धाम आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में हिंदूवादी कार्यकताओं और गौ-रक्षकों ने उनका भव्य स्वागत किया।

अपने संबोधन में शंकराचार्य ने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का आधार हैं तथा उनके संरक्षण के लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदान करते समय लोगों को गंभीरता से विचार करना चाहिए, क्योंकि उनका वोट गौ संरक्षण के पक्ष या विपक्ष में खड़े लोगों को चुनने का माध्यम बनता है।

उन्होंने कहा कि धार्मिक यात्रा के माध्यम से वे मतदाताओं से संवाद कर रहे हैं और लोगों से ऐसे उम्मीदवारों व दलों का समर्थन करने की अपील कर रहे हैं जो गौ संरक्षण के लिए कार्य करते हों। कार्यक्रम के दौरान गौ माता के संरक्षण के लिए "एक नोट अभियान" का शुभारंभ भी किया गया। इस अभियान के लिए धीरज कौशिक को प्रतिनिधि नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

अहमदाबाद विमान हादसा: एक साल बाद भी सवालों के घेरे में जांच

पायलटों के संगठन ने उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। ठीक एक साल पहले, 12 जून 2025 को गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान एआई171 एक भीषण हादसे का शिकार हो गया था। इस दर्दनाक क्रैश में एक यात्री को छोड़कर विमान में सवार सभी 241 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे में न केवल विमान के पायलट, क्रू मेंबर और यात्री मारे गए, बल्कि एक मेडिकल कॉलेज के कैंपस में विमान गिरने के कारण जमीन पर मौजूद कई अन्य लोग भी असमय काल के गाल में समा गए। आज इस भयावह हादसे को पूरा एक साल बीत चुका है, लेकिन हादसा क्यों और कैसे हुआ? तथा इसके लिए कौन जिम्मेदार था? जैसे बुनियादी और अहम सवालों के ठोस जवाब आज भी सामने नहीं आ सके हैं। इस बीच, फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलटों (एफआईबी) ने दुर्घटना की चल रही जांच पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए इसकी निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पायलटों के इस शीर्ष संगठन ने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की पारदर्शिता और जांच की तकनीकी दिशा पर उंगली उठाई है। संगठन का दावा है कि क्रैश होने से पहले विमान ने कई तकनीकी चेतावनियां जारी की थीं, जिन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया। संगठन के प्रमुख कैप्टन सीएस रंधावा ने इस संबंध में चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि बोइंग 787 विमान ने उड़ान भरने से पहले और यात्रा के दौरान कम से कम 10 इनक्रिप्टेड यानी कोड वर्ड में हेल्थ मॉनिटरिंग कोड भेजे थे। उन्होंने शुरुआती जांच पर कड़ा असंतोष व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि जांच अधिकारियों ने वास्तविक तकनीकी खराबी या इलेक्ट्रिक फेल्योर की संभावनाओं को खंगालने के बजाय, बहुत ही जल्दबाजी में पूरा ध्यान केवल पायलट की गलती साबित करने पर केंद्रित कर दिया।

कैप्टन रंधावा ने दावा किया कि विमान के एयरक्राफ्ट कम्युनिकेशन एड्रेसिंग एंड रिपोर्टिंग सिस्टम द्वारा भेजे गए इन महत्वपूर्ण संदेशों को शुरुआती जांच रिपोर्ट से गायब कर दिया गया। ये विशेष कोड विमान के उड़ान भरने से महज 15 मिनट पहले और उड़ान के दौरान सिस्टम द्वारा भेजे गए थे। इन कोड संदेशों को केवल विमान निर्माता कंपनी बोइंग ही डिकोड कर सकती है, यहां तक कि एयरलाइन खुद भी इन्हें सीधे नहीं पढ़ सकती। यह अत्याधुनिक सिस्टम दोनों इंजनों की गति, तेल और हाइड्रोलिक प्रेशर सहित सैकड़ों तकनीकी मापदंडों की निगरानी कर रिपोर्ट भेजता है। संगठन ने उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखकर मांग की है कि इस बेहद संवेदनशील डेटा को तुरंत डिकोड कर सार्वजनिक किया जाए, ताकि हादसे की असली वजह सामने आ सके।

जांच एजेंसी की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार करते हुए संगठन ने पूछा कि हादसे में चमत्कारिक रूप से जीवित बचे एकमात्र यात्री से पूरे 10 महीने तक कोई पूछताछ क्यों नहीं की गई? इसके साथ ही उन्होंने दिवंगत पायलट के 91 वर्षीय बुजुर्ग पिता को जांच के नाम पर प्रताड़ित किए जाने का भी आरोप लगाया। रंधावा के अनुसार, इस विमान में दिल्ली से अहमदाबाद आते समय ही तकनीकी खराबी की सूचना मिली थी, जहां इसकी स्टेबलाइजर से जुड़ी समस्या के कारण कुछ मोटर बदले गए थे और आनन-फानन में इसे दोबारा उड़ान की

हरी झंडी दे दी गई थी। हादसे में बचे एकमात्र यात्री के बयान का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि टेकऑफ और लैंडिंग के समय विमान की लाइटें लगातार टिमटिमा रही थीं, जो विमान में किसी बड़े इलेक्ट्रिक फेल्योर का स्पष्ट संकेत था, जिसकी गहन तकनीकी जांच होनी अनिवार्य है।

कांवड़ यात्रा : गाजियाबाद पुलिस ने शुरू की तैयारियां, एडिशनल सीपी राजकरन नैय्यर की अध्यक्षता में हुई बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आगामी कांवड़ यात्रा और मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराने के लिए गाजियाबाद पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी है। तैयारियों को लेकर एडिशनल सीपी राजकरन नैय्यर की अध्यक्षता में रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और यातायात प्रबंधन को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में डीसीपी नगर/ ट्रांस हिंडन धवल जायसवाल, डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी, डीसीपी यातायात त्रिगुण बिसेन और सर्किलों के सहायक पुलिस व थाना प्रभारी मौजूद रहे। अधिकारियों के साथ क्षेत्रवार तैयारियों की समीक्षा करते हुए एडिशनल सीपी ने कहा कि कांवड़ यात्रा और मोहर्रम दोनों ही बड़े आयोजन है। इसमें लाखों लोगों की सहभागिता रहती है। ऐसे में पुलिस की जिम्मेदारी केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को सुरक्षित तथा सुगम वातावरण उपलब्ध कराना भी प्राथमिकता है। गोष्ठी के दौरान कांवड़ यात्रा मार्गों की विशेष समीक्षा करने के आदेश दिए गए। सभी को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने क्षेत्रों में संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थानों का चिन्हीकरण कर वहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करें। कांवड़ मार्गों पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या दुर्घटना की संभावना को रोकने के लिए पूर्व से ही व्यापक तैयारी की जाए।

कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में शिवभक्त विभिन्न राज्यों और जनपदों से गाजियाबाद होकर गुजरते हैं। ऐसे में यातायात संचालन एक बड़ी चुनौती होती है। इसे ध्यान में रखते हुए प्रभावी डायवर्जन योजना तैयार की जाए। यातायात व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और आमजन का आवागमन भी न्यूनतम रूप से प्रभावित हो। प्रमुख कांवड़ मार्गों, शिविरों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल, बैरिकेडिंग तथा नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था की जाए। ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी निगरानी को प्रभावी ढंग से संचालित की जाए। सोशल मीडिया पर भी सतर्क निगरानी रखी जाए और अफवाह फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए। स्थानीय स्तर पर आयोजकों, धर्मगुरुओं और गणमान्य नागरिकों के साथ नियमित संवाद बनाए रखा जाए। त्योहारों के दौरान साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने पर विशेष बल दिया जाए।

उर्वरकों की उपलब्धता बढ़ाने पर जोर, किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के निर्देश

शामली (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उर्वरक उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि, सहकारिता, गन्ना विभाग तथा भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) से जुड़े अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में जिलाधिकारी ने किसानों को उनकी जोत के अनुरूप संतुलित मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए कहा कि खाद वितरण व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी एवं सुचारु रहनी चाहिए, ताकि किसी भी किसान को परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जिला गन्ना अधिकारी तथा सहायक निबंधक सहकारिता को निर्देशित किया कि समितियों पर उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और वितरण व्यवस्था पर प्रभावी निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा सर्वोपरि है, इसलिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं। जिलाधिकारी ने इफको केंद्रों पर किसानों के लिए छायादार शेड तथा स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सभी समितियों एवं संस्थाओं पर उपलब्ध उर्वरकों की जानकारी लघु संदेश सेवा (एसएमएस) तथा समाचार पत्रों के माध्यम से समय पर किसानों तक पहुंचाने को कहा, जिससे किसानों को खाद की उपलब्धता की सही जानकारी मिल सके और उन्हें अनावश्यक रूप से इधर-उधर न भटकना पड़े। समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जनपद में वर्तमान समय में 7122.280 मीट्रिक टन यूरिया, 1468.00 मीट्रिक टन डीएपी तथा 229.100 मीट्रिक टन एनपीके उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जसाला स्थित आरक्षित भंडार गोदाम में 3245.40 मीट्रिक टन यूरिया

तथा 827.75 मीट्रिक टन डीएपी का भंडारण मौजूद है। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि जनपद को इफको यूरिया की 2680.020 मीट्रिक टन क्षमता वाली एक नई रेल खेप शीघ्र प्राप्त होने वाली है, जिससे उर्वरकों की उपलब्धता और अधिक मजबूत होगी। जिलाधिकारी ने सहकारिता विभाग को निर्देश दिए कि आवश्यकता के अनुसार आरक्षित भंडार का समयबद्ध आवंटन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निजी क्षेत्र से सहकारिता क्षेत्र को आवंटित 20 प्रतिशत उर्वरक का समय पर उठान कराने तथा प्रांतीय सहकारी संघ की परिवहन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के भी निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी कि परिवहन व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसानों को समय पर और पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य करने तथा वितरण व्यवस्था को पूरी तरह व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए, ताकि खेती-किसानी के कार्य प्रभावित न हों और किसानों को हर स्तर पर आवश्यक सुविधा मिल सके।

संदूक में बंद मिले दो मासूम, अपहरण के प्रयास की आशंका से मचा हड़कंप

शामली (शिखर समाचार)। शहर के जैन मोहल्ला स्थित लाल गली में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब छत पर खेल रहे दो मासूम बच्चे संदिग्ध परिस्थितियों में एक संदूक के अंदर बंद मिले। घटना के बाद परिजनों ने बच्चों के अपहरण के प्रयास की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एक संदिग्ध महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, जैन मोहल्ला लाल गली निवासी अंकित के मकान की तीसरी मंजिल पर उनकी बहन प्रीति कपड़े धो रही थीं। उसी दौरान अंकित का पांच वर्षीय पुत्र हर्षित और प्रीति की सात वर्षीय पुत्री माहफी छत पर खेल रहे थे। कपड़े धोने के बाद प्रीति नीचे चली गईं, जबकि दोनों बच्चे छत पर ही मौजूद थे। काफी देर तक बच्चे नीचे नहीं आए तो परिजनों को चिंता हुई। परिजनों ने बच्चों की तलाश शुरू की, लेकिन वे छत पर नहीं मिले। इसके बाद कमरे में रखे एक संदूक की जांच की गई तो उसमें दोनों बच्चे अर्द्धबेहोशी की हालत में पड़े मिले।

परिजनों ने तत्काल बच्चों को संदूक से बाहर निकालकर पानी के छींटे मारे, जिसके बाद दोनों को होश आया। बच्ची माहफी ने परिजनों को बताया कि एक युवक छत पर आया था, जिसने काली टी-शर्ट और लोअर पहन रखा था तथा उसके हाथ में कड़ा था। बच्ची के अनुसार, युवक दोनों बच्चों को पड़ोस की छत पर ले जाने का प्रयास कर रहा था। बच्चों द्वारा शोर मचाने पर उसने उनका मुंह दबा दिया और बाद में कमरे में रखे संदूक में बंद कर मौके से फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। इसी दौरान मोहल्लेवासियों ने गली में घूम रही एक संदिग्ध महिला को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई।

घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। परिजन बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है तथा हिरासत में ली गई महिला से पूछताछ की जा रही है। जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

932 विवेचकों को मिले अत्याधुनिक टैबलेट, विवेचनाओं का होगा पारदर्शिता के साथ निस्तारण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अपराधों की विवेचना को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में एक गाजियाबाद पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ ने एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने सभी थानों में कार्यरत विवेचना अधिकारियों को अत्याधुनिक टैबलेट उपलब्ध कराए है, जिससे पुलिसिंग को तकनीक से जोड़ते हुए स्मार्ट पुलिसिंग को मजबूती प्रदान हो सके और जांच प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाया जा सके। विभिन्न थानों पर नियुक्त 932 विवेचकों को टैबलेट वितरित किए गए। इन उपकरणों की मदद से विवेचक घटनास्थल से ही महत्वपूर्ण सूचनाएं, साक्ष्य, दस्तावेज और अन्य आवश्यक जानकारी डिजिटल रूप से दर्ज कर सकेंगे। इससे न केवल जांच की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि मामलों के निस्तारण में भी तेजी आएगी। डिजिटल तकनीक के उपयोग से कागजी कार्यवाही में उल्लेखनीय कमी आएगी। वर्तमान समय में कई मामलों में दस्तावेजों के संकलन और रिकॉर्ड के रखरखाव में काफी समय खर्च होता है। टैबलेट के माध्यम से यह प्रक्रिया सरल और तेज होगी, जिससे विवेचक अधिक समय जांच और अपराध नियंत्रण पर केंद्रित कर सकेंगे। यह पहल भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर साक्ष्यों और दस्तावेजों का बेहतर प्रबंधन होने से न्यायिक प्रक्रिया को भी मजबूती मिलेगी। इस तकनीकी बदलाव से लंबित मामलों के समयबद्ध निस्तारण में सहायता मिलेगी। साथ ही पुलिसिंग अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक केंद्रित बनेगी। विवेचना की प्रत्येक प्रक्रिया का डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध रहने से निगरानी और समीक्षा भी आसान हो जाएगी। यह कदम प्रदेश में तकनीक आधारित पुलिसिंग के उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है। आधुनिक तकनीक का उपयोग अपराध नियंत्रण और जांच प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने में अहम भूमिका निभाता है। ऐसे में गाजियाबाद पुलिस की यह पहल अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन सकती है।

सेल्सकर्मी ने रचा तनिष्क के शोरूम में चोरी का षड्यंत्र, पुलिस ने 1 अभियुक्त को लिया हिरासत में

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना कवि नगर क्षेत्र के आरडीसी स्थित तनिष्क के शोरूम में सेल्सकर्मी नितिन ने ही चोरी का षड्यंत्र रख दिया। नितिन अपने कुछ साथियों के साथ शोरूम का ताला खोलकर अंदर दाखिल हुआ और चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। पुलिस ने दुकान की चाबी रखने वाले गौतम राज को हिरासत में ले लिया है और नितिन व उसके साथियों की तलाश में पुलिस जुट गई है। सहायक पुलिस आयुक्त कवि नगर सूर्यबली मौर्य ने बताया कि थाना कवि नगर पर सुबह के समय सूचना प्राप्त हुई थी कि आरडीसी स्थित तनिष्क शोरुम मे चोरी हुई है। सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और जाँच शुरू की। पुलिस ने जाँच के दौरान जब सीसीटीवी कैमरे चेक किया तो उसमें शोरूम के अंदर कार्य करने वाला सेल्सकर्मी नितिन अपने साथियों के साथ शोरूम का ताला खोलकर अंदर दाखिल होता हुआ दिखाई दे रहा है। सीसीटीवी के आधार पर नितिन और उसके साथियों की तलाश शुरू कर दी गई है। घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस की 5 टीम बनाई गई है। जाँच में यह भी सामने आया कि शोरूम की चाबी राज गौतम के पास रहती थी। राज गौतम को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है। जल्द ही चोरी की पूरी घटना का खुलासा किया जाएगा।

जिम संचालन के लिए पुलिस सत्यापन करना अनिवार्य : विकास कश्यप

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिम और फिटनेस सेंटर से जुड़ी तमाम शिकायतों के बाद गाजियाबाद प्रशासन हरकत में आ गया है। जिम और फिटनेस सेंटर का संचालन करने के लिए विभिन्न नए नियम बना दिए गए है। अगर किसी ने भी इन नियमों का पालन नहीं किया तो उसके खिलाफ विधिक कार्यवाही की जाएगी। अपर जिलाधिकारी नगर विकास कश्यप ने बताया कि समस्त जिम संचालकों एवं फिटनेस सेंटर मालिकों को निर्देशित किया गया है कि उनके यहां कार्यरत सभी प्रशिक्षकों महिला एवं पुरुष एवं कोचों का अनिवार्य रूप से पुलिस सत्यापन कराया जाए।

जारी निदेर्शों के अनुसार बिना पुलिस सत्यापन के किसी भी प्रशिक्षक अथवा कोच को जिम या फिटनेस सेंटर में नियुक्त नहीं किया जाएगा। सभी प्रशिक्षकों को

विकास कश्यप, अपर जिलाधिकारी नगर, गाजियाबाद

फोटोयुक्त पहचान पत्र धारण करना अनिवार्य होगा, जिसमें उनका वास्तविक नाम, स्थायी पता, मोबाइल नंबर तथा अन्य आवश्यक विवरण अंकित होंगे। संबंधित पहचान पत्र सक्षम अधिकारी द्वारा सत्यापित होने के उपरांत ही मान्य माना जाएगा। सभी जिम एवं फिटनेस सेंटरों में पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएं, ताकि गतिविधियों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सके। साथ ही महिला सुरक्षा हेल्पलाइन एवं शिकायत निवारण संबंधी जानकारी प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित की जाए। जिन जिम एवं फिटनेस सेंटरों ने अभी तक अपना पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं किया है, उन्हें तत्काल आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर पंजीकरण कराने के निर्देश दिए गए हैं। उपरोक्त सभी व्यवस्थाएं सात दिवस के भीतर पूर्ण कर ली जाएं। निर्धारित अवधि के उपरांत जिला प्रशासन द्वारा औचक निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर संबंधित जिम अथवा फिटनेस सेंटर संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित संचालक की होगी।

योग दिवस को जनआंदोलन के रूप में मनाने का लिया गया संकल्प

बिजनौर (शिखर समाचार)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं योग सप्ताह के सफल आयोजन को लेकर प्रशासन द्वारा एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में योग दिवस को जनआंदोलन के रूप में मनाने तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि योग दिवस केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन-जागरूकता और स्वास्थ्य चेतना का पर्व है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 21 जून को मनाए जाने वाले 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग निर्धारित की गई है। इसके साथ ही 15 जून से 21 जून तक पूरे जनपद में योग सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि योग दिवस को व्यापक

जनभागीदारी के साथ मनाया जाए तथा प्रत्येक विकासखंड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि योग सप्ताह के दौरान जनपद के विभिन्न स्थलों पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत इंदिरा बाल भवन बिजनौर, विदुर कुटी दारानगर गंज, अमृत सरोवर अम्हेड़ा, जिला कारागार बिजनौर तथा इंदिरा पार्क बिजनौर में विशेष योग कार्यक्रम होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्य कार्यक्रम 21 जून को स्थानीय नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति, बैरिकेडिंग, पार्किंग, चिकित्सा सहायता, ध्वनि व्यवस्था तथा सुरक्षा के उच्चस्तरीय प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे, ताकि प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. राकेश कुमार, जिला होम्योपैथिक अधिकारी डॉ. आरती गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं योग संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

यूरिया से भरा ट्रक पलटा, 4.50 लाख की खाद जब्त; कालाबाजारी की आशंका पर कृषि विभाग का बड़ा एक्शन

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के ग्राम असरा मुरादपुर के पास शुक्रवार दोपहर यूरिया से भरा एक ट्रक कच्चे रास्ते से गुजरते समय अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद ट्रक में लदी यूरिया की बोरियां सड़क पर बिखर गईं। सूचना मिलने पर कृषि विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच के बाद करीब 4.50 लाख रुपये मूल्य की 225 बोरी यूरिया जब्त कर ली। ग्रामीणों के अनुसार दुर्घटना के बाद यूरिया की बोरियों को दूसरे ट्रक में भरने का प्रयास किया जा रहा था, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ। इसकी सूचना कृषि विभाग को दी गई। जिला कृषि अधिकारी गौरव प्रकाश ने मौके पर पहुंचकर दस्तावेजों की जांच की तो पता चला कि यूरिया मेरठ से किठौर भेजी जा रही थी, जबकि प्रस्तुत किए गए बिल किसी अन्य कंपनी के यूरिया के थे। प्राथमिक जांच में सरकारी सब्सिडी वाली यूरिया की कालाबाजारी अथवा अवैध डायवर्जन की आशंका जताई गई है। इसी आधार पर विभाग ने 225 बोरियां जब्त कर थाना हापुड़ देहात पुलिस को सुपुर्द कर दी हैं। कृषि विभाग का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच कर दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

चाकू हमले के 14 दिन बाद युवक ने तोड़ा दम, हत्या की धाराएं बढ़ाएगी पुलिस

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना पिलखुवा क्षेत्र में मामूली विवाद के बाद चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल किए गए युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है, जबकि पुलिस अब मामले में हत्या की धाराएं जोड़ने की तैयारी कर रही है। जानकारी के अनुसार गांव खेड़ा निवासी 25 वर्षीय दौलत गिरी 30 मई की सुबह काम पर जाने के लिए घर से निकला था। इसी दौरान गांव के ही कुनाल और कनिष्क जाटव स्कूटी से वहां पहुंचे। दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद आरोपियों ने दौलत पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। घायल युवक को पहले स्थानीय स्तर पर उपचार दिया गया, बाद में हालत गंभीर होने पर मेरठ रेफर कर दिया गया था। शुक्रवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। क्षेत्राधिकारी अनिता चौहान ने बताया कि घटना के तुरंत बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। अब घायल युवक की मौत के बाद मुकदमे में हत्या की धाराएं बढ़ाकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस मुठभेड़ में अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश, एक बदमाश को लगी गोली; दो गिरफ्तार

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना बाबूगढ़ पुलिस ने शुक्रवार सुबह एक मुठभेड़ के दौरान अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की चार मोटरसाइकिलें, तमंचे और नकदी बरामद की है। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार के अनुसार पुलिस बनखंडा नहर पटरी पर वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश घायल हो गया, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बाबूगढ़ निवासी देवेश उर्फ कुक्की और शगुन के रूप में हुई है। उनके कब्जे से चार चोरी की बाइकें, 4,200 रुपये नकद और अवैध तमंचे बरामद किए गए हैं। पूछताछ में खुलासा हुआ कि दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड में चोरी एवं लूट की कई वारदातों में शामिल रहे हैं। बरामद मोटरसाइकिलें सिम्भावली, बीबीनगर, करावल नगर (दिल्ली) और लक्सर (हरिद्वार) क्षेत्रों से चोरी की गई थीं। दोनों आरोपी बाबूगढ़ थाने में दर्ज दो मामलों में भी वांछित चल रहे थे। पुलिस के अनुसार आरोपियों के खिलाफ हापुड़, अमरोहा, बुलंदशहर, दिल्ली और उत्तराखंड के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, मारपीट और आर्म्स एक्ट के तहत एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

दीपांशु पर जानलेवा हमले में पुलिस को एक और सफलता, मुख्य आरोपी अरमान गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली (शिखर समाचार)। थाना सिंभावली क्षेत्र के ग्राम बक्सर निवासी दीपांशु पर हुए जानलेवा हमले के मामले में सिंभावली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वांछित एवं नामजद अभियुक्त अरमान को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने आरोपी को नहर पुल के पास से दबोचा। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिंभावली पुलिस ने थाना में दर्ज मु0अ0सं0 140/2026 धारा 191(2), 109 एवं 3(5) बीएनएस के तहत वांछित चल रहे आरोपी अरमान पुत्र मुन्तयाज निवासी ग्राम बक्सर, थाना सिंभावली, जनपद हापुड़ को गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि 5 जून की रात ग्राम बक्सर में हुए विवाद के दौरान दीपांशु पर जानलेवा हमला किया गया था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल दीपांशु को उपचार के लिए मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया था और 6 जून को विभिन्न हिंदू संगठनों के कार्यकताओं ने थाना सिंभावली पहुंचकर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की थी। प्रारंभिक स्तर पर इस घटना को दो समुदायों के बीच विवाद के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन पुलिस जांच में मामला दो पक्षों के बीच आपसी विवाद का निकला। पुलिस ने बताया कि इस मामले में शामिल एक अन्य आरोपी फैजान को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक आलोक कुमार, उपनिरीक्षक राहुल चौहान, हेड कांस्टेबल जितेंद्र कुमार सहित थाना सिंभावली पुलिस के अन्य कर्मी शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि मामले में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं तथा किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

प्रहलाद सिहँ मैमोरियल डिग्री कॉलेज फलावदा रोड़ चिन्तौड़ा, खतौली, मुजफ्फर नगर

चुनाव कार्यक्रम (प्रबंध समिति)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस महा विद्यालय की प्रबंध समिति के गठन हेतु विश्वविद्यालय पर्यवेक्षक प्रो. अरुण कुमार प्रोफेसर सी.सी. आर. डी. पी. जी. कालेज मुजफ्फर नगर की उपस्थिति में निम्न कार्यक्रमानुसार चुनाव किया जाना प्रस्तावित है -

(1) दिनांक 25/06/2026 - साधारण सभा के सदस्यों की सूची का प्रकाशन (10 AM to 12 PM)
(2) दिनांक 26/06/2026- सूची पर आपत्तियां (11AM To 12 PM), आपत्तियों का निराकरण (12 PM To 01 PM) एवं संशोधित सूची का प्रकाशन (3 PM)
(3) दिनांक 27/06/2026 - नामांकन (10 AM To 3 PM) एवं परीक्षण (4 PM To 6 PM)
(4) नामांकन वापसी की तिथि- दिनांक 28/06/2026 (10 AM TO 1.00 PM)
(5) दिनांक 29.06.2026- मतदान (यदि आवश्यक हुआ तो) 10 AM TO 5 PM एवं चुनाव परिणाम की घोषणा।

चुनाव अधिकारी
मौ. शाहिद
PSM Degree College.

संक्षिप्त समाचार

एक संगठन, दो अध्यक्ष: सेल्फ फाइनेंस कॉलेज एसोसिएशन में कुर्सी को लेकर मचा घमासान, सदस्यों के बीच बढ़ा भ्रम

आगरा, एजेंसी। आगरा में सेल्फ फाइनेंस कॉलेज एसोसिएशन (एसएफसीए) में अध्यक्ष पद को लेकर विवाद गहरा गया है। स्थिति यह है कि एक ही संगठन में दो नेता स्वयं को अध्यक्ष बता रहे हैं, जिससे संगठन के सदस्यों और पदाधिकारियों के बीच असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। संगठन के वर्तमान अध्यक्ष होने का दावा कर रहे कृपाल सिंह चाहर का कहना है कि उनके पास वर्ष 2028 तक अध्यक्ष पद की वैध नियुक्ति है। ऐसे में संगठन के अध्यक्ष वही हैं और उनके कार्यकाल में किसी अन्य नियुक्ति का सवाल ही नहीं उठता। करीब एक सप्ताह पूर्व एसएफसीए की कोर कमेटी की ओर से मुनेंद्र जादौन को संगठन का नया अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की घोषणा की गई। मुनेंद्र जादौन का कहना है कि लंबे समय से संगठन में चुनाव नहीं कराए जा रहे थे। इसके चलते कोर कमेटी के सदस्यों से सहमति ली गई और सभी सदस्यों के हस्ताक्षरों तथा कॉल रिकॉर्डिंग के आधार पर उन्हें अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों पक्षों के दावों के बीच संगठन के अन्य सदस्यों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

धरना-प्रदर्शन कर ई-आफिस के विरोध में की दिनभर नारेबाजी

अलीगढ़, एजेंसी। निबंधन कार्य को निजी हाथों में सौंपकर ई-आफिस खोले जाने के विरोध में अधिवक्ताओं की हड़ताल पांच दिन से जारी है। बुधवार को भी तहसील के मुख्य द्वार पर धरना-प्रदर्शन कर अधिवक्ताओं ने प्रदेश सरकार के इस निर्णय के विरोध में दिन भर नारेबाजी की। अधिवक्ताओं की इस हड़ताल से पांच दिन से निबंधन कार्यालय में एक भी बैनामा नहीं हुआ है। तहसील में न्यायिक कार्य भी ठप है। दूर-दराज से आ रहे वादकारियों को तहसील के न्यायालयों में बिना सुनवाई के लौटना पड़ रहा है। बार एसोसिएशन, युवा राजस्व बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने साफ कहा कि जब तक सरकार ई आफिस खोलने का फैसला वापस नहीं लेती, विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। यह व्यवस्था अधिवक्ताओं और जनता दोनों के खिलाफ है। इस दौरान अरुण कुमार सिंह, विनेश कुमार सिंह, जयप्रकाश बघेल, प्रवीण कुमार सिंह, प्रदीप कुमार सिंह, चित्रवीर सिंह, सतीश शर्मा अनिल शर्मा, जितेंद्र सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे। निबंधन कार्यालय में ई-आफिस के विरोध में तीन दिन से चल रही हड़ताल के समर्थन में स्टांप विक्रेता और टाइपिस्ट भी बृहस्पतिवार से शामिल होंगे। दस्तावेज लेखक संघ के अध्यक्ष गिर प्रसाद शर्मा एडवोकेट ने बताया कि संयुक्त बैठक में अधिवक्ताओं की हड़ताल का समर्थन करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में देवेंद्र सिंह, तेज प्रकाश वशिष्ठ, कृष्ण कुमार, वीरेंद्र कुमार वशिष्ठ, महेश सिंह आदि मौजूद रहे।

2017 से 2021 के बीच प्रदेश में माफ हुए थे 13 लाख लोगों के चालान, इनमें से चार लाख को भरना होगा जुर्माना

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में वर्ष 2017 से 2021 के बीच सरकार की ओर से माफ किए गए करीब 13 लाख वाहनों के चालानों की फिर जांच होगी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से गंभीर अपराधों में हुए चालानों की माफी पर चिंता जताने के बाद यह निर्णय हुआ है। इसमें गंभीर अपराधों वाले चालानों को फिर सक्रिय किया जाएगा। परिवहन विभाग को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। चालान फिर सक्रिय करने के लिए तीन श्रेणियां तय की गई हैं। इससे माफ हुए चालानों में से करीब चार लाख (30 से 35 फीसदी) मामलों में सजा या जुर्माना हो सकता है। परिवहन विभाग चालानों की जांच के लिए सभी जिलों में एक कमेटी बनाएगा जो चालानों की समीक्षा करेगी। विभाग चिह्नित तीन श्रेणी के चालानों को खोजकर उन्हें फिर सक्रिय करेगा। इससे संबंधित वाहन मालिकों को उन चालानों को भरना होगा या नियमानुसार कार्रवाई होगी। दरअसल, सरकार ने एक तरफ से सभी चालान माफ कर दिए थे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई थी। इसके बाद बीते दिनों सरकार ने अध्यादेश जारी कर कहा कि ऐसे गंभीर मामले जिनमें मौके पर या सिर्फ जुर्माना भरकर समझौता नहीं किया जा सकता है, उन चालानों को फिर से सक्रिय किया जाएगा। आदेश जारी होने के बाद परिवहन विभाग की ओर से जिला स्तर पर एक विशेष कमेटी बनाई जा रही है, जो श्रेणियों के अनुसार चालानों को एक्टिव करेगी। जिन तीन श्रेणी के चालानों की जांच होगी उनमें गैर शमनीय अपराधों, बार-बार यातायात नियम तोड़ने व ऐसे चालान जिन पर जेल की सजा तय है, शामिल हैं। वर्ष 2017 से 2021 के बीच काटे गए नॉन टैक्स ई चालान की लंबित संख्या करीब 13 लाख थी। अधिकारी बताते हैं कि कुल 30.52 लाख ई चालान बने थे। इनमें से 17.59 लाख का निस्तारण कर दिया गया था। यह आदेश पहली जनवरी 2017 से 31 दिसंबर 2021 तक के चालानों को लेकर था। वर्ष 2017 से 2021 के बीच माफ़ हुए चालानों को लेकर संशोधन आया है। इसमें शासन के निर्देश के अनुरूप कार्य किया जाएगा। कमेटियां बनेंगी, जो कार्रवाई कर विभाग को जानकारी देंगी।

मोहर्रम को लेकर मेरठ परिक्षेत्र में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था, 4500 से अधिक पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात

मेरठ (शिखर समाचार)। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए मेरठ परिक्षेत्र पुलिस ने व्यापक सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था संबंधी तैयारियां पूरी कर ली हैं। परिक्षेत्र के चारों जनपदों मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 4500 से अधिक पुलिसकर्मियों, पीएसी तथा बीएसएफ की तैनाती की गई है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध अस्त्र शस्त्र लेकर चलने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा किसी भी नई परंपरा को अनुमति नहीं दी जाएगी।

मोहर्रम का पर्व 17 जून 2026 से प्रारंभ होगा, जबकि दसवीं मोहर्रम यानी ताजिया और मुख्य जुलूस का आयोजन 26 जून 2026 को प्रस्तावित है। इस संबंध में मेरठ परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी ने सभी जनपद प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी ने बताया कि परिक्षेत्र में कुल 93 स्थानों पर 241 मजलिसें आयोजित की जाएंगी। इनमें मेरठ में 52 स्थानों पर 54, बुलंदशहर में 20 स्थानों पर 31, बागपत में एक स्थान पर एक तथा हापुड़ में 20 स्थानों पर 155 मजलिसें प्रस्तावित हैं। वहीं कुल 395 जुलूस निकाले जाएंगे, जिनमें मेरठ में 95, बुलंदशहर में 256, बागपत में 5 और हापुड़ में 39 जुलूस शामिल हैं।

ताजियों की संख्या 560 निर्धारित की गई है। इनमें मेरठ में 127, बुलंदशहर में 398, बागपत में 5 तथा हापुड़ में 30 ताजिए शामिल हैं। इसी प्रकार परिक्षेत्र में कुल 81 कर्बला स्थल चिन्हित किए गए हैं, जिनमें मेरठ में 22, बुलंदशहर में 45, बागपत में 5 और हापुड़ में 9 कर्बला स्थल हैं।

जुलूस मार्गों की निगरानी के लिए कुल 1072 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इनमें मेरठ में 190, बुलंदशहर में 690, बागपत में 33 तथा हापुड़ में 159 कैमरे स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त संवेदनशील एवं मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों से भी निगरानी की जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था के लिए 7 अपर पुलिस अधीक्षक, 25 क्षेत्राधिकारी, 102 निरीक्षक, 512 उपनिरीक्षक, 922 मुख्य आरक्षी, 1540 आरक्षी, 832 होमगार्ड एवं पीआरडी जवानों के साथ एक कंपनी पीएसी तथा एक कंपनी बीएसएफ को तैनात किया गया है।

पुलिस ने परिक्षेत्र में 83 स्थानों को संवेदनशील अथवा हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किया है। इनमें मेरठ में 47, बुलंदशहर में 22, बागपत में 4 तथा हापुड़ में 10 स्थान शामिल हैं। इन क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए 24 जोन, 81 सेक्टर और 59 त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) गठित किए गए हैं।

जुलूस मार्गों पर कुल 47 संवेदनशील स्थानों की पहचान की गई है। इनमें मेरठ में 22, बुलंदशहर में 14 और हापुड़ में 11 स्थान शामिल हैं। संवेदनशीलता की दृष्टि से मेरठ का भावनपुर थाना क्षेत्र तथा बुलंदशहर का खुर्जा नगर थाना क्षेत्र अतिसंवेदनशील श्रेणी में रखा गया है।

त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन द्वारा विभिन्न समुदायों एवं विभागों के साथ लगातार संवाद स्थापित किया जा रहा है। अब तक शांति समिति, धर्मगुरुओं और गणमान्य नागरिकों के साथ 130 बैठकें, नगर निगम, स्वास्थ्य और विद्युत विभाग सहित अन्य विभागों के साथ 120 बैठकें तथा अंजुमनों के साथ 114 गोष्ठियां आयोजित की जा चुकी हैं।

पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अगले तीन दिनों के भीतर चौकी, थाना और जनपद स्तर पर ताजियादारों एवं शांति समितियों के साथ बैठकें पूर्ण कर ली जाएं। साथ ही ताजियों के मार्ग, कर्बला स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों का भौतिक निरीक्षण किया जाए। ताजियों की ऊंचाई परंपरा और मानकों के अनुरूप रखने तथा उन्हें केवल निर्धारित मार्गों से ही निकालने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा जुलूस मार्गों पर विद्युत तारों एवं अन्य अवरोधों का आकलन कर उन्हें समय रहते हटाने, छतों पर रखी ईंट, पत्थर और अन्य संभावित खतरनाक वस्तुओं को हटवाने, प्रतिबंधित पशुओं की आवाजाही रोकने तथा आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया है।

पुलिस प्रशासन ने सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखने, अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करने, संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार पैदल गश्त बढ़ाने तथा असामाजिक एवं सांप्रदायिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश भी दिए हैं। सभी जनपदों में नियंत्रण कक्षों को सक्रिय रखते हुए सूचना संप्रेषण और त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है।

मेरठ परिक्षेत्र पुलिस का कहना है कि मोहर्रम के दौरान शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अखिलेश यादव का योगी सरकार पर बड़ा हमला, बोले- सत्ता बदली तो फर्जी एनकाउंटर की होगी जांच

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में विधानसभा चुनाव 2027 से पहले सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राज्य की उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए रोजगार, स्वास्थ्य, कानून-व्यवस्था, जातीय जनगणना और विदेश नीति जैसे मुद्दों को लेकर सवाल उठाए हैं। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने दावा किया कि यदि समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है तो बड़े पैमाने पर नौकरियां दी जाएंगी और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा किए जाएंगे। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर एंबुलेंस सेवाओं को और बेहतर बनाया जाएगा तथा गरीबों को सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। पेट्रोल और डीजल में मिलावट के मुद्दे पर भी अखिलेश यादव ने सरकार को निशाने पर लिया। उनका कहना था कि ईंधन में मिलावट की वजह से वाहनों के इंजन खराब हो रहे हैं और इसके लिए सरकार जिम्मेदार है। विदेश नीति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की कमजोर नीतियों के कारण भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि देश के पास अपनी वैश्विक पहचान को मजबूत करने का अवसर था, जिसे सरकार ने गंवा दिया। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर अखिलेश यादव ने सबसे कड़ा बयान देते हुए कहा कि यदि समाजवादी पार्टी सत्ता में आती है तो कथित फर्जी एनकाउंटर मामलों की जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने भाजपा पर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों के अधिकारों को कमजोर करने का आरोप भी लगाया। जातीय जनगणना को लेकर उन्होंने कहा कि पीडीए वर्गों के दबाव के कारण भाजपा को इस मांग को स्वीकार करना पड़ा।

अनुपात, औसत से जुड़े सवालों में उलझे परीक्षार्थी

वाराणसी में 12661 ने छोड़ी परीक्षा

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी जिले के 50 केंद्रों पर पुलिस की सिपाही भर्ती परीक्षा का समापन बुधवार को हुआ। अंतिम दिन 28.5 फीसदी ने परीक्षा छोड़ दी। यानी पंजीकृत कुल 44064 परीक्षार्थियों में से 12661 ने परीक्षा छोड़ी। हालांकि, परीक्षार्थियों ने प्रश्न पत्र को कठिन बताया। परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों ने बताया कि गणित के प्रश्न बेहद मुश्किल थे। प्रतिशत, दूरी-दिशा, लाभप्रतिशत, अनुपात और औसत से जुड़े सवाल हल करने में काफी समय लग गया।

अभ्यर्थियों ने बताया हिंदी, तार्किक क्षमता और सामान्य ज्ञान के करीब 120 प्रश्न पूछे गए। सामान्य ज्ञान में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस और प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म जैसे विषय शामिल थे।

जिला विद्यालय निरीक्षक भोलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि परीक्षा के अंतिम दिन पहली पाली में 15672 ने परीक्षा दी और 6360 ने छोड़ दी। दूसरी पाली में 15831 ने परीक्षा दी और 6201 ने छोड़ दी। दोनों ही पालियों में औसत 28.5 फीसदी ने परीक्षा छोड़ी। उन्होंने बताया कि परीक्षा सकुशल संपन्न हुई। पेपर देने पहुंचे अभ्यर्थियों की केंद्र के बाहर गहन जांच की गई। शर्ट की बांह खुलवाकर, जूते उतरवाकर जांच होने के बाद प्रवेश दिया गया। इसके बाद रेटिना और फिंगरप्रिंट स्कैन किया गया।

तीन दिन में 38 हजार से ज्यादा ने छोड़ी परीक्षा : यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा वाराणसी में भी 8 जून से 10 जून तक यह परीक्षा 6 पालियों में हुई। परीक्षा के लिए 1,32,192 अभ्यर्थी पंजीकृत थे लेकिन तीनों दिन की परीक्षा में कुल 37976 अभ्यर्थी परीक्षा देने के लिए परीक्षा केंद्र पर नहीं पहुंचे। कुल 93,616 परीक्षार्थी ही परीक्षा में शामिल हुए। इसमें पहले दिन 13053, दूसरे दिन 12362 और अंतिम दिन 12561 अनुपस्थित रहे।

दिन भर कैंट रेलवे स्टेशन पर रही भीड़, जैसे-तैसे लोगों ने की यात्रा : परीक्षा के कारण लगातार तीन दिनों तक कैंट रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ रही। परीक्षा के अंतिम दिन बुधवार को कैंट स्टेशन से 1.50 लाख से अधिक यात्रियों ने यात्रा की। सर्कुलेटिंग एरिया से लेकर प्लेटफॉर्म तक यात्रियों के अलावा परीक्षार्थियों की भीड़ रही। सबसे ज्यादा बिहार, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ रूट की ट्रेनों में भीड़ दिखी। एसी कोच में भी लोगों ने जनरल की तरह यात्रा की। स्टेशन पर भीड़ को देखते हुए आरपीएफ, जीआरपी के साथ ही यूपी पुलिस और पीएसी के जवान तैनात रहे। आरपीएफ इंस्पेक्टर संदीप यादव ने बताया कि भीड़ नियंत्रण के तहत आरक्षण कराने वाले यात्रियों को पहले जगह दिलाई गई।

पुलिस का ‘सीक्रेट पार्सल’ ऑपरेशन

कूरियर पहुंचने से पहले दबोचे गए जालसाज, ऐसे खुला खेल

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में फर्जी मार्कशीट गिरोह के पकड़े गए चारों आरोपी हसन आसिफ, जियाउल हसन उर्फ समीर, नूरुद्दीन और आमिर अहमद को मंगलवार को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया। पूर्व में किदवईनगर से गिरफ्तार जेल भेजे गए राघव सर्राफ और फर्जी मार्कशीट छाप रहे हसन आसिफ के बैंक खातों से पुलिस को लेनदेन के साक्ष्य मिले थे। पुलिस ने हसन की निगरानी शुरू की, तो वह अक्सर कूरियर कंपनी में पार्सल देते पाया गया। पुलिस ने कूरियर कंपनी को दिए गए एक ऐसे ही संदिग्ध पार्सल को जब्त किया, तो उन्हें बेकनगंज में फर्जी मार्कशीट और प्रमाणपत्र छापने वाले छपाई कारखाने का सुराग मिल गया। इस तरह से पुलिस ने छपाई कारखाने का भंडाफोड़ किया।

इस ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे इंस्पेक्टर अभय सिंह ने बताया कि आसिफ एक कूरियर कंपनी में पार्सल देकर चला गया। इसके बाद पुलिस कूरियर बुकिंग दफ्तर पहुंची। वहां के कर्मचारी से दिए गए पार्सल के बारे में पूछा। पहले उसने बताने में आनाकानी की, लेकिन थोड़ी सख्ती करते ही उसने पार्सल पुलिस को सौंप दिया। पार्सल देखने में हूबहू हैदराबाद में मनीष के पास से, गाजियाबाद में राघव के पास से और किदवईनगर में शैलेंद्र के पास मिले पार्सल जैसा ही था। इस पर भेजने और पाने वाले का नाम कोड में लिखा था। जिसे पार्सल देना है उसके कोड नेम संग मोबाइल नंबर लिखा मिला।

जियाउल हसन समेत चारों को गिरफ्तार कर लिया : पुलिस ने पार्सल खोला तो उसमें भारी संख्या में यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की फर्जी मार्कशीट और प्रमाणपत्र मिले। सभी पड़ोसी जिले के इंटर कॉलेज के नाम पर छापे गए थे। अधिकतर में 65 से 85 प्रतिशत अंक भी थे। गिरोह के सदस्यों को शक न हो इसके लिए हूबहू संदिग्ध पार्सल जैसा दूसरा पार्सल तैयार कर उसमें सादे कागज भरकर उसे दिल्ली में उसी पते पर कूरियर कर दिया गया। इधर पुलिस ने कूरियर के दिल्ली पहुंचने से पहले ही कार्रवाई करते हुए बेकनगंज में जियाउल हसन समेत चारों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, पुलिस की एक टीम दिल्ली में भी सक्रिय कर दी गई है।

बेकनगंज के युवक ही हैं कनाडा में एजेंट : पुलिस ने बताया कि बेकनगंज इलाके के रहने वाले भावीन, वारी और असलम कनाडा में फर्जी मार्कशीट गिरोह के लिए बतौर एजेंट काम कर रहे थे। कनाडा और ब्रिटेन में कॉमर्स सेक्टर के लोगों की मांग ज्यादा है। इसके चलते बीकॉम आदि की मार्कशीट की वहां से मांग ज्यादा आती है। बीकॉम वाले लोगों को वहां जल्दी और अच्छी सैलरी वाली नौकरी मिल जाती है। ऐसे में एजेंट वहां से मांग बताते और यहां से मार्कशीट व डिग्री बनाकर ऑनलाइन भेज दी जाती है।

पुलिस भर्ती परीक्षा देकर लौट रहे युवक की ट्रेन हादसे में मौत

रबूपुरा (शिखर समाचार)। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा देकर लौट रहे रबूपुरा के एक युवक की ट्रेन हादसे में मौत हो गई। युवक की असमय मृत्यु से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद उसका शव रबूपुरा लाया गया, जहां गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया। जानकारी के अनुसार कस्बा रबूपुरा के मोहल्ला अंबेडकर निवासी चेतराम का 19 वर्षीय पुत्र विशाल मंगलवार को यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा देने के लिए मुजफ्फरनगर गया था। परीक्षा समाप्त होने के बाद वह अपनी ननिहाल समसपुर सिकंदरपुर जाने के लिए खुर्जा जंक्शन रेलवे स्टेशन पहुंचा। इसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मियों ने घायल विशाल को खुर्जा के जटिया अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे कैलाश अस्पताल रेफर कर दिया। हालत गंभीर होने पर विशाल को नोएडा के सेक्टर-27 स्थित कैलाश अस्पताल भेजा गया। वहां से भी उसे जेवर स्थित कैलाश अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने अंतिम दर्शन किए। इसके बाद गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

पं. दीनदयाल उपाध्याय के समग्र जीवन दर्शन को सामने लाती है चन्दन कुमार की पुस्तक समर्पण

वाराणसी (शिखर समाचार)। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए), वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन एवं विचारों पर आधारित पुस्तक समर्पण पर पुस्तक परिचर्चा एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्वानों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन दर्शन, एकात्म मानववाद और उनकी विचारधारा की समकालीन प्रासंगिकता पर विस्तृत चर्चा की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय ज्ञान परंपरा के विद्वान एवं सामाजिक चिंतक विद्याप्रसाद मिश्र रहे, जबकि अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य रामाशीष सिंह ने की। पुस्तक के लेखक चन्दन कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ पंडित दीनदयाल उपाध्याय पर आधारित वत्तचित्र के प्रदर्शन से हुआ। इसके बाद भारत माता और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर बृहस्पति पाण्डेय ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया।

स्वागत उद्बोधन में आईजीएनसीए, वाराणसी के निदेशक डॉ. अभिजित दीक्षित ने कार्यक्रम की विषयवस्तु और उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने लेखक सहित सभी विशिष्ट अतिथियों का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया।

पुस्तक के लेखक चन्दन कुमार ने अपनी नवप्रकाशित पुस्तक समर्पण की अवधारणा, लेखन प्रक्रिया तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व और कृतित्व के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की।

इसके पश्चात अतिथियों एवं विद्वानों द्वारा पुस्तक का औपचारिक लोकार्पण किया गया।

मुख्य अतिथि विद्याप्रसाद मिश्र ने कहा कि यह पुस्तक लेखक और प्रकाशक के सतत परिश्रम तथा समर्पण का परिणाम है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन में निहित शिवत्व तथा उनके एकात्म मानववाद के दर्शन को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए कहा कि यह पुस्तक उनके जीवन दर्शन को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध होगी।

अध्यक्षीय संबोधन में रामाशीष सिंह ने कहा कि जब आदर्श व्यवहार में उतरते हैं, तब दीनदयाल जैसे व्यक्तित्वों का निर्माण होता है। उन्होंने राष्ट्र के प्रति समर्पण, प्रतिबद्धता और लोकमंगल की भावना को पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन का मूल आधार बताते हुए कहा कि उनका जीवन आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

कार्यक्रम के अंत में नागपुर से आए स्वप्निल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। संचालन डॉ. रजनीकांत त्रिपाठी ने किया।

इस अवसर पर तमिलनाडु से वी. थिल्लई, डॉ. आनन्द धी राजा और आर.आर. मुर्गेश, कर्नाटक से डॉ. पुनीत कुमार, बिहार से कुमकुम भारद्वाज, दिल्ली से अजय शर्मा, लखनऊ से गौतम उपाध्याय तथा आंध्र प्रदेश से बाला कृष्ण सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए अनेक विद्वान एवं चिंतक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में काशी के वरिष्ठ समाजसेवियों, कला-प्रेमियों, बुद्धिजीवियों तथा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के बड़ी संख्या में शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विचार विमर्श से परिपूर्ण यह आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को नए दृष्टिकोण से समझने और उनकी समकालीन प्रासंगिकता पर सार्थक संवाद का महत्वपूर्ण मंच बना।

बिजली बिलों पर 10 प्रतिशत ईंधन अधिभार का व्यापार मंडल ने किया विरोध, अधीक्षण अभियंता को सौंपा ज्ञापन

शामली (शिखर समाचार)। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश ने बिजली बिलों पर प्रस्तावित 10 प्रतिशत ईंधन अधिभार लगाए जाने का विरोध करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष के नाम संबोधित ज्ञापन अधीक्षण अभियंता को सौंपा।

प्रदेश अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल के निर्देश पर नगर अध्यक्ष किशन गर्ग के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद द्वारा जून माह से बिजली बिलों पर 10 प्रतिशत ईंधन अधिभार लगाने की घोषणा की गई है। व्यापारियों का आरोप है कि अधिभार लागू करने से पूर्व नियामक आयोग से आवश्यक अनुमति प्राप्त नहीं की गई। ज्ञापन में बताया गया कि औद्योगिक एवं घरेलू उपभोक्ताओं से पहले ही स्थायी शुल्क (फिक्स चार्ज) वसूला जा रहा है, जबकि वाणिज्यिक श्रेणी (एलएमवी-2) के उपभोक्ताओं से स्थायी शुल्क के साथ न्यूनतम शुल्क भी लिया जाता है। इसके अतिरिक्त घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में 7.5 प्रतिशत विद्युत शुल्क भी जोड़ा जा रहा है। व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने कहा कि नियामक आयोग प्रतिवर्ष बिजली उत्पादन लागत एवं अन्य खर्चों की समीक्षा कर जनसुनवाई के बाद विद्युत दरों का निर्धारण करता है। ऐसे में सत्र के बीच बिजली दरों में वृद्धि करना उचित नहीं है। उनका कहना था कि इस निर्णय से महंगाई बढ़ेगी, आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा तथा उद्योग और व्यापार की लागत बढ़ने से कारोबारी गतिविधियां प्रभावित होंगी। व्यापार मंडल ने आयोग से ईंधन अधिभार के नाम पर बिजली बिलों में की जा रही 10 प्रतिशत वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग की। इस अवसर पर विनोद कुमार, किशन गर्ग, जावेद अंसारी, यूनिस और सतीश संगल सहित अन्य व्यापारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गौतमबुद्धनगर को दी हरित परिवहन की बड़ी सौगात, 48 बसों को वर्चुअल रूप से दिखाई हरी झंडी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गौतमबुद्धनगर वासियों को बड़ी सौगात देते हुए नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक संचालित होने वाली 45 इलेक्ट्रिक तथा 3 हाइड्रोजन बसों को वर्चुअल रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने नोएडा इलेक्ट्रिक बस डिपो का भी शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम नोएडा, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण तथा यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-28 स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क में आयोजित किया गया, जबकि मुख्यमंत्री ने लखनऊ से वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को हरित गतिशीलता और सतत विकास का दृष्टिकोण दिया है। इसी दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार भविष्य में शहरों और गांवों को पेट्रोल-डीजल मुक्त पर्यावरण अनुकूल परिवहन सेवाओं से जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नागरिकों को बेहतर, आरामदायक और प्रदूषण रहित सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक तापमान वृद्धि, जलवायु परिवर्तन तथा विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे संघर्ष मानवता के लिए गंभीर चुनौतियां बन चुके हैं। इन परिस्थितियों में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन व्यवस्था समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 15 जून से देश के सबसे बड़े हवाई अड्डों में शामिल नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन प्रारंभ होने जा रहा है। यात्रियों को सुगम और सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध कराने के लिए नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के सहयोग से यह सेवा शुरू की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना क्षेत्र सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, डेटा सेंटर, स्टार्टअप, सेमीकंडक्टर और अन्य औद्योगिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। ऐसे में आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जहां मेट्रो सेवाएं संचालित हो रही हैं, वहीं अंतिम छोर तक संपर्क सुविधा उपलब्ध कराने में इलेक्ट्रिक बसें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने जानकारी दी कि 15 जून तक तीनों प्राधिकरण क्षेत्रों में 110 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू हो जाएगा तथा मांग के अनुसार इनकी संख्या बढ़ाकर 500 तक की जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में सड़कों और परिवहन अवसंरचना के क्षेत्र में हुए विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश विश्वस्तरीय सड़क और हवाई संपर्क व्यवस्था के लिए पहचाना जाने लगा है। प्रदेश में लगभग चार लाख किलोमीटर का सड़क नेटवर्क है तथा अंतरराज्यीय संपर्क व्यवस्था देश में सर्वश्रेष्ठ मानी जा रही है। उन्होंने गंगा एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे तथा निर्माणाधीन लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे को नए उत्तर प्रदेश की पहचान बताया। हवाई संपर्क व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी, कुशीनगर और नोएडा सहित पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा यात्रियों की सुविधा के साथ-साथ कार्गो और विमान रखरखाव केंद्र के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के 20 प्रमुख शहरों में से 7 शहरों में मेट्रो सेवा संचालित हो रही है तथा 17 नगर निगम क्षेत्रों में 700 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें पहले से संचालित हैं। उन्होंने कहा कि पहले इलेक्ट्रिक बसें बाहर से मंगानी पड़ती थीं, लेकिन अब लखनऊ में स्थापित विनिर्माण इकाइयों के माध्यम से इनका निर्माण प्रदेश में ही हो रहा है।

198 मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान, मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए

शामली (शिखर समाचार)। सेंट आर.सी. डिग्री कॉलेज में आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह के तृतीय चरण में शामली और मुजफ्फरनगर जनपद के 22 इंटर कॉलेजों के 198 मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों को सराहते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अरविंद संगल, चेयरमैन नगर पालिका परिषद शामली तथा लायंस क्लब के अध्यक्ष सतेंद्र कुमार ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर अरविंद संगल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा, अनुशासन और परिश्रम के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया। कॉलेज सचिव नंद किशोर मित्तल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितिन शर्मा ने किया। समारोह के दौरान मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान कर उनकी उपलब्धियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

शहीद हवलदार रुपेंद्र तोमर की स्मृति में विशाल कुश्ती दंगल, महिला पहलवान काजल ने बटोरी वाहवाही

शामली (शिखर समाचार)। जाट रेजिमेंट के शहीद हवलदार रुपेंद्र तोमर की स्मृति में पेंथर स्पोर्ट्स क्लब द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत गांव मंसूरा स्थित एआईपीएस स्कूल के खेल मैदान में एक दिवसीय विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। दंगल में प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे पहलवानों ने अपने दमखम और दांव-पेंच का प्रदर्शन किया। महिला पहलवान की कुश्ती प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण रही। कार्यक्रम में कैराना विधायक नाहिद हसन, राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव विजय कौशिक, कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अश्वनी शर्मा, पूर्व विधायक नवाजिश आलम तथा पूर्व चेयरमैन नौशाद कुरेशी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विधायक नाहिद हसन ने कहा कि कुश्ती भारत के सबसे प्राचीन खेलों में से एक है और युवाओं को स्वस्थ एवं अनुशासित बनाए रखने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने क्षेत्र में खेल सुविधाओं के विकास तथा खेल मैदान के आवंटन के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।

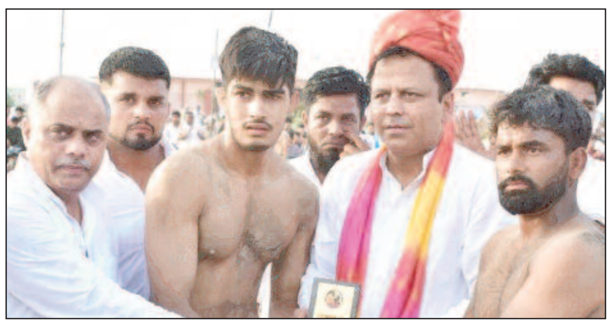

कार्यक्रम संयोजक मुक्खा पहलवान ने बताया कि दंगल आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखकर खेलों के प्रति प्रेरित करना है। दंगल में 51 हजार रुपये की सबसे बड़ी कुश्ती असमीर कैराना और राहुल झंझट हरियाणा के बीच हुई। 31 हजार रुपये की कुश्ती साबिर पहलवान मंसूरा और हैप्पी पहलवान पंजाब के बीच लड़ी गई, जबकि 21 हजार रुपये की कुश्ती गौरव पहलवान रोहतक और अतुल पहलवान महाराष्ट्र के बीच संपन्न हुई। 11 हजार रुपये की कुश्ती जुनेद ममोर और विशाल पहलवान मेरठ के बीच आयोजित की गई। दंगल का मुख्य आकर्षण मेरठ की महिला पहलवान काजल रहीं, जिन्होंने सोनीपत के मोनू पहलवान को पटखनी देकर दर्शकों की जमकर वाहवाही लूटी। इसके अलावा अर्जुन पहलवान मुजफ्फरनगर, काला पहलवान कैराना, जावेद गंगोह, तालिब गंगोह, शुभम मंगलौरा सहित अनेक पहलवानों ने भी अपने शानदार दांव-पेंच का प्रदर्शन किया। अंतरराष्ट्रीय पहलवान लड्डी ने प्रतियोगिता में रेफरी की भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान अभिषेक राणा, कर्णजीत सिंह दभेड़ी, नासिर चौधरी, अंशुल कौशिक और सोनू प्रधान रामड़ा सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

टोल महाप्रबंधक के बयान पर भड़के किसान, जेवर तहसील में प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

जेवर (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेस-वे के टोल महाप्रबंधक द्वारा किसान संगठन और किसानों को कथित रूप से "असामाजिक तत्व" कहे जाने के विरोध में शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन (कृषक शक्ति) के बैनर तले सैकड़ों किसानों ने जेवर तहसील परिसर में प्रदर्शन किया। किसानों ने नारेबाजी करते हुए उपजिलाधिकारी दुर्गेश कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपकर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान किसानों ने कहा कि जिन किसानों ने अपनी उपजाऊ जमीनें देकर यमुना एक्सप्रेस-वे और जेवर एयरपोर्ट जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को साकार करने में योगदान दिया, उनके सम्मान के साथ इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार नहीं किया जा सकता। किसानों का आरोप है कि टोल महाप्रबंधक का बयान किसान समाज का अपमान है। भारतीय किसान यूनियन (कृषक शक्ति) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमन ठाकुर ने कहा कि जब तक संबंधित टोल महाप्रबंधक के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं की जाती और उसे पद से नहीं हटाया जाता, तब तक किसानों का आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के किसानों ने विकास के लिए अपनी जमीनें दीं और हमेशा जनहित की परियोजनाओं का समर्थन किया, लेकिन अब उन्हीं किसानों का अपमान किया जा रहा है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाध्यक्ष हरिओम सिंह ने कहा कि किसानों के प्रति ऐसी मानसिकता रखने वाले अधिकारियों को संगठन और क्षेत्र का किसान समाज स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने प्रशासन से मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की। उपजिलाधिकारी दुर्गेश कुमार

सिंह ने प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त किया कि मामले की जांच कर संबंधित टोल महाप्रबंधक के खिलाफ नियमानुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रदर्शन में राष्ट्रीय संरक्षक एच.पी. सिंह छौंकर, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव मुकेश गौड़, राष्ट्रीय सलाहकार सुभाष अग्रवाल, राष्ट्रीय सचिव अंसार उस्मानपुर, राष्ट्रीय सह सलाहकार निरंजन गौड़, राष्ट्रीय मुख्य महासचिव रोहतास भाटी, राष्ट्रीय सचिव बंटी भाटी, प्रदेश सचिव रोहतास छौंकर, प्रदेश सचिव रोहित चौधरी, जिला प्रभारी कयामुद्दीन खान, जेवर तहसील अध्यक्ष रिशिपाल दयानतपुर, ब्लॉक अध्यक्ष मनीष अत्री, नगर अध्यक्ष हसीन खान सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। इसके अलावा राजीव एडवोकेट, केशव अग्रवाल, धीरज चौधरी, हरदेव पलहाका, अशोक भाटी, पवन भाटी, सचिन मिजार्पुर, सुरजन सिंह, इस्तकार खान, रिंकू मयाना, प्रदीप भाटी, धर्मेंद्र भाटी, सुनील भाटी, योगेश रौनीजा, बबलू रौनीजा, भारत मिजार्पुर, प्रदीप कुमार, डी.के. ठाकुर, विनोद रौनीजा, विक्रम रौनीजा, रूचिन चौधरी, शेरु खान, इफ्तेकार और मुकेश रौनीजा सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

कुरथल के जंगल में युवक का शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव कुरथल के जंगल में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव की स्थिति को देखकर ग्रामीणों और परिजनों ने युवक की पीट-पीटकर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव कुरथल निवासी अंकित उर्फ भूरा गुरुवार देर शाम घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। शुक्रवार दोपहर ग्रामीणों ने गांव के जंगल में एक युवक का शव पड़ा देखा, जिसकी पहचान अंकित उर्फ भूरा के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। परिजनों का आरोप है कि अंकित की हत्या की गई है। उन्होंने गांव के ही एक युवक पर हत्या का संदेह जताते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुभाष अत्री ने बताया कि मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। परिजनों की तहरीर प्राप्त होने पर जांच के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस घटना से जुड़े सभी तथ्यों की पड़ताल में जुटी हुई है।

ट्रक की टक्कर से ऑटो पलटा, चालक समेत कई यात्री घायल

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली मेरठ मार्ग पर बिसोखर रोड के निकट शुक्रवार दोपहर एक तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो में टक्कर मार दी, जिससे ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ऑटो चालक सहित कई यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार मेरठ के नूर नगर निवासी इमरान ऑटो चलाता है। वह दोपहर के समय मेरठ से सवारियां लेकर मोदीनगर की ओर आ रहा था। जैसे ही उसका ऑटो बिसोखर रोड के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में ऑटो चालक इमरान के अलावा गुलिस्ता, साजमा निवासी नूर नगर मेरठ, मोहम्मद सोहेल निवासी सिवाल खास मेरठ तथा ज्योति और लता निवासी सीकरी कला मोदीनगर घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों ने घायलों की मदद की। सूचना मिलने पर घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। उधर, दुर्घटना को अंजाम देने के बाद ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार ट्रक चालक की तलाश में जुटी है।

बवाना के अवीश पाल का यूपी क्रिकेट छात्रावास में चयन

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव बवाना निवासी 12 वर्षीय अवीश पाल का चयन उत्तर प्रदेश खेल विभाग के आवासीय क्रिकेट छात्रावास के लिए हुआ है। इस उपलब्धि से परिवार, ग्रामीणों और खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय द्वारा कानपुर में प्रदेश के विभिन्न मंडलों से आए खिलाड़ियों के बीच पांच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में विभिन्न मंडलों की टीमों ने हिस्सा लिया और अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों को 15 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन शिविर के लिए दोबारा कानपुर बुलाया गया। अवीश के पिता सुबोध पाल ने बताया कि फिटनेस परीक्षण और मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद जारी अंतिम चयन सूची में सहारनपुर मंडल से उनके पुत्र अवीश पाल का क्रिकेट छात्रावास के लिए चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि अवीश 15 जून को कानपुर में क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर छात्रावास में प्रवेश लेगा, जिसके बाद उसे उच्च स्तरीय क्रिकेट प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। अवीश की इस सफलता से परिजनों और ग्रामवासियों में उत्साह का माहौल है। गांव में छात्र का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर सपा नेता सत्येंद्र पाल, गन्ना समिति निदेशक संजीव पाल, रामप्यारे प्रधान, रविंद्र पाल सहित अनेक लोगों ने अवीश को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से 10 वर्षीय मासूम की मौत, परिवार में मचा कोहराम

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। काशीपुर-हरिद्वार फोरलेन एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 10 वर्षीय बालक की मौत हो गई। सड़क पार करते समय तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, फोरलेन एक्सप्रेसवे के किनारे स्थित गांव हसनलीपुर भोगन निवासी सतीश कुमार का 10 वर्षीय पुत्र अक्षय खेत से घर लौट रहा था। इसी दौरान सड़क पार करते समय धामपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अक्षय गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही अचेत हो गया। हादसे के समय गांव की शिवानी अपनी छोटी बहन ईशा के साथ वहां से गुजर रही थी। दोनों बहनों ने साहस का परिचय देते हुए घायल बालक को एक्सप्रेसवे से हटाकर सड़क किनारे पहुंचाया और ई-रिक्शा की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंच गए, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद अक्षय को मृत घोषित कर दिया। बालक की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं हादसे के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्र हो गए, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित होने की स्थिति बन गई। सूचना पर थाना प्रभारी अवनीत मान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर स्थिति को सामान्य कराया। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों की तहरीर मिलने पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चांदपुर में दिनदहाड़े दुस्साहसः कार का शीशा तोड़कर 7.60 लाख रुपये उड़ाए

बिजनौर (शिखर समाचार)। चांदपुर नगर के मोहल्ला श्रीराम कॉलोनी में दिनदहाड़े हुई टप्पेबाजी की बड़ी वारदात ने पुलिस की सतर्कता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बदमाशों ने एक कार का शीशा तोड़कर उसमें रखे 7 लाख 60 हजार रुपये से भरा थैला चोरी कर लिया और फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। ग्राम नसीरपुर निवासी ऋषभ यादव शुक्रवार को जिला सहकारी बैंक, चांदपुर से 7 लाख 60 हजार रुपये निकालकर लाए थे। उन्होंने नकदी से भरा थैला अपनी कार में रखा और किसी कार्य से मोहल्ला श्रीराम कॉलोनी स्थित अपने जीजा अंकित यादव के घर चले गए। कार घर के बाहर खड़ी थी। बताया जाता है कि करीब 10 मिनट बाद

जब ऋषभ यादव वापस लौटे तो कार की खिड़की का शीशा टूटा हुआ मिला। कार की सीट पर रखा रुपयों से भरा थैला भी गायब था। यह देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। दिनदहाड़े हुई लाखों रुपये की चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में खलबली मच गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी देश दीपक सिंह और कोतवाली प्रभारी राहुल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार संदिग्ध युवक दिखाई दिए हैं, जो वारदात के बाद तेजी से मौके से निकलते नजर आए। पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। कोतवाली प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए कई पुलिस टीमें गठित की गई हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

फूल तोड़ने को लेकर विवाद, घर में घुसकर हमला, कई लोग घायल

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भोजपुर थाना क्षेत्र के नगोला अमीरपुर गांव में एक बच्ची द्वारा फूल तोड़ने की बात को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के घर में घुसकर तोड़फोड़ की और परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की, जिसमें कई लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार गांव निवासी आसिफ और फुरकान के मकान आसपास स्थित हैं। बताया गया कि आसिफ की तीन वर्षीय बेटी घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान उसने फुरकान के घर के सामने लगे पौधे से एक फूल तोड़ लिया। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। आरोप है कि कहासुनी के बाद फुरकान पक्ष के लोग आसिफ के घर पहुंच गए और वहां घुसकर जमकर तोड़फोड़ की। इसके बाद परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की गई। इस घटना में आरिफ, अयाज, फिजा और सलमान सहित कई लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के आरोपों की जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ई-बैनामा पंजीकरण के विरोध में दूसरे दिन भी धरना जारी, रजिस्ट्री कार्य पूरी तरह ठप

मोदीनगर (शिखर समाचार)। प्रदेश सरकार की प्रस्तावित ई-बैनामा पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में तहसील मुख्यालय पर बैनामालेखकों का धरना-प्रदर्शन शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। प्रदर्शन के चलते पूरे दिन रजिस्ट्री कार्य ठप रहा और एक भी बैनामा पंजीकृत नहीं हो सका। सुबह से ही बैनामा लेखन कार्य से जुड़े लोग एकत्र होकर नारेबाजी करते हुए तहसील मुख्यालय स्थित रजिस्ट्री कार्यालय पहुंचे और वहां धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने रजिस्ट्री कार्यालय का कामकाज शुरू नहीं होने दिया। उनका कहना था कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित ई-बैनामा व्यवस्था से उनके रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। जब तक सरकार उनकी मांगों पर विचार कर उचित निर्णय नहीं लेती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। धरना-प्रदर्शन के कारण दूसरे दिन भी रजिस्ट्री कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा। जमीन, मकान और अन्य संपत्तियों के बैनामे कराने के लिए तहसील पहुंचे लोगों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा। लोगों को आवश्यक कार्यों के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को अनदेखा किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। वहीं, तहसील परिसर में दिनभर आंदोलन को लेकर हलचल बनी रही।

गाली-गलौज का विरोध करने पर घर में घुसकर मारपीट, तीन घायल, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव चकवीरमपुर में गाली-गलौज का विरोध करना एक परिवार को भारी पड़ गया। आरोप है कि चार लोगों ने घर में घुसकर एक व्यक्ति और उसके दो बेटों के साथ मारपीट की। घटना में तीनों घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गांव चकवीरमपुर निवासी हरेंद्र सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गुरुवार को सब्जी बेचकर अपने घर लौटे थे। आरोप है कि इसी दौरान गांव के प्रियांशु, गिर्राज, दलवीर और अमरजीत उनके घर में जबरन घुस आए और गाली-गलौज करने लगे। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर-शराबा सुनकर बीच-बचाव के लिए पहुंचे उनके बेटे निखिल और प्रिंस को भी आरोपियों ने नहीं बख्शा और उनके साथ भी मारपीट की। आरोप है कि हमलावरों ने जान से मारने की धमकी भी दी और मौके से फरार हो गए।

यूपीआईटीएस 2026 के प्रचार अभियान का दिल्ली रोड शो से शुभारंभ, 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में होगा आयोजन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी (यूपीआईटीएस) 2026 के चौथे संस्करण के प्रचार अभियान का शुभारंभ नई दिल्ली में आयोजित भव्य रोड शो के साथ किया गया। यह देशव्यापी प्रचार अभियान का पहला चरण है, जिसका उद्देश्य उद्योग जगत, निर्यातकों, खरीदारों, व्यापारिक संगठनों और निवेशकों को इस महत्वपूर्ण आयोजन से जोड़ना है। उत्तर प्रदेश सरकार और इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित यूपीआईटीएस 2026 का आयोजन 25 से 29 सितंबर 2026 तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में किया जाएगा। पिछले तीन संस्करणों की सफलता के बाद इसे प्रदेश का प्रमुख वार्षिक व्यापारिक आयोजन माना जा रहा है।

दिल्ली रोड शो में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री भूपेंद्र चौधरी मौजूद रहे। कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा, प्रमुख सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग शशि भूषण लाल सुशील, विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव अजय कुमार, इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुदीप सरकार तथा भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (एफआईईओ) के अतिरिक्त महानिदेशक सुविध शाह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि यूपीआईटीएस उत्तर प्रदेश की औद्योगिक शक्ति, उद्यमशीलता, निर्यात क्षमता और सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करने वाला प्रभावी मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को मजबूत करने, एक जिला एक उत्पाद योजना को बढ़ावा देने, बाजार उपलब्ध कराने तथा नए व्यापारिक अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि भारत में व्यापार मेलों और बाजारों की समृद्ध परंपरा रही है। उसी परंपरा को आधुनिक और वैश्विक स्वरूप देते हुए यूपीआईटीएस को विकसित किया गया है। उन्होंने अधिक से अधिक उद्यमियों और संस्थाओं से इस आयोजन में सहभागिता करने का आह्वान किया। शशि भूषण लाल सुशील ने कहा कि यूपीआईटीएस उत्तर प्रदेश सरकार के उस दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसके तहत राज्य को व्यापार, विनिर्माण, निर्यात और निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाया जा रहा है। रोड शो के माध्यम से देशभर के उद्योग जगत के साथ संपर्क मजबूत किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक संस्थान और खरीदार इसमें भाग लें। डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि पिछले तीन संस्करणों में मिली अभूतपूर्व सफलता उद्योग और व्यापार जगत के भरोसे को दर्शाती है। यूपीआईटीएस ने निमार्ताओं, निर्यातकों, नवाचार आधारित उद्यमों, कारीगरों, निवेशकों और नीति निमार्ताओं को एक मंच पर लाने का सफल कार्य किया है। वहीं सुदीप सरकार ने आयोजन को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

संपादकीय

नीट परीक्षा विवादः युवाओं के विश्वास की सबसे बड़ी परीक्षा

देश में हर वर्ष लाखों विद्यार्थी डॉक्टर बनने का सपना लेकर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में शामिल होते हैं। यह केवल एक परीक्षा नहीं बल्कि उन परिवारों की वर्षों की मेहनत, उम्मीदों और आर्थिक-सामाजिक संघर्षों का परिणाम होती है जो अपने बच्चों को बेहतर भविष्य देना चाहते हैं। लेकिन जब इसी परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगें, पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोप सामने आएं तथा छात्र सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर हों, तब यह केवल एक परीक्षा का विवाद नहीं रह जाता बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के विश्वास की परीक्षा बन जाता है।

इन दिनों नीट परीक्षा से जुड़े कथित पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता को लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन जारी हैं। दिल्ली और पुणे के बाद अब लखनऊ के ईको गार्डन में भी बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एकत्र होकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन का आयोजन कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा किया गया है और इसके संस्थापक अभिजीत दीपके भी इसमें शामिल हुए हैं। प्रशासन से अनुमति मिलने के बाद आयोजित इस प्रदर्शन में छात्रों ने परीक्षा प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग उठाई है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है, जबकि प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि देश के युवा आज केवल किसी राजनीतिक या वैचारिक मुद्दे पर नहीं बल्कि अपने भविष्य और अवसरों की सुरक्षा के लिए आवाज उठा रहे हैं। चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश पाने की प्रक्रिया जितनी कठिन होती जा रही है, उतनी ही अधिक जिम्मेदारी परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं पर भी बढ़ती है। एक अभ्यर्थी वर्षों तक तैयारी करता है, परिवार अपनी बचत कोचिंग और पढ़ाई पर खर्च करता है और छात्र अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष इस लक्ष्य को समर्पित कर देते हैं। ऐसे में यदि परीक्षा की निष्पक्षता पर संदेह पैदा होता है तो उसका प्रभाव केवल परिणामों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी पीढ़ी के मन में व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा करता है।

बीते वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, सॉल्वर गैंग, फर्जी अभ्यर्थी और तकनीकी गड़बड़ियों जैसी घटनाएं सामने आती रही हैं। इससे यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या हमारी परीक्षा प्रणाली वर्तमान चुनौतियों के अनुरूप पर्याप्त रूप से सुरक्षित और आधुनिक बन पाई है। डिजिटल युग में जहां तकनीक ने सुविधाएं बढ़ाई हैं, वहीं अपराध के नए तरीके भी विकसित हुए हैं। इसलिए परीक्षा सुरक्षा को केवल पारंपरिक उपायों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए बहुस्तरीय निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषण, मजबूत साइबर सुरक्षा तंत्र और परीक्षा केंद्रों पर कड़े मानकों की आवश्यकता है।

~ मौलिक चिंतन ~

हमारे कर्म हमें भटकाते भी हैं और मंजिल तक पहुंचाते भी हैं।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

उड़ान के दौरान यात्री को पानी न देना उपभोक्ता सेवा में कमी!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

हिमाचल के जिला धर्मशाला उपभोक्ता आयोग ने उड़ान में बच्चों को पानी न देने के लिए थाई लायन एयर पर एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। यह परिवाद तरुण कुमार चौरसिया ने उपभोक्ता आयोग के समक्ष दायर किया था, जिन्होंने बैंकॉक की यात्रा के लिए अपने और अपने परिवार के लिए हवाई टिकट बुक किए थे।हेमांशु मिश्रा और आरती सूद की अध्यक्षता वाले जिला उपभोक्ता आयोग ने यह भी माना कि एयरलाइन का यह आचरण बुनियादी मानवाधिकारों का उल्लंघन और सेवा में कमी का मामला है। तरुण कुमार चौरसिया ने फ्लाइट नंबर एसएल0214 के तहत अपने और अपने परिवार के लिए बैंकॉक की यात्रा के लिए टिकट बुक किए थे, जो मूल रूप से 13 से 20 जनवरी, 2025 तक निर्धारित थे। थाई लायन एयर ने उपभोक्ता की सहमति के बिना उड़ान को 14 से 21 जनवरी तक पुनर्निर्धारित कर दिया, जिससे परिवार की यात्रा योजना बाधित हुई और उन्हें वित्तीय नुकसान हुआ, जिसमें 2,527 रुपये की गैर-वापसी योग्य होटल बुकिंग भी शामिल है। अमृतसर से बैंकॉक की उड़ान के दौरान, एयरलाइन के कर्मचारियों ने उनके 10 और 15 वर्ष के बच्चों को पीने का पानी देने से यह कहकर इनकार कर दिया कि पानी मुफ्त नहीं है और केवल थाई करेंसी में ही खरीदा जा सकता है। एयरलाइन द्वारा भारतीय मुद्रा स्वीकार न किए जाने के कारण बच्चे छह घंटे की पूरी यात्रा के दौरान प्यासे रहे। जिसपर थाई लायन एयर और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय दोनों को नोटिस भेजे जाने के बाद जिला उपभोक्ता आयोग ने इस मामले पर सुनवाई की। वैध नोटिस मिलने के बावजूद, कोई भी विपक्षी पक्ष आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ। परिणामस्वरूप, उपभोक्ता के हलफनामे और सहायक दस्तावेजों के आधार पर मामले की कार्यवाही एकतरफा सुनवाई के लिए निर्धारित की गई। आयोग ने हस्ताक्षरित यात्री टिप्पणी प्रपत्र (अनुलग्नक सी-4) को मुख्य साक्ष्य के रूप में संदर्भित किया और पाया कि सुनीसा नामक एक चालक दल सदस्य ने एक बयान पर हस्ताक्षर करके पुष्टि की थी कि उड़ान में नियमित पानी की कोई मुफ्त व्यवस्था नहीं थी और खरीद के लिए केवल थाई करेंसी ही स्वीकार किए जाते थे। अपने फैसले में उपभोक्ता आयोग ने कहा, ह्लहम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि विपक्षी पार्टी नंबर 1 थाई लायन एयर ने उपभोक्ता के नाबालिग बच्चों को छह घंटे की लंबी यात्रा के दौरान प्यासा रखकर सेवा में लापरवाही बरती है। विपक्षी पार्टी नंबर एक के चालक दल ने न केवल सेवा में लापरवाही बरती है, बल्कि इस मामले में बुनियादी मानवाधिकारों का भी उल्लंघन हुआ है।उपभोक्ता की पूर्व सहमति के बिना उड़ान का समय बदलना भी सेवा में लापरवाही है। इसलिए, शिकायत स्वीकार की गई।उपभोक्ता आयोग ने थाई लायन एयर को मानसिक पीड़ा के मुआवजे के रूप में एक लाख रुपये, होटल के नुकसान के लिए 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित 2,527 रुपये और मुकदमे खर्च के रूप में 10,000 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। फ्लाइट में पानी न मिलना यात्रियों के अधिकारों का सीधा उल्लंघन है। सभी एयरलाइनों के लिए उड़ान के दौरान पीने का पानी मुफ्त उपलब्ध कराना अनिवार्य है।इसी प्रकार 31 जनवरी की सुबह लैक्स से की फ्लाइट लेट हो गई।साथ ही प्लेन बहुत गर्म और उमस भरा हो गया था।एक यात्री ने पानी मांगा तो एयर होस्टेस ने इसे नियमों के खिलाफ बताया व कहा कि वे पानी बेच भी नहीं सकते। उन्होंने यात्री को पानी पीने के लिए प्लेन से उतार दिया , लेकिन वापस प्लेन में चढ़ाने के लिए 10 मिनट तक दरवाजा खोलने के लिए कोई स्टाफ मौजूद नहीं था।

असम-नगालैंड के बीच दशकों का विवाद खत्म, तेल समझौता संपन्न, शाह ने पूर्वोत्तर का भाग्य ही बदल दिया

नीरज कुमार दुबे

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही मोदी सरकार को पूर्वोत्तर से एक बड़ी रणनीतिक सफलता मिली है। केंद्र, असम और नगालैंड के बीच तेल और प्राकृतिक गैस अन्वेषण को लेकर हुआ त्रिपक्षीय समझौता भारत को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के अभियान का निर्णायक अध्याय है। दशकों से विवाद और अस्थिरता में फंसे असम, नगालैंड सीमा क्षेत्र में तेल खोज का रास्ता खोलकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस मिशन को नई ताकत दे दी है, जिसका लक्ष्य विदेशी तेल निर्भरता घटाकर भारत को ऊर्जा महाशक्ति बनाना है। यही वजह है कि अमित शाह ने इसे विकसित पूर्वोत्तर और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है।

हम आपको बता दें कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भारत सरकार, असम सरकार और नगालैंड सरकार के बीच असम-नगालैंड सीमावर्ती क्षेत्रों में खनिज तेल संचालन के संबंध में एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा और नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो सहित केंद्र, असम एवं नगालैंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए साफ कहा कि इस समझौते ने विकसित पूर्वोत्तर के रास्ते में खड़ी अंतिम बड़ी बाधा हटा दी है।

हम आपको बता दें कि असम और नगालैंड की सीमा से लगे विवादित क्षेत्र में तीन दशक से अधिक समय से तेल और खनिज अन्वेषण ठप पड़ा था। अधिकार क्षेत्र को लेकर दोनों राज्यों के बीच तनाव बना रहता था, जिसके कारण हजारों करोड़ रुपये की संपदा जमीन के नीचे दबी रह गई। अब इस समझौते के तहत एक हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में तेल, गैस और खनिज संसाधनों की खोज और उत्पादन का रास्ता खुल गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों राज्यों ने संसाधनों के बंटवारे पर 50-50 की सहमति बनाई है। यही वह राजनीतिक परिपक्वता है जिसने इस समझौते को टकराव से निकालकर साझेदारी के मॉडल में बदल दिया।

अमित शाह ने दावा किया कि इस एक समझौते से प्रतिदिन एक हजार से पंद्रह सौ बैरल तेल उत्पादन क्षमता को दस गुना तक बढ़ाया जा सकता है। केवल एक तेल क्षेत्र से पंद्रह हजार करोड़ रुपये से अधिक की संभावित प्राप्ति का अनुमान जताया गया है। यह बयान केवल आर्थिक संभावना का संकेत नहीं, बल्कि उस रणनीतिक दिशा का संकेत है जिसमें भारत तेजी से आगे बढ़ना चाहता है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और ऊर्जा आपूर्ति संकटों के दौर में भारत लंबे समय से आयातित तेल पर निर्भरता घटाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में पूर्वोत्तर के विशाल तेल और गैस भंडार भारत के लिए नई ऊर्जा रीढ़ साबित हो सकते हैं।

दरअसल यह समझौता केवल तेल निकालने का मसला नहीं है। यह पूर्वोत्तर को संघर्ष की पहचान से निकालकर सामरिक और आर्थिक शक्ति केंद्र में बदलने की कवायद है। अमित शाह ने कहा कि यदि नगालैंड में फैले तेल और गैस भंडार का पूरा दोहन हुआ तो भारत विदेशी देशों पर अपनी ऊर्जा निर्भरता काफी हद तक कम कर सकेगा। इसका सीधा मतलब है कि भारत अपने ऊर्जा हितों को लेकर अधिक स्वतंत्र रणनीति अपना सकेगा। देखा जाये तो ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक मुद्दा नहीं होती, यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल तत्व बन चुकी है।

साथ ही इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा बड़ा पहलू सुरक्षा और शांति से जुड़ा है। अमित शाह ने पूर्वोत्तर में हिंसा की घटनाओं में लगभग अस्सी प्रतिशत गिरावट का दावा करते हुए कहा कि वर्ष 2019 के बाद 12 शांति समझौते हुए हैं। यही कारण है कि अब सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम को भी पूर्वोत्तर के अधिकांश हिस्सों से हटाने की तैयारी चल रही है। अमित शाह ने विश्वास जताया कि अगले वर्ष एक या दो राज्यों को छोड़कर पूरे पूर्वोत्तर से यह कानून हटाया जा सकता है। यह बयान बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि दशकों तक पूर्वोत्तर की पहचान उग्रवाद, सैन्य उपस्थिति और अस्थिरता से जुड़ी रही है। अब केंद्र सरकार यह संदेश देना चाहती है कि क्षेत्र संघर्ष से विकास की ओर बढ़ चुका है।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह समझौता चीन और दक्षिण पूर्व एशिया से जुड़ी भारत की व्यापक नीति से भी मेल खाता है। पूर्वोत्तर भारत लंबे समय तक केवल भौगोलिक सीमा माना जाता रहा, लेकिन अब उसे आर्थिक गलियारे, ऊर्जा केंद्र और संपर्क सेतु के रूप में विकसित किया जा रहा है। सड़क, रेल, निवेश, पर्यटन और ऊर्जा परियोजनाओं के जरिए केंद्र सरकार इस क्षेत्र को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा में लाने की कोशिश कर रही है। तेल और गैस परियोजनाओं के सक्रिय होने से निजी निवेश बढ़ेगा, रोजगार पैदा होंगे और क्षेत्रीय असंतोष कम होगा। यही वह बिंदु है जहां विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा एक दूसरे के पूरक बन जाते हैं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भी कहा कि यह समझौता देश की दीर्घकालिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा। वहीं नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो की सहमति इस बात का संकेत है कि अब पूर्वोत्तर की राजनीति टकराव से अधिक आर्थिक साझेदारी की दिशा में बढ़ रही है। यही कारण है कि अमित शाह ने इसे जीत हार का नहीं, बल्कि सबकी जीत का समझौता बताया।

बहरहाल, अब स्पष्ट है कि यह त्रिपक्षीय समझौता केवल सीमाई विवाद सुलझाने का प्रयास नहीं, बल्कि पूर्वोत्तर के भविष्य को नए सिरे से परिभाषित करने की शुरूआत है। यदि सरकार अपने दावों के अनुरूप तेल उत्पादन, निवेश और शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सफल रहती है, तो आने वाले वर्षों में पूर्वोत्तर भारत की ऊर्जा शक्ति, सामरिक मजबूती और आर्थिक विस्तार का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

फिर सुलग रही खाड़ीः होर्मुज जलडमरूमध्य बंद, दुनियाँ में हड़कंप

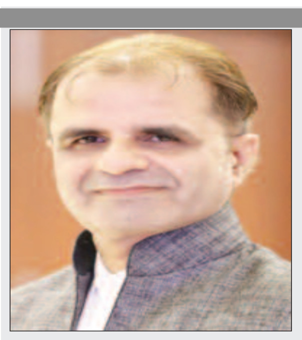

किशन सनमुखदास भावनानी

होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना केवल पश्चिम एशिया का संकट नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, महंगाई, समुद्री सुरक्षा और भू-राजनीतिक स्थिरता,सभी इस एक समुद्री मार्ग से जुड़े हुए हैं। भारत के लिए यह समय ऊर्जा स्रोतों में विविधता, रणनीतिक भंडारों के विस्तार और दीर्घकालिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयासों को और तेज करने का है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा, महंगाई और अर्थव्यवस्था पर मंडराता संकट? -व्यापक समग्र विश्लेषण...

ईरान नें होर्मुज जलडमरूमध्य बंद से ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं.

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद से केवल क्षेत्रीय नहीं वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटका की संभावना?, इस जलमार्ग में व्यवधान का असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है.

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल का केंद्र बन गया है। 11 जून 2026 को स्थिति तब और गंभीर हो गई जब ईरान ने अमेरिका के साथ बढ़ते सैन्य टकराव के बीच दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य, को सभी वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों के लिए बंद करने की घोषणा कर दी। ईरानी सैन्य नेतृत्व ने चेतावनी दी है कि जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को निशाना बनाया जाएगा। यह कदम कथित रूप से अमेरिका और ईरान के बीच समुद्री टकराव तथा अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों के बाद उठाया गया है। इसके साथ ही वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी बेचैनी फैल गई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 95.40 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई लगभग 92.6 डॉलर प्रतिबैरल तक पहुंच गया है। दुनियाँ की लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है, इसलिए इस घटनाक्रम ने ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने भी खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर बढ़ते हमलों और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताव्यक्त की है। वर्तमान घटनाक्रम केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह बिल्कुल सही है कि होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व ऊर्जा व्यवस्था की धुरी माना जाता है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा समुद्री मार्ग सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, इराक और ईरान जैसे प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देशों के निर्यात का मुख्य रास्ता है। सामान्य परिस्थितियों में प्रतिदिन करोड़ों बैरल तेल और विशाल मात्रा में एलएनजी इसी मार्ग से दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचती है। यही कारण है कि जब भी इस जलमार्ग में व्यवधान आता है, उसका असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है। वर्तमान संकट में भी निवेशकों और ऊर्जा कंपनियों ने आपूर्ति बाधित होने की आशंका को देखते हुए तेल खरीदना शुरू कर दिया,जिसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तत्काल उछाल देखने को मिला।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय बाजारों की पहली प्रतिक्रिया तेल कीमतों में तेजी के रूप में सामने आई है। ब्रेंट क्रूड लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया है जबकि डब्ल्यूटीआई भी 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। ऊर्जा विश्लेषकों का मानना है कि यदि जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है या सैन्य संघर्ष और बढ़ता है तो तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर भी जा सकती हैं। वैश्विक वित्तीय बाजारों में भी अस्थिरता बढ़ने की आशंका है क्योंकि ऊर्जा लागत लगभग हर आर्थिक गतिविधि को प्रभावित करती है।

साथियों, भारत के लिए यह संकट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी आवश्यकता का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से पूरा होता है और उसका एक बड़ा भाग होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। इसलिए इस मार्ग में किसी भी प्रकार की रुकावट का सीधा असर भारतीय ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ता है। यदि तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो भारत का आयात बिल बढ़ेगा,चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। ऊर्जा आयात पर बढ़ती लागत अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचती है और महंगाई को बढ़ावा देती है।सबसे पहला प्रभाव पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर दिखाई दे सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा होने से भारतीय तेल विपणन कंपनियों की लागत बढ़ जाती है। यदि मौजूदा तनाव कुछ और दिनों या सप्ताहों तक बना रहता है तो पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का अनुमान है कि लंबी अवधि तक ऊंचे तेल मूल्य बने रहने पर ईंधन की कीमतों में कई रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो सकती है। इसका सीधा असर आम नागरिकों, किसानों, उद्योगों और परिवहन क्षेत्र पर पड़ेगा। पेट्रोल और डीजल केवल वाहन चलाने का साधन नहीं हैं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा हैं। डीजल की कीमत बढ़ने का अर्थ है कि ट्रकों, बसों और मालवाहक वाहनों की परिचालन लागत बढ़ जाएगी। जब परिवहन महंगा होता है तो फल, सब्जियां, दूध, अनाज, दवाइयां और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ने लगती हैं। यही कारण है कि तेल कीमतों में वृद्धि को अक्सर 'महंगाई की जननी' कहा जाता है। एक बार यदि ईंधन लागत बढ़ती है तो उसका असर अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में सटीकता से दिखाई देता है।

साथियों, 7 जून 2026 से मृग लग गया है व खेती के कार्य शुरू हो चुके हैं, कृषि क्षेत्र भी इस संकट से अछूता नहीं रहेगा। भारत में सिंचाई, कृषि मशीनरी और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला का बड़ा हिस्सा डीजल पर निर्भर है। डीजल महंगा होने से किसानों की लागत बढ़ेगी और इसका असर खाद्यान्न कीमतों पर पड़ सकता है। इसके अलावा उर्वरक उद्योग प्राकृतिक गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर निर्भर है। यदि ऊर्जा लागत बढ़ती है तो उर्वरकों का उत्पादन भी महंगा हो सकता है।विमानन क्षेत्र पर भी दबाव बढ़ सकता है। विमान ईंधन की लागत एयरलाइंस के कुल खर्च का बड़ा हिस्सा होती है। यदि अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें लगातार ऊंची बनी रहती हैं तो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई किराए में वृद्धि संभव है। इससे पर्यटन उद्योग, व्यापारिक यात्राओं और विमानन क्षेत्र की मांग पर असर पड़ सकता है।

साथियों, भारत के लिए चिंता का एक और बड़ा विषय एलएनजी यानी तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति है। भारत कतर सहित खाड़ी देशों से बड़ी मात्रा में एलएनजी आयात करता है और उसका महत्वपूर्ण हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। यदि इस मार्ग में लंबे समय तक व्यवधान रहता है तो सीएनजी और पीएनजी की उपलब्धता तथा कीमतों पर असर पड़ सकता है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ- साथ बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण और औद्योगिक इकाइयों की लागत भी बढ़ सकती है।हालांकि स्थिति गंभीर है, लेकिन भारत पूरी तरह असहाय नहीं है। पिछले वर्षों में भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। देश के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार मौजूद हैं जिनका उपयोग आपातकालीन परिस्थितियों में किया जा सकता है।विशाखापट्टनम मैंगलोर और पादुर जैसेस्थानों पर स्थापित भूमिगत भंडारण सुविधाएं सीमित अवधि के लिए देश को राहत प्रदान कर सकती हैं। ये भंडार किसी भी अचानक आपूर्ति संकट के दौरान महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच साबित हो सकते हैं।इसके अतिरिक्त भारत नेऊर्जा आयात के स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है। रूस से बढ़ते तेल आयात ने भारत को एक वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत उपलब्ध कराया है। रूस से आने वाला तेल सामान्यतः अन्य समुद्री मार्गों से आता है, इसलिए होर्मुज संकट की स्थिति में यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प बन सकता है। यदि आवश्यकता हुई तो भारत रूस तथा अन्य गैर-खाड़ी आपूर्ति कताओं से आयात बढ़ाने की दिशा में सटिका से कदम उठा सकता है।

साथियों, सऊदी अरब, यूएई और अन्य खाड़ी देशों के पास भी कुछ वैकल्पिक पाइपलाइन मार्ग उपलब्ध हैं जिनके माध्यम से सीमित मात्रा में तेल निर्यात किया जा सकता है। हालांकि ये मार्ग होर्मुज के पूर्ण विकल्प नहीं हैं, फिर भी वे वैश्विक बाजार में आपूर्ति के पूर्ण ठहराव को रोकने में मदद कर सकते हैं। इसी कारण ऊर्जा बाजारों में अभी भी आशा बनी हुई है कि राजनयिक प्रयासों के माध्यम से स्थिति को नियंत्रित किया जा सकेगा। भू-राजनीतिक दृष्टि से यह संकट केवल तेल या गैस तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व समुद्री व्यापार के सबसे संवेदनशील मार्गों में से एक है। इसके बंद होने से बीमा लागत, माल ढुलाई शुल्क और शिपिंग समय में वृद्धि होती है। अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक कंपनियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़ते हैं, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कोविड-19 महामारी और यूक्रेन संकट के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही आपूर्ति व्यवधानों का अनुभव कर चुकी है; ऐसे में होर्मुज संकट नई चुनौतियां पैदा कर सकता है।

साथियों, भारत ने संयुक्त राष्ट्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि क्षेत्र में बढ़ते हमले और समुद्री असुरक्षा वैश्विक व्यापार तथा भारतीय नागरिकों दोनों के लिए चिंता का विषय हैं। भारत की प्राथमिकता अपने नागरिकों, व्यापारिक जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसलिए नई दिल्ली स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कूटनीतिक समाधान का समर्थन कर रही है। वर्तमान परिस्थितियों में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि यह संकट कितने समय तक चलता है। यदि राजनयिक प्रयास सफल होते हैं और जलडमरूमध्य जल्द खुल जाता है तो तेल बाजारों में स्थिरता लौट सकती है। लेकिन यदि सैन्य टकराव बढ़ता है या मार्ग लंबे समय तक बंद रहता है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका लग सकता है। तेल की कीमतें तीन अंकों तक पहुंच सकती हैं, महंगाई बढ़ सकती है और कई आयात- निर्भर देशों को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना केवल पश्चिम एशिया का संकट नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, महंगाई, समुद्री सुरक्षा और भू-राजनीतिक स्थिरता,सभी इस एक समुद्री मार्ग से जुड़े हुए हैं। भारत के लिए यह समय ऊर्जा स्रोतों में विविधता, रणनीतिक भंडारों के विस्तार और दीर्घकालिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयासों को और तेज करने का है।आने वाले दिनों में दुनिया की नजरें पश्चिम एशिया पर टिकी रहेंगी, क्योंकि होर्मुज की स्थिति केवल तेल की कीमतों का नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता का भी निर्धारण करेगी।

सरसों की फसल में लगने वाले मुख्य कीट एवं उनका नियंत्रण

देश में रबी फसलों में सरसों की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है, सोयाबीन, मूंगफली के बाद सरसों की खेती देश भर में सबसे ज्यादा होती है। खाद्य तेल के रूप में सरसों की मांग अधिक रहने के कारण पिछले कुछ वर्षो से किसानों को सरसों की खेती से अच्छा मुनाफा हो रहा है। सरसों का अच्छा उत्पादन कई कारणों पर निर्भर करता है जैसे मिट्टी, जलवायु, बीज, रोग तथा कीट। कीट एवं रोगों का प्रभाव सीधे सरसों के उत्पादन पर होता है इसलिए किसानों को समय पर इनकी पहचान कर उन पर नियंत्रण पाना आवश्यक है।

सरसों की फसल में समय-समय पर विभिन्न कीट एवं रोग काफी नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे उपज में कमी आती है। यदि समय रहते इन रोगों एवं कीटों का नियंत्रण कर लिया जाए तो सरसों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। चेंपा या माहू, आरामक्खी, चितकबरा कीट, मटर का पर्ण सुरंगक कीट आदि सरसों के मुख्य कीट हैं।

सरसों का माहूं (चैपा /मोयला /एफिडा) कीट

सरसों का माहू छोटा, लंबा व कोमल शरीर वाला कीट है। प्रौढ़ माहूं दो अवस्थाओं में पाया जाता है-पहला पंखरहित और दूसरा पंखसहित। पंखरहित प्रौढ़ 2 मि.मी. लंबे, गोलाकार व हरे रंग के या हल्के हरे पीले रंग के होते है। पंखसहित प्रौढ़ पीले उदर वाले व पंख पारदर्शी होते हैं। शिशु पंखरहित अवस्था के समान होते हैं, परन्तु आकार में छोटे होते हैं। दो नलीनुमा संरचनाएं (कोर्निक्ल्स) उदर के अंतिम भाग में उपस्थित होती है।

हानि के लक्षण

ये कीट प्राय-दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह में प्रकट होते हैं और मार्च के अंत तक सक्रिय रहते हैं और मार्च के अंत तक विभिन्न भागों जैसे - पुष्पक्रम, पत्ती, तना, टहनी व फलियों से रस चूसकर नुक्सान पहुंचाते हैं। ये कीट समूहों में रहते हैं व तीव्रता से वंशवृद्धि करते हैं। माहूं पहले फसल की वानस्पतिक कलिका पर प्रकट होते हैं व धीरे-धीरे पुरे पौधे को ढक लेते हैं। ये कीट मधुस्राव निकालते हैं और पौधों पर काले कवक का आक्रमण हो जाता है। तना व पत्तियाँ काली हो जाती हैं, जिससे प्रकाश संश्लेषण में बाधा आती है। इस प्रकाश यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। बादालयुक्त व ठंडा मौसम वंशवृद्धि के लिए अत्यंत उपयुक्त होता है।

समन्वित कीट प्रबंधन

जहाँ तक संभव हो सरसों की बुआई 15 अक्टूबर तक कर देनी चाहिए, इससे फसल माहूँ के प्रकोप से बच जाती है। उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा का ही प्रयोग करना चाहिए।

माहूँ के प्राथमिक आक्रमण पर 10 दिनों के अन्तराल पर 2-3 बार माहूँ ग्रसित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर देने से माहूँ की वंशवृद्धि को कम किया जा सकता है।

फसल में कम से कम 10 प्रतिशत पौधे माहूँ से ग्रसित हों तथा प्रत्येक पौधे पर 26 से 28 माहूँ हों, तभी छिड़काव करना चाहिए।

ऑक्सी-डेमेटान मिथाइल (मेटासिस्टाक्स) 25 पायस सांद्रण अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण अथवा मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्र को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें

अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। यदि दोबारा से कीट का प्रकोप हो तब 15 दिनों के अन्तराल से पुनः छिड़काव करें।

यह भी पढ़ें कृषि शक्ति योजना-मध्यप्रदेश

सरसों की आरा मक्खी

इस कीट की प्रौढ़ मक्खी 8-11 मि.मी. लंबी, पीले-नारंगी रंग की ततैया की तरह होती है। इसके पंख धूसर रंग के व काली शिरायें लिए हुए होते हैं। इसका अंडरोपक दांतेदार व आरिनुमा होता है इसलिए इसे आरा मक्खी कहते हैं। सर व टाँगे काली होती है। इसकी सुंडी गहरे हरे रंग की होती है, जिसकी पीठ पर पांच लंबवत धारियां होती है।

हानि के लक्षण

यह कीट मुख्य रूप से फसल की पौधावस्था (अक्टूबर-नवंबर) में ही नुक्सान पहुंचाता है। सूंडी, पत्तियों को काटकर उनमें अनियमित आकार के छेद कर देती हैं। अधिक प्रकोप की अवस्था में पौधे को कंकालित कर देती हैं। फसल में आक्रमण पौधावस्था में अधिक होता है और 3-4 सप्ताह पुरानी फसल में ज्यादा नुक्सान होता है। मध्य जलवायु और कम आर्द्रता इसकी वंशवृद्धि के लिए अनुकूल है।

समन्वित कीट प्रबंधन

स्वच्छ कृषि क्रियाएं (खरपतवार नियंत्रण, वैकल्पिक पोषक पौधे व फसल अवशेषों आदि को नष्ट करना) अपनाना चाहिए।

गर्मियों के दिनों (मई-जून) में खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

फसल लगभग एक माह की हो जाए तब सिंचाई करनी चाहिए। इससे इस कीट की सूंडी पानी में डूबकर मर जाती है।

इस कीट के प्रकोप की अवस्था में मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करना चाहिए।

मटर का पर्ण सुरंगक कीट

प्रौढ़ मक्खी छोटी काले रंग की होती है और इसका सिर पिला होता है। प्रौढ़ मक्खी की लंबाई 1.5 मि.मी., पंख विन्यास लगभग 4 मि.मी. व घरेलू मक्खी के समान परन्तु आकार में छोटी होती है। नए मेगेट्स कीट धूसर सफेद रंग के होते हैं और इनके मुखांग काले भूरे रंग के होते हैं। पूर्ण विकसित कीट हरा पीला रंग का लगभग 3 मि.मी. चौड़ा, जिनका मध्य भाग मोटा और आगे से चपटा होता है। कीट पत्ती में सुरंग के अंदर रहता है और सुरंग में ही कृमिकोष में चला जाता है।

हानि के लक्षण

पौधे की पत्तियों में प्रौढ़ मादा के अन्डरोपक से अंडे देने के लिए छोटे-छोटे छेद करती है। प्रौढ़ मादा व नर इन छेदों से निकलने वाले रस को चूसते हैं। ये कीट पत्ती के पैरेनकाइमा ऊतकों को खाकर टेढ़ी-मेढ़ी सुरंग बनाते हैं। अत्यधिक ग्रसित पत्तियां पीली होकर गिर जाती है व उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। अधिक प्रकोप की दशा में ग्रसित पत्तियां छितर जाती हैं। पौधों का ओज प्रभावित होता है और पुष्प एवं फलन गतिविधियाँ प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप प्राय-पुरानी पत्तियों पर अधिक होता है।

समन्वित कीट

ग्रसित पत्तियों को तोड़कर जमीन में दबा देना चाहिए, ताकि पत्तियों में छिपे कीट व कृमिकोष नष्ट हो जाएं।

आँक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 पायस सांद्रण या डाइमिथोएट 30 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

चितकबरा कीट

प्रौढ़ कीट के शरीर के ऊपर काले व चमकीले नारंगी रंग के धब्बे होते हैं। प्रौढ़ 6.5-7.0 मि.मी. चौड़ा व पूर्ण विकसित शिशु 4 मि.मी. लंबा व 2.6 मि.मी. चौड़ा होता है। इन पर भूरी धारियां पाई जाती हैं। पहली व दूसरी अवस्था शिशु कीट का रंग चमकीला नारंगी और तीसरी व चौथी अवस्था का रंग लाल होता है। मुखांग चुभाने-चूसने वाले एवं पश्चोंमुखी होते हैं।

हानि के लक्षण

ये कीट फसल के छोटे-छोटे पौधों को या पौध अवस्था में अधिक नुक्सान पहुंचाते है। शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही पौधे की पत्तियों एवं प्ररोह से रस चूसकर हानि पहुंचाते हैं। फसल की दो पत्ती अवस्था में नुक्सान होने पर ग्रसित उपरी भाग मुरझाकर सुख जाता है। वानस्पतिक अवस्था में प्रकोप के समय पत्तियों पर सफेद धब्बे हो जाते हैं। पौधे का विगलन हो जाता है व पौधे पूर्णत-सुख जाते हैं। दोनों मामलों में फसल की दोबारा बुआई आवश्यक हो जाती है। यह कीट फली बनने व पकने की अवस्था में भी आक्रमण करता है, जिससे फलियाँ व दाने सिकुड़ जाते हैं। खलिहानों में कटी हुई फसल पर इन कीटों का आक्रमण व हानि को देखा जा सकता है। इस प्रकार यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। मध्यम तापमान 20 से 40 डिग्री सेल्सियस व कम आर्द्रता इस कीट के गुणन के लिए उपयुक्त है।

समन्वित कीट प्रबंधन

खेत में साफ़-सफाई रखनी चाहिए। खेतों के आसपास खरपतवार तथा फसल अवशेषों को नष्ट कर देना चाहिए।

खेतों की गर्मियों के दिनों (मई-जून) में मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

बुआई के 3-4 सप्ताह बाद यदि संभव हो, तो पहली सिंचाई कर देनी चाहिए।

पौधावस्था में इस कीट का आक्रमण होने पर क्यूनालफाँस 10 प्रतिशत अथवा मैलाथियान 5 प्रतिशत धुल की 20-25 किलोग्राम मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

अत्यधिक प्रकोप की अवस्था में मेलाथियान 50 पायस अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण की एक लीटर अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. की 150 मि.ली.मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

फसल का रंग सुनहरा होने पर ही कटाई कर लेनी चाहिए। फसल की जल्द से जल्द मड़ाई कर लेनी चाहिए, जिसमें अधिक हानि न हो व पादप अवशेषों को तुरंत नष्ट कर देना चाहिए।

अधिक लाभ के लिए करें बेबीकॉर्न की खेती

कृषि क्षेत्र में किसान नई फसलों एवं नई किस्मों की वैज्ञानिक तरीके से खेती कर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। कृषि के क्षेत्र में फसलों का चयन बाजार मांग के आनुसार करना चाहिए, जिससे किसानों को उचित भाव मिल सकें। आज के समय में लोगों के बीच स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ बेबीकॉर्न की खपत में निरंतर वृद्धि हो रही है। इस वजह से इस फसल का बाजार मूल्य भी अधिक है एवं इससे बहुत से उत्पाद बनाए जाते हैं।

बेबीकॉर्न मक्का की ही एक प्रजाति है, लेकिन इसकी उपयोगिता के आधार पर बेबीकार्न नाम दिया गया है। बाजार में मांग के अनुसार किसानों के बीच खेती की प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। पौधे का अनिषेचित भुट्टा होता और रेशमी बाल (सिल्क) निकलने के 2-3 दिनों के अंदर तोड़कर उपयोग में लाया जाता है। यह काफी मुलायम होता है। समय बढने के साथ इसकी गुणवत्ता में गिरावट आती जाती है।

बेबीकॉर्न से होने वाले लाभ

यह एक स्वादिष्ट व पौष्टिक आहार है, पत्तियों में लिपटा होने के कारण यह कीटनाशक दवाइयों के प्रभाव से मुक्त होता है। इस कारण यह स्वास्थ्य की द्रष्टि से एकदम सुरक्षित है। बेबीकॉर्न का उपयोग सलाद, सूप, सब्जी, अचार एवं कैंडी, पकौड़ा, कोफ्ता, टिक्की, बर्फी, लड्डू, हलवा, खीर इत्यादि के रूप में होता है। बेबीकॉर्न में फास्फोरस भरपूर मात्रा उपलब्ध होता है। इसके लिए अतिरिक्त इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्सियम, लौह व विटामिन भी उपलब्ध हैं। कोलेस्ट्रोल रहित होने एवं रेशों की अधिकता के कारण यह एक निम्न कैलोरीयुक्त आहार है। यह ह्रदय रोगियों के लिए काफी लाभदायक है।

मृदा का चयन एवं खेती की तैयारी

बेबीकॉर्न की खेती के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त दोमट मृदा अच्छी होती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा शेष जुताई देसी हल/रोटावेटर या कल्टीवेटर द्वारा करके पाटा लगाकर खेत को तैयारी कर लेना चाहिए। बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी के साथ-साथ खेत पलेवा करके तैयार करना चाहिए।

बुवाई समय एवं विधि

उत्तर भारत में बेबीकार्न फरवरी से नवंबर के मध्य कभी भी बोया जा सकता है। बुवाई मेड़ों के दक्षिणी भाग में करनी चाहिए तथा मेड़ से मेड़ एवं पौधे से पौधे की दुरी 60 से.मी. म 15 से.मी. रखनी चाहिए। विभिन्न किस्मों के बीजों के आकार के अनुसार प्रति हैक्टेयर 22-25 किलोग्राम बीज दर उपयुक्त होती है।

उर्वरक प्रबंधन

अच्छी उपज के लिए उर्वरक का सही उपयोग होना चाहिए। फास्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं 1/3 भाग नाईट्रोजन, बुआई के समय एवं 1/3 भाग बुआई के 25 दिनों बाद तथा शेष 1/3 भाग नाईट्रोजन 40 दिनों बाद डालना चाहिए। फाँस्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं द भाग नाईट्रोजन बुआई के समय, द भाग नाईट्रोजन बुआई के 25 दिनों के बाद द भाग 60-80 दिनों के उपरांत तथा शेष नाईट्रोजन 80-110 दिनों के बाद देनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

पहली निराई-गुडाई बुआई के 15-20 दिनों बाद तथा दूसरी 30 से 35 दिनों बाद अवश्य करनी चाहिए। इससे जड़ों में हवा का संचार होता है और ये दूर तक फैलकर भोज्य पदार्थ एकत्र करके पौधों को देती हैं। सीमाजीन 105 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर को 500-600 लीटर पानी में घोलकर बीज के अंकुरण के पूर्व खेत में छिडकाव करने से खरपतवार नहीं जमते और फसल तेजी से बढती है।

बेबीकॉर्न की तुड़ाई का सही समय

मक्के की बेबीकार्न की गुल्ली को 3-4 से.मी. सिल्क (जीरा) आने पर तोड़ लेना चाहिए। गुल्ली तुडाई के समय ऊपर की पत्तियों को नहीं हटाना चाहिए। पत्तियों को हटाने से ये जल्दी खराब हो जाती है। रबी में एक दो दिन छोड़कर गुल्ली की तुडाई करनी चाहिए। एकल क्रांस संकर मक्का में 3- 4 तुड़ाई जरुरी है।

कितनी उपज प्राप्त होगी

इस तरह खेती करने से बेबीकॉर्न की छिलकारहित उपज 15-20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर प्राप्त होती है। इसके अलावा 200-250 क्विंटल प्रति हैक्टेयर हरा चारा भी मिल जाता है। बेबीकार्न का छिलका तुडाई के दिन उतारकर प्लास्टिक की टोकरी, थैली या कंटेनर में रखकर तुरंत मंडी में पहुंचा देना चाहिए।

बेबी कॉर्न के साथ लगाएं अंतःफसल

रबी में बेबीकॉर्न के साथ आलू, मटर, राजमा, मेथी, धनिया, गोभी, शलजम, मूली, गाजर इत्यादि अंतःफसल के रूप में ली जाती है। अंतःफसल से जो उपज प्राप्त होती है वह अतिरिक्त लाभ होता है।

स्ट्राबेरी

स्ट्राबेरी एक स्वादिष्ट, लुभाने वाला तथा पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन सी तथा लोहा बहुतायत में होते हैं।

साधारणत: हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र में पैदा किया जाता है।

किस्में : चान्डलर, गुरिल्ला, टियोगा, सीस्कैप, स्वीटचार्ली, डाना, टोरे, सेल्वा, बेलरूपी, फर्न, पजारो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना- स्ट्राबेरी का प्रवर्धन मुख्य रनर (लता को पकड़ने वाली नोक) द्वारा किया जाता है जाकि कायिक प्रवर्धन का एक भाग है। एक पौधे से 7-10 रनर प्राप्त होते हैं। बड़े स्तर पर प्रवर्धन के लिए सूक्ष्म प्रवर्धन (ऊतक प्रवर्धन) का प्रयोग करते हैं। इस विधि से पूरे वर्ष पौधे प्राप्त करते हैं।

सस्य क्रियाएँ- भूमि को तैयार करना स्ट्रबेरी की खेती के लिए जरूरी होता है। भूमि को जोतकर सममतल बनाते हैं। रनर का रोपक समय सितम्बर-अक्टूबर है। रोपक करते समय यह ध्यान रहे कि रनर स्वस्थ,, कीट एवं बीमारी रहित होने चाहिए। चार तरीके से इसका रोपक करते हैं, जैसे- मैटिड से, स्पेरड से, हिल तथा प्लास्टिक फिल्म।

उर्वरण व खाद : भिन्न-भिन्न खद एवं उर्वरण की दर अलग-अलग राज्यों के लिए निर्धारित की गई है जिसमें हिमाचल प्रदेश के लिए खाद व उर्वरण को इस प्रकार निर्धारित किया गया है- 50 टन सड़ी हुई गोबर की खाद, 40 कि.ग्रा. फॉस्फोरस, 40 कि.ग्रा. पोटाश को भूमि तैयार करने समय डालते हैं। नत्रजन (80 कि.ग्रा.) को दो भागों में बांटका एक भाग को सितम्बर और दूसरे भाग को फुल आते समय देना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण- खरपतवार नियंत्रण के लिए 3-4 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है। ड्यूरान रसायन 5 कि.ग्रा./है. का एक छिड़काव फसल की गुड़ाई के बाद करें।

तुड़ाई एवं उपज- स्ट्राबेरी की तुड़ाई फलों के आधे से तीन चौथाई भाग के रंग बदलने के पश्चात् करते हैकं। फलों का पकना गर्म मौसम में शीध्र होता है। फल की तुड़ाई डण्ठल सहित सुबह के समय करते हैं। इसकी उपज 90 क्विंटल/है. आंकी गई है। अच्छे उव्ररण प्रबंध द्वारा इसकी उपज 175-200 क्विंटल/है. तक होती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

फलों की सतह का 2/3 हिस्सा लाल रंग का होने पर तुड़ाई करे।

छंटाई करके फलो को प्लास्टिक की पन्नेट (200 ग्राम) में पैक करें।

पन्नेट को सिंगल लेयर सीएफबी बॉक्य में रखें।

फलों को शीत गृह मे 4-5 डिग्री से. तापमान व 85-90 प्रतिशत आर्द्रता पर 20-25 दिन के लिए भण्डारित करें।

फलों से जैम, जेली, आईसक्रीम आदि उत्पाद तैयार करें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट

ये लाल रंग के माइट पत्तों की निचली सतह से रस चूसते हैं जिससे पत्तों पर धब्बे बन जाते हैं तथा उनकी वृद्धि रूक जाने से उपज कम हो जाती है।

2. थ्रिप्स

थ्रिप्स पौधे के पत्तों व फलों से रस चूसकर हानि पहुँचाते हैं। इनसे फसल के बचाव के लिए एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या कार्बेरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 ग्राम/लिटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

3. पत्ती सूत्रकृमि (लीफ नेमाटोड)

यह सूत्रकृमि पौधे के नए फलों को नुसान पहुँचाता है जिससे ये टेढ़े-मेढ़े हो जाते हैं तथा इन पर स्लेटी रंग के धब्बे बन जाते हें। पौधों की वृद्धि पर बुरा प्रभाव पड़ने से ऊपर काफी कम हो जाती है।

प्रबंधन

1. खेत की मिटटी का निर्जर्मीकरण करें।
2. रोपाई से पहले पौधे को 5 मिनट के लिए इसाजोफॉस 50 ई.सी. के 2 प्रतिशत घोल में डुबोएँ।

भारत के दवा बाजार में मई 2026 में 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज

क्रॉनिक बीमारियों और नई दवाओं की लॉन्चिंग ने बढ़ाया बाजार

नई दिल्ली।

मई 2026 के दौरान भारतीय दवा बाजार (आईपीएम) ने 12 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज करते हुए दोहरे अंक की रफ्तार पकड़ी। ब्रोकरेज फर्म एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग की एक रिपोर्ट के अनुसार, डायबिटीज, हृदय संबंधी और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों की दवाओं की लगातार बढ़ती मांग और नई दवाओं की लॉन्चिंग ने इस बाजार को महत्वपूर्ण सहारा दिया। यह वृद्धि पिछले साल इसी महीने दर्ज की गई 7 फीसदी की तुलना में कहीं बेहतर है, जबकि पिछले 12 महीनों के आधार पर बाजार 11 फीसदी बढ़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक क्रॉनिक रोगों की दवाओं की मांग में 15 फीसदी का उछाल देखा गया, जबकि अल्पकालिक बीमारियों (एक्यूट) की दवाओं की बिक्री 10 फीसदी बढ़ी। दिल की बीमारियों और मधुमेह से जुड़ी दवाएं बाजार की सबसे बड़ी ग्रोथ ड्राइवर रहीं, दोनों सेगमेंट में 15-15 फीसदी की वृद्धि हुई। कीमतों में बढ़ोतरी और बढ़ी खपत ने भी इस ग्रोथ में योगदान दिया। सेमाग्लूटाइड की जेनेरिक दवाओं के प्रवेश को बाजार के लिए गेम चेंजर बताया गया है। इसकी वजह से जीएलपी-1 दवाओं का बाजार एक साल में 100 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 1,500 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो डायबिटीज और वजन घटाने वाली नई पीढ़ी की दवाओं की स्वीकार्यता दर्शाता है। शीर्ष 10 कंपनियों में से ल्यूपिन और इंटास ने लगभग 17 फीसदी की वृद्धि के साथ सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि टोरेंट फार्मा और सिप्ला ने भी क्रमशः 15 और 14 फीसदी की मजबूत ग्रोथ दर्ज की।

अमेरिका में गेहूं का उत्पादन घटा पर नहीं बढ़ेंगी कीमतें

रूस, तुर्की और यूक्रेन की बंपर फसल ने संभाली दुनिया की मांग

नई दिल्ली ।

दुनिया के गेहूं बाजार में एक दिलचस्प विरोधाभास देखने को मिल रहा है। अमेरिका में उत्पादन में गिरावट के बावजूद, वैश्विक स्तर पर गेहूं की उपलब्धता मजबूत बनी हुई है, जिससे कीमतों में बड़ी तेजी की आशंका कम है। दरअसल, रूस, तुर्की और यूक्रेन जैसे प्रमुख उत्पादक देशों में रिकॉर्ड फसल की उम्मीद है, जो इस संतुलन को बनाए रखेगी। अमेरिका में गेहूं का उत्पादन कम होने के अनुमानों के बावजूद, वैश्विक गेहूं बाजार में स्थिरता बनी हुई है। यूएसडीए के अनुसार, 2026-27 सीजन में अमेरिकी गेहूं उत्पादन घटकर 1.543 अरब बुशल रह सकता है, मुख्य रूप से हार्ड रेड विंटर गेहूं की कमजोर पैदावार के कारण। इससे वहां का गेहूं भंडार भी लगभग 20 फीसदी कम होने का अनुमान है, जो 744 मिलियन बुशल तक गिर सकता है। हालांकि, राहत की बात यह है कि ब्लैक सी क्षेत्र में मौसम किसानों के पक्ष में रहा है। रूस में अब गेहूं उत्पादन 8.8 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जबकि तुर्की में रिकॉर्ड 2.25 करोड़ टन उत्पादन की उम्मीद की जा रही है। यूक्रेन में भी फसल की स्थिति बेहतर हुई है। इन प्रमुख उत्पादक देशों की बंपर पैदावार वैश्विक बाजार को बड़ा सहारा दे रही है, जिससे अमेरिकी कमी की भरपाई हो रही है। भले ही ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान जैसे कुछ देशों में गेहूं उत्पादन कम रहने की उम्मीद है, लेकिन रूस, तुर्की और यूक्रेन की बढ़ी पैदावार इतनी बड़ी है कि इन देशों की कमी को आसानी से पूरा कर सकती है। यूएसडीए का अनुमान है कि दुनिया का कुल गेहूं भंडार बढ़कर 27.54 करोड़ टन रहेगा। यह पर्याप्त वैश्विक आपूर्ति सुनिश्चित करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं की कीमतों पर अत्यधिक दबाव की आशंका नहीं है।

रुपया 65 पैसे चढ़कर 95.20 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया गुरुवार को 60 पैसे टूटकर 95.85 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 65 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.20 पर पहुंच गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ जल्द समझौते के संकेत देने के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कमजोर डॉलर और घरेलू शेयर बाजारों में तेजी ने भी स्थानीय मुद्रा को समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 95.20 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 65 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को 60 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.85 पर बंद हुआ था।

दो साल की सबसे तेज रफ्तार पर बैंक ऋण वृद्धि जमा पिछड़ी

31 मई को समाप्त पखवाड़े में कर्ज की रफ्तार 17.65 फीसदी रही

नई दिल्ली ।

देश के बैंकिंग सेक्टर में 31 मई को समाप्त हुए पखवाड़े में बैंक ऋण में लगभग दो वर्षों की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में सालाना आधार पर बैंक ऋण 17.65 प्रतिशत बढ़कर 215.15 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो अर्थव्यवस्था में लेन-देन की गतिविधियों में लगातार तेजी का स्पष्ट संकेत है। एक साल पहले यह आंकड़ा 182.87 लाख करोड़ रुपये था। हालांकि, इस तेज ऋण वृद्धि के साथ एक चिंताजनक पहलू भी सामने आया है। जमा वृद्धि अपेक्षाकृत सुस्त रही और यह केवल 12.21 प्रतिशत बढ़कर 260.02 लाख करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले साल यह 231.73 लाख करोड़ रुपये थी। इसके परिणामस्वरूप, ऋण और जमा वृद्धि के बीच का अंतर बढ़कर 544 आधार अंक हो गया है, जो बैंकों के लिए फंडिंग का दबाव बढ़ा सकता है। पिछले पखवाड़े (15 मई को समाप्त) की तुलना में भी ऋण में 1.55 प्रतिशत या 3.29 लाख करोड़ रुपये की मजबूत वृद्धि हुई, जिससे

यह 211.86 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 215.15 लाख करोड़ रुपये हो गया।

इसी अवधि में जमा में 1.22 प्रतिशत या 3.13 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 256.89 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 260.02 लाख करोड़ रुपये हो गई। ये आंकड़े बैंकिंग प्रणाली में निरंतर मजबूत गतिविधियों की ओर इशारा करते हैं।

टाटा मोटर्स एक जुलाई से यात्री वाहनों की कीमतें बढ़ाएगी

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सहित अपने यात्री वाहनों की कीमतों में एक जुलाई से 1.5 प्रतिशत तक की वृद्धि करने का फैसला किया है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा` कि यह मूल्य संशोधन कच्चे माल की बढ़ती लागत और मुद्रास्फीति के निरंतर दबाव के प्रभावों को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए किया जा रहा है। इसमें कहा गया कि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स इन लागत वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा स्वयं वहन कर रही है, लेकिन इसका कुछ प्रभाव इस मूल्य समायोजन के जरिये ग्राहकों पर डाला जा रहा है। कंपनी ने कहा` कि कीमतों में वृद्धि विभिन्न मॉडल और संस्करणों के लिए अलग-अलग होगी।

भारत के डेटा सेंटर को 2035 तक मिलेगा 280 अरब डॉलर का बूस्ट

नई दिल्ली।

कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते उपयोग और तेजी से हो रहे डिजिटल बदलावों के बल पर भारत की डेटा सेंटर मूल्य श्रृंखला के साल 2035 तक 280 अरब अमेरिकी डॉलर की संभावित ऑर्डर बुक हासिल करने की उम्मीद है। यह जानकारी एक परामर्श कंपनी ने दी। परामर्श कंपनी द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, डेटा सेंटर सुविधाओं के मूल ढांचे के निर्माण में 2035 तक लगभग 71.6 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष निवेश होने का अनुमान है। कंपनी ने बताया कि हालांकि, इससे जुड़े व्यापक परिवेश में इससे कहीं अधिक आर्थिक अवसर उपलब्ध होंगे, जो देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई गति देंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 280 अरब डॉलर के संभावित ऑर्डर अवसर का एक बड़ा हिस्सा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उपकरणों से जुड़े क्षेत्र में होगा। चिप, सर्वर और नेटवर्किंग प्रणालियों जैसे आवश्यक उपकरण कुल पूंजीगत व्यय का 65-75 प्रतिशत हिस्सा बनाएंगे, जिनका अनुमानित मूल्य 180-210 अरब डॉलर है। यह आंकड़ा भारत में डेटा सेंटर उद्योग के तेजी से विस्तार और तकनीकी उन्नयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत देता है।

सरकारी बॉन्ड बाजार उछला, विदेशी पूंजी को आकर्षित करने सरकार के बड़े दांव

123.5 लाख करोड़ का हुआ बाजार टैक्स छूट और ग्लोबल इंडेक्स में एंट्री से 25 अरब डॉलर निवेश की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारत का सरकारी बॉन्ड बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है, जो 8 जून तक लगभग 123.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस विशाल बाजार को और मजबूत बनाने तथा वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के उद्देश्य से सरकार कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। हाल ही में विदेशी निवेशकों को टैक्स छूट देने और फुली एक्सेसिबल रूट (एफएआर) के तहत बॉन्ड की उपलब्धता बढ़ाने जैसे फैसलों से बाजार में नई जान फूंकने की कोशिश की जा रही है। सरकारी बॉन्ड के सबसे बड़े खरीदार घरेलू संस्थागत निवेशक हैं। दिसंबर 2025 तक, बैंकों की हिस्सेदारी 34.31 फीसदी, बीमा कंपनियों की 25.89 फीसदी और आरबीआई की 14.52 फीसदी थी, जबकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की हिस्सेदारी मात्र 2.96 फीसदी रही। इस स्थिति को बदलने और निवेशक आधार को विविधतापूर्ण बनाने के लिए सरकार सक्रिय है। विदेशी निवेशकों को सरकारी बॉन्ड से होने वाली ब्याज आय और पूंजीगत लाभ पर टैक्स छूट दी गई है, साथ ही एफएआर के तहत अधिक बॉन्ड उपलब्ध कराए गए हैं। भारत अपने सरकारी बॉन्ड को दुनिया के प्रमुख इंडेक्स में शामिल कराने का भी प्रयास कर रहा है। भारतीय बॉन्ड पहले ही जेपी मॉर्गन और एफटीएसई रसेल के इंडेक्स में शामिल हो चुके हैं। अब सरकार ब्लूमबर्ग ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स में जगह बनाने की कोशिश कर रही है, जिससे अनुमान है कि करीब 25 अरब

डॉलर (लगभग 2 लाख करोड़ रुपये) का अतिरिक्त विदेशी निवेश आ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने से बाजार में तरलता बढ़ेगी, कीमतों का बेहतर निर्धारण होगा और सरकार की उधारी लागत कम होगी। यह कदम रुपये को स्थिर करने और पूंजी बाजार को मजबूती देने में भी सहायक होगा। सरकार के इन प्रयासों का असर दिखना शुरू हो गया है। क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, एफएआर के तहत एफपीआई की हिस्सेदारी 3 जून से 10 जून के बीच एक सप्ताह में लगभग 8,795 करोड़ रुपये बढ़ी है। हालांकि, विदेशी निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती मुद्रा जोखिम बनी हुई है। रुपये में उतार-चढ़ाव उनके रिटर्न को प्रभावित कर सकता है, जैसा कि हाल ही में डॉलर के मुकाबले रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने से देखा गया। इसके बावजूद, सरकार भारतीय बॉन्ड बाजार को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

डिजिटलीकरण के बावजूद सार्वजनिक बैंकों में बंपर भर्तियां, 8 बैंकों ने की रिकॉर्ड भर्ती

कुल कार्यबल 6.28 लाख के पार पहुंचा, एसबीआई ने अकेले 8,905 नियुक्तियां कीं

नई दिल्ली ।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने अपने कार्यबल में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। देश के 12 में से आठ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने इस अवधि में कुल 13,223 नए कर्मचारियों की नियुक्ति की है, जिससे उनका कुल कार्यबल बढ़कर 6.28 लाख से अधिक हो गया है। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब बैंकिंग क्षेत्र में डिजिटलीकरण और स्वचालन पर जोर दिया जा रहा है, जो बैंकों की विस्तार और ग्राहक सेवा रणनीतियों को दर्शाता है। आठ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च, 2026 तक इनका कुल कर्मचारी बल 6,28,203 रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 6,14,980 था। इस भर्ती अभियान में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) सबसे आगे रहा, जिसने` पिछले वित्त वर्ष में 8,905 कर्मचारियों की नियुक्ति की। एसबीआई का कार्यबल अब 2,45,131 हो गया है, और देश के सबसे बड़े बैंक की नियुक्तियों में 67 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। एसबीआई के अलावा बैंक ऑफ बड़ौदा ने 1,685 और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 1,005 कर्मचारियों को नियुक्त किया। केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक ने भी अपने कार्यबल में वृद्धि की। यह विस्तार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बेहतर वित्तीय प्रदर्शन और मजबूत बही-खाते का परिणाम है, जिससे वे प्रौद्योगिकी, जोखिम प्रबंधन और

शाखा बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में मानव संसाधन बढ़ा रहे हैं। चार अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन ओवरसीज बैंक ने अभी तक अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी नहीं की है।

हेक्सागन न्यूट्रिशन का शेयर सात प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

हेक्सागन न्यूट्रिशन लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 45 रुपये के मुकाबले सात प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 48 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ जो निर्गम मूल्य से 6.66 प्रतिशत अधिक है। इसके बाद यह 11.97 प्रतिशत चढ़कर 50.39 रुपये तक पहुंच गया। एनएसई पर शेयर ने 48.25 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो 7.22 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 619.38 करोड़ रुपये रहा। हेक्सागन न्यूट्रिशन लिमिटेड के 139 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को गत मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 53.68 गुना अभिदान मिला था। इसका मूल्य दायरा 42 से 45 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 41.66 करोड़ रुपये जुटाए थे। कंपनी की स्थापना 1993 में की गई थी। यह पहले माइक्रोन्यूट्रिएंट फॉर्मूलेशन का काम करती थी और बाद में इसने ब्रांडेड न्यूट्रिशन प्रोडक्ट के क्षेत्र में भी अपना कारोबार बढ़ाया।

थोक ग्राहकों की पेट्रोल पंपों से खरीद पर प्रतिबंध, सरकार की नई गाइडलाइन

अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में उछाल और आपूर्ति दबाव के चलते 90 दिनों के लिए लागू हुआ नियम

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल की खरीद को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत अब औद्योगिक, वाणिज्यिक और संस्थागत ग्राहकों को सीधे रिटेल पेट्रोल पंपों से ईंधन खरीदने की अनुमति नहीं होगी। यह नियम शुरुआती तौर पर 90 दिनों के लिए लागू किया गया है। सरकार ने यह कदम अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आई तेजी और घरेलू आपूर्ति पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए उठाया है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं, लेकिन आम उपभोक्ताओं पर बोझ न पड़े इसलिए रिटेल पेट्रोल पंपों पर कीमतें सीमित रखी गईं। वहीं, थोक ग्राहकों के लिए दरें अधिक थीं। अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में इस अंतर के चलते कई बड़े उपभोक्ता, जैसे फैक्ट्रियां और टेलीकॉम टावर, सस्ते ईंधन के लिए रिटेल पंपों का रुख कर रहे थे। इससे आम उपभोक्ताओं के लिए ईंधन उपलब्धता बाधित हो रही थी और आपूर्ति तंत्र पर अत्यधिक दबाव बढ़ रहा था। इसी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए नए आदेश जारी किए गए हैं। अब औद्योगिक

और व्यावसायिक इकाइयों को केवल अधिकृत थोक डीलरों से ही ईंधन खरीदना होगा। इसके अलावा, रिटेल पंपों से किसी भी वाहन या ग्राहक को एक दिन में अधिकतम 200 लीटर डीजल ही दिया जा सकेगा। पेट्रोल पंप से खरीदे गए ईंधन की कालाबाजारी या आगे मुनाफे के लिए बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित है, उल्लंघन पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। नियमों के पालन के लिए सख्त निगरानी व्यवस्था भी लागू की गई है, जिसमें डीएसपी रैंक के अधिकारी व तेल कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी जांच कर सकेंगे। सरकार ने राज्यों को भी जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के विशेष निर्देश दिए हैं।

ईयू-भारत एफटीए से जर्मन कंपनियों के लिए खुलेंगे नए रास्ते- हॉलियर

विनिर्माण, आईटी और नवीकरणीय ऊर्जा में अपार संभावनाएं

इंदौर ।

इंदौर में एक साक्षात्कार के दौरान, क्रिस्टोफ हॉलियर ने विश्वास व्यक्त किया कि ईयू-भारत एफटीए के अमल में आने से दोनों देशों के व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे।

उनके अनुसार यह समझौता लगभग सभी क्षेत्रों को लाभ पहुंचाएगा, जिसमें जर्मनी के लिए विनिर्माण और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने बताया कि जर्मनी की कंपनियां अब तक आईटी के लिए बेंगलुरु पर केंद्रित थीं, लेकिन अब वे अन्य भारतीय शहरों में भी विस्तार के अवसर तलाश रही हैं। महावाणिज्यदूत ने बताया कि पिछले साल द्विपक्षीय व्यापार में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई और वर्तमान में भारत में लगभग 2,000 जर्मन कंपनियां कार्यरत हैं।

पुणे में मोटर वाहन क्षेत्र के मजबूत होने के कारण जर्मन कंपनियों का सबसे बड़ा समूह है। उन्होंने इंडो-जर्मन ग्रीन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट पार्टनरशिप का भी उल्लेख किया, जो नवीकरणीय ऊर्जा और सौर ऊर्जा परियोजनाओं का आधार है। हॉलियर ने मध्यप्रदेश में जर्मन कंपनियों के लिए विशेष

संभावनाएं देखीं, खासकर नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में राज्य की प्रगति को देखते हुए। हाल ही में मध्यप्रदेश के दौरे पर आए हॉलियर ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात की और 10-11 जून को इंदौर एवं पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र का दौरा कर आईटी, पर्यटन और औद्योगिक संभावनाओं का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में आईआईएम, आईआईटी और आईआईएसईआर जैसे प्रतिष्ठित भारतीय संस्थान, जर्मनी के अकादमिक संस्थानों के साथ कई क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं। हॉलियर ने स्वीकार किया कि पुणे की तुलना में इंदौर क्षेत्र में जर्मन कंपनियों की उपस्थिति अभी काफी कम है, लेकिन उन्होंने इसे भविष्य में निवेश और औद्योगिक सहयोग के बड़े अवसर के रूप में देखा।

सेबी का शेयरों के मूल्य निर्धारण में एकरूपता का प्रस्ताव

कम ट्रेडिंग वाले (अतरल) शेयरों में मूल्य अंतर घटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने कई एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध शेयरों के लिए आधार कीमतें और दैनिक मूल्य दायरा तय करने हेतु एक समान प्रणाली का प्रस्ताव किया है।

इसका उद्देश्य कम ट्रेडिंग वाले (अतरल) शेयरों की कीमतों में मौजूदा बड़े अंतर को कम करना और बाजार में पारदर्शिता व तरलता बढ़ाना है। प्रस्तावित ढांचे के तहत, यदि कोई शेयर एक दिन केवल एक ही एक्सचेंज पर ट्रेड होता है, तो बाकी सभी एक्सचेंज अगले दिन के मूल्य दायरे और प्री-ओपन कॉल ऑक्शन आधार कीमत के लिए उसी एक्सचेंज के बंद भाव का उपयोग करेंगे।

यदि कोई शेयर एक से अधिक, लेकिन सभी एक्सचेंजों पर ट्रेड नहीं होता, तो जिस एक्सचेंज पर ट्रेडिंग नहीं हुई, वे सर्वाधिक ट्रेडिंग वॉल्यूम वाले एक्सचेंज के बंद भाव को अपनाएंगे। जहां सभी एक्सचेंजों पर या किसी पर भी ट्रेडिंग नहीं होती, वहां प्रत्येक एक्सचेंज अपने स्वयं के बंद भाव का उपयोग करेगा।

सेबी ने कहा कि मौजूदा प्रणाली में एक्सचेंजों के अलग-अलग बंद भाव से इलिक्विड शेयरों में कीमतों का बड़ा अंतर आता है, जिससे तरलता घटती है। इस प्रणाली के लिए एक्सचेंजों को डेटा साझाकरण समझौते करने होंगे।

यह प्रस्ताव सेकेंडरी बाजार सलाहकार समिति की अप्रैल की सिफारिशों पर आधारित है।

त्रिपुरा में 30,000 करोड़ से अधिक का निवेश, साहा ने बताया विकास का रोडमैप

राज्य का सकल घरेलू उत्पाद छह वर्षों में दोगुना हुआ

अगरतला ।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में बताया कि राज्य को पिछले वर्ष 30,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें से 8,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं पहले ही धरातल पर उतर चुकी हैं। उन्होंने राज्य के तेज विकास और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। साहा ने कहा कि त्रिपुरा ने पिछले छह वर्षों में अपना सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) दोगुना कर लिया है और यह भारत का तीसरा पूर्ण साक्षर राज्य बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि भारती एयरटेल जैसी बड़ी कंपनियां पूर्वी भारत को सेवा देने के लिए अगरतला में डेटा सेंटर जैसी रणनीतिक सुविधाएं स्थापित कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाने के राज्य के प्रयासों का भी उल्लेख किया। प्रशासनिक कार्यों में मंत्रिमंडल स्तर से लेकर ग्राम पंचायत तक पूर्ण डिजिटलीकरण और कागजरहित व्यवस्था हासिल की गई है। चिकित्सकीय शिक्षा में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जहां एमबीबीएस सीटें 225 से बढ़कर

550 और स्नातकोत्तर सीटें 85 से बढ़कर 196 हो गई हैं। पर्यटन क्षेत्र में माता त्रिपुरा सुंदरी पर्यटन सर्किट और बौद्ध सर्किट जैसे विकास कार्यों से महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है।

बांग्लादेश ने रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार जीती वनडे सीरीज

मीरपुर (बांग्लादेश) (एजेंसी)। बांग्लादेश ने बृहस्पतिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीत ली। बारिश के कारण खेल ढाई घंटे रुका रहा जिससे डकवर्थ लुईस पद्धति के अनुसार बांग्लादेश को जीत के लिए 41 ओवर में 192 रन का लक्ष्य मिला। बांग्लादेश ने 6 ओवर रहते पांच विकेट पर 195 रन बनाकर तीन मैच की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। तीसरा और आखिरी मैच रविवार को इसी मैदान पर खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही और उसने बिना कोई रन बनाए ही तीन विकेट गंवा दिए। फिर मार्नस लाबुशेन (नाबाद 55 रन) और जेवियर बार्टलेट (52 रन) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत टीम 42 ओवर में आठ विकेट पर 187 रन के स्कोर तक पहुंच सकी। बांग्लादेश ने इसी मैदान पर डकवर्थ लुईस पद्धति से पहला मैच 86 रन से जीता था। टीम ने उस टीम में एकमात्र बदलाव करते हुए सलामी बल्लेबाज सौम्य सरकार को अंतिम एकादश में जगह दी। उन्होंने और नजमुल हुसैन शांटो ने 42-42 रन बनाए जबकि तौहीद हृदय 55 गेंद पर 40 रन बनाकर नाबाद रहे।

शांटो और सरकार ने 86 रन की साझेदारी करके टीम को संभाला। 27वें ओवर में बांग्लादेश पांच विकेट पर 144 रन के स्कोर पर लड़खड़ा गया था, लेकिन हृदय और कप्तान मेहदी हसन मिराज ने नाबाद 51 रन की अटूट साझेदारी करके सीरीज में ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी। मैच खत्म होने से ठीक पहले नाथन एलिस की एक गेंद मेहदी के हेलमेट पर लगी जिससे वह घुटनों के बल गिर गए और उन्हें उल्टी हुई। मेहदी ने स्ट्रेचर लेने से इनकार कर दिया और खेलना जारी रखा। लेकिन शांटो ने बताया कि बाद में उन्हें निगरानी के लिए अस्पताल ले जाया गया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और मैथ्यू शॉर्ट वनडे में लगातार तीसरी बार बिना खाता खोले आउट हो गए। उसके बाद कूपर कोनोली और मैट रेनशॉ भी शून्य पर आउट हो गए। वनडे इतिहास में यह केवल चौथी बार था जब किसी टीम ने बिना कोई रन बनाए अपने शुरुआती तीन विकेट गंवा दिए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने 27 रन देकर तीन विकेट और तास्किन अहमद ने 33 रन देकर तीन विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने 68 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। बल्लेबाजी क्रम में सातवें नंबर पर उतरे

लाबुशेन और बार्टलेट ने 103 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभाला। लाबुशेन ने 14 पारियों के बाद अपना पहला वनडे अर्धशतक लगाया। उन्हें तनवीर इस्लाम ने जीवनदान दिया जब उन्होंने महज एक रन बनाया था।

जसपाल राणा की अनकही दास्तां, निशानेबाजी के महानायक के निधन से शोक की लहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाजी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने वाले दिग्गज निशानेबाज और कोच जसपाल राणा का 49 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से भारतीय खेल जगत, विशेषकर शूटिंग समुदाय में गहरा शोक व्याप्त है। राणा लंबे समय से हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे और हाल ही में उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल सूत्रों के अनुसार सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें एक जून को नई दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां जांच में हृदय की धमनियों में रुकावट पाई गई। हाल ही में जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित विश्व कप प्रतियोगिता से भारतीय दल के साथ लौटते समय भी उनकी तबीयत बिगड़ी थी। उपचार और स्टेंट डाले जाने के बाद उनकी स्थिति स्थिर बताई गई थी, लेकिन बाद में स्वास्थ्य में गिरावट आने से शुक्रवार तड़के उनका निधन हो गया।

जसपाल राणा भारतीय निशानेबाजी के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल थे, जिन्होंने देश को विश्व मंच पर पहचान दिलाई। उन्होंने महज 12 वर्ष की उम्र में अपना पहला राष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने चार राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेते हुए नौ स्वर्ण सहित कुल 15 पदक अपने नाम किए। वर्ष 1994 के एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनके करियर का सबसे यादगार प्रदर्शन 2006 के दोहा एशियाई खेलों में देखने को मिला, जहां उन्होंने तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इस दौरान उन्होंने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी भी की थी।

हालांकि ओलंपिक पदक जीतने का सपना अधूरा रह गया, लेकिन भारतीय निशानेबाजी में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। खिलाड़ी के रूप में सफलता हासिल करने के बाद जसपाल राणा ने कोचिंग में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। वर्ष 2012 से जूनियर पिस्टल कोच के रूप में उन्होंने कई प्रतिभाशाली निशानेबाजों को तराशा। उनकी देखरेख में सौरभ चौधरी, अनीश भानवाला और चिंकी यादव जैसे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभरे। पिछले वर्ष उन्हें 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा का हाई-परफॉर्मेंस कोच नियुक्त किया गया था।

भारतीय निशानेबाजी की स्टार खिलाड़ी मनु भाकर की सफलता में भी जसपाल राणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर द्वारा जीते गए दो कांस्य पदकों के पीछे उनके मार्गदर्शन को अहम माना जाता है। मनु उन्हें अपने पिता समान मानती थीं। जसपाल राणा का जाना भारतीय खेल जगत के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।

रियान पराग की कंधे की सर्जरी सफल

– घरेलू सत्र के शुरुआती मुकाबलों से रह सकते हैं बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के उभरते ऑलराउंडर और इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके रियान पराग की दाहिने कंधे की सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में हुई इस सर्जरी को देश के प्रसिद्ध स्पोर्ट्स ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. दिनशॉ परदीवाला ने अंजाम दिया। सफल ऑपरेशन के बावजूद रियान पराग को अब लंबी पुनर्वास प्रक्रिया से गुजरना होगा, जिसके कारण उनके घरेलू सत्र 2026-27 के शुरुआती चरण में हिस्सा लेने की संभावना कम दिखाई दे रही है। पिछले कुछ महीनों में रियान पराग का क्रिकेट करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और अपनी नेतृत्व क्षमता से टीम को प्लेऑफ तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके बेहतरीन खेल को देखते हुए चयनकर्ताओं ने उन्हें दांबुला में आयोजित त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम का उपकप्तान भी नियुक्त किया था। हालांकि श्रृंखला शुरू होने से ठीक पहले उन्हें गंभीर चोट का सामना करना पड़ा। मांसपेशियों और कंधे से जुड़ी समस्या के कारण वह प्रतियोगिता से बाहर हो गए। विस्तृत चिकित्सकीय जांच के बाद डॉक्टरों ने सर्जरी की सलाह दी, जिसे अब सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। उनकी अनुपस्थिति में रुतुराज गायकवाड़ को टीम में शामिल किया गया। सर्जरी के बाद अब रियान पराग की प्राथमिकता पूरी तरह फिट होकर मैदान पर वापसी करना होगी। इसके लिए उन्हें जल्द ही बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भेजा जाएगा। वहां बोर्ड के विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट और चिकित्सा टीम की निगरानी में उनका रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम शुरू होगा। माना जा रहा है कि उनकी रिकवरी प्रक्रिया में कुछ महीने लग सकते हैं और इसी कारण आगामी घरेलू सत्र के शुरुआती मुकाबलों में उनकी उपलब्धता संदिग्ध बनी हुई है। सर्जरी के बाद रियान पराग ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशंसकों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। अस्पताल से साझा की गई तस्वीर के साथ उन्होंने भावुक संदेश लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सफल रहा है और अब वह एक नई चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं।

वैभव सूर्यवंशी का भारत के लिए डेब्यू खतरे में, आयरलैंड की स्थिति पर नजर रख रहा बीसीसीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी के आयरलैंड और इंग्लैंड के टी20आई दौरे पर सीनियर टीम के लिए संभावित डेब्यू को लेकर चर्चा हो रही है। सूर्यवंशी ने भारत की टी20आई टीम में चुने जाकर सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पहले ही तोड़ दिया है और अभी श्रीलंका में इंडिया ए टीम के साथ ट्राई-नेशन सीरीज में व्यस्त हैं। इस महीने के आखिर में आयरलैंड में उनके सीनियर इंडिया डेब्यू की चर्चा के बीच, वहां चल रही कम्युनिटी अशांति के कारण खतरा पैदा हो गया है।

लिस्बन में होने वाला इंटर-प्रोविंशियल टी20 फेस्टिवल पहले ही रद्द कर दिया गया है जबकि क्रिकेट आयरलैंड ने एक बयान में कहा है कि रविवार को होने वाले आयरिश सीनियर कप और नेशनल कप मैचों पर फैसला अगले 48 घंटों में लिया जाएगा। अगर स्थिति ठीक नहीं होती है तो आयरलैंड बनाम भारत सीरीज पर भी खतरा मंडरा सकता है। क्रिकेट आयरलैंड ने एक बयान में कहा, 'क्रिकेट आयरलैंड उन इलाकों में स्थिति पर नजर रख रहा है जहां अभी कम्युनिटी अशांति है और इस रविवार को होने वाले आयरिश सीनियर कप और नेशनल कप मैचों के बारे में अगले 48 घंटों में फैसला करेगा।'

बयान में आगे कहा गया, 'हम संबंधित अधिकारियों और अपनी प्रोविंशियल यूनियनों के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं। खिलाड़ियों, कोचों, मैच अधिकारियों और समर्थकों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे जरूरी है। जैसे ही और जानकारी मिलेगी, अपडेट दिए जाएंगे।' एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) भी आयरलैंड की स्थिति पर नजर रख रहा है। अगर स्थिति में सुधार नहीं होता है, तो बोर्ड बेलफास्ट से मैच दूसरी जगह शिफ्ट करने का फैसला कर सकता है।

गौर हो कि पिछले महीने खत्म हुए इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए कुछ धमाकेदार पारियां खेलने के बाद वैभव सूर्यवंशी इंडिया ए के लिए वन-डे क्रिकेट में एक अलग अंदाज में दिखे हैं। गुरुवार को अफगानिस्तान ए के खिलाफ सूर्यवंशी ने आउट होने से पहले 22 गेंदों में 44 रन बनाए, लेकिन एक भी छक्का नहीं लगाया। ढ्ढक्क में जहां 15 साल के इस खिलाड़ी ने ज्यादातर छक्के लगाकर रन बनाए थे, वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ उनका खेल काफी संभला हुआ दिखा, जिससे वे जमीन के सहारे शॉट खेल पाए। सूर्यवंशी की जबरदस्त कोशिश के बावजूद इस मैच में इंडिया ए को अफ़गानिस्तान ए से हार का सामना करना पड़ा।

विश्व कप के पहले मैच में ही बना लाल कार्ड का नया रिकॉर्ड

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच बृहस्पतिवार को यहां खेले गए विश्व कप के उद्घाटन मैच में ही अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की एक अनोखी घटना देखने को मिली। इस मैच में तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड दिखाया गया। यह भले ही विश्व कप का रिकॉर्ड नहीं है लेकिन यह उद्घाटन मैच में लाल कार्ड का नया रिकॉर्ड है। विश्व कप के किसी मैच में सर्वाधिक लाल कार्ड दिखाए जाने के रिकॉर्ड में यह मैच दूसरे स्थान पर है। पुर्तगाल और नीदरलैंड के बीच 2006 में जर्मनी में खेले गए विश्व कप के मैच में चार लाल कार्ड दिखाए गए थे। यह घटना इसलिए भी अनोखी है क्योंकि कतर में 2022 में खेले गए पिछले विश्व कप में पूरे टूर्नामेंट में केवल चार लाल कार्ड दिखाए गए थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी स्फेफेलो सिथोले और थेम्बा जवाने दोनों को लाल कार्ड दिखाया गया, जिसके चलते टीम को 9 खिलाड़ियों के साथ ही मैच समाप्त करना पड़ा।

विश्व कप 2026 : रैना ने बताई हार्दिक की चिंता, कुंबले ने की युवा प्रिंस यादव की तारीफ

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने आगामी वनडे विश्व कप 2026 से जुड़ी भारतीय टीम की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण सलाह दी है। रैना का मानना है कि चोटों से लगातार जूझ रहे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के लिए भारत को एक भरोसेमंद विकल्प तलाशना होगा और उसे प्राथमिकता के साथ तैयार किया जाना चाहिए, क्योंकि हार्दिक की फिटनेस संबंधी समस्याएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। मौजूदा समय में भी हार्दिक चोट के चलते अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से बाहर हैं। रैना ने एक चैनल पर अपनी राय व्यक्त करते हुए नितीश कुमार रेड्डी को एक उपयुक्त विकल्प बताया। उन्होंने नितीश की बल्लेबाजी में सुधार, अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी तथा बेहतरीन फिटनेस की सराहना की। रैना ने टीम प्रबंधन को उनके काम के बोझ का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करने और उन्हें लगातार अवसर प्रदान करने का सुझाव दिया। इसके अतिरिक्त, रैना ने कप्तान शुभमन गिल के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी को एक बड़ा फायदा बताया। उन्होंने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट्स में इन दोनों खिलाड़ियों का व्यापक अनुभव, बड़े स्कोर बनाने की क्षमता और नॉकआउट मुकाबलों में दबाव संभालने का कौशल गिल के लिए अमूल्य साबित होगा। दोनों ने आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं और विश्व कप में गिल की कप्तानी में उनकी भूमिका अहम होगी। वहीं, पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने भी भारतीय एकदिवसीय टीम में युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव के चयन का स्वागत किया है। कुंबले ने कहा कि प्रिंस ने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर यह मौका हासिल किया है। उन्होंने प्रिंस की विभिन्न प्रकार की गेंदों कटर, धीमी गेंद और यॉर्कर की सराहना करते हुए उन्हें हर चरण में गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज बताया। कुंबले ने यह भी रेखांकित किया कि युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह पक्की करने के लिए लगातार अवसर दिए जाने चाहिए।

14 जून भारतीय महिला टीम करेगी पाकिस्तान के खिलाफ आगाज

- महिला टी20 विश्व कप 2026 के मैचों का पूरा शेड्यूल और प्रसारण समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी महिला टी20 विश्व कप 2026 का विस्तृत शेड्यूल पहले ही जारी कर दिया गया था, लेकिन भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण जानकारी यह है कि वे इन रोमांचक मुकाबलों को किस समय देख पाएंगे। इंग्लैंड की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट के मैचों का समय भारतीय समयानुसार अब स्पष्ट हो गया है, जिससे प्रशंसकों को अपने पसंदीदा मैचों का आनंद लेने में सुविधा होगी। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट आज शुक्रवार, 12 जून, 2026 से शुरू होकर रविवार, 5 जुलाई, 2026 को फाइनल मुकाबले के साथ समाप्त होगा। उद्घाटन मैच मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। भारतीय महिला टीम, जो ग्रुप ए का हिस्सा है, अपना पहला मुकाबला रविवार, 14 जून को खेलेगी। भारतीय टीम के ग्रुप में पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, नीदरलैंड और बांग्लादेश जैसी मजबूत टीमें शामिल हैं।

भारत और इंग्लैंड के स्थानीय समय में लगभग साढ़े चार घंटे का अंतर है। जब इंग्लैंड में शाम के साढ़े छह बजते हैं, तब भारत में रात के ग्यारह बज चुके होते हैं। इसका मतलब है कि कई शुरुआती मुकाबले, जो इंग्लैंड के स्थानीय समय के अनुसार शाम को 6:30 बजे शुरू होंगे, भारतीय दर्शकों के लिए रात 11:00 बजे से लाइव उपलब्ध होंगे। हालांकि, भारतीय प्रशंसकों के लिए एक सुखद खबर यह है कि भारतीय महिला टीम के मैचों का समय भारतीय समयानुसार शाम को रखा गया है। इंग्लैंड के स्थानीय समय के अनुसार ये मैच दोपहर 2:30 बजे शुरू होंगे, जिसका अर्थ है कि भारतीय समयानुसार आप इन्हें शाम 7:00 बजे से देख पाएंगे। सेमीफाइनल और फाइनल मैच भी स्थानीय समय के अनुसार दोपहर में ही खेले जाएंगे, ताकि भारतीय दर्शकों को ये मुकाबले शाम 7:00 बजे से देखने को मिलें। यह ध्यान रखना दिलचस्प होगा कि अगर आप रात 10:00 बजे भारत में मैच देख रहे हों और आपको स्क्रीन पर धूप दिख रही हो, तो चौंकने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उस समय इंग्लैंड में दोपहर का समय होगा। प्रशंसकों को इन महत्वपूर्ण तिथियों और समय को अभी से नोट कर लेना चाहिए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : पीवी सिंधु ने चीनी ताइपे की चेन सु यू को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

सिडनी। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने शुक्रवार को यहां ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स शानदार जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने चीनी ताइपे की चेन सु यू को एकतरफा क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 21–6, 21–14 से हराया, यह मुकाबला सिर्फ 27 मिनट तक चला। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन सिंधु का अगला मुकाबला जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची से होगा जिन्होंने भारतीय टीनएजर तन्वी शर्मा के शानदार सफर को 32 मिनट में 21–14, 21–14 से हराकर खत्म किया। दिलचस्प बात यह है कि सिंधु का वर्ल्ड नंबर 3 जापानी खिलाड़ी के खिलाफ हेड–टू–हेड रिकॉर्ड 15–13 का है, जिसमें वह थोड़ी आगे हैं। सिंधु ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और अपनी बेहतर पहुंच और कोर्ट कवरेज का इस्तेमाल करते हुए अपनी प्रतिद्वंद्वी को लगातार दबाव में रखा। उन्होंने पहला गेम आसानी से जीता और दूसरे गेम में भी अपनी लय बनाए रखते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। सेमीफाइनल में पहुंचना सिंधु के लिए एक बड़ी बात है, क्योंकि उनका सीजन उतार–चढ़ाव भरा रहा है और वह क्चङ्खस्न वर्ल्ड टूर पर अपनी लय पाने की कोशिश कर रही हैं। साथ ही वह दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल के बाद से अपने पहले खिताब की तलाश में हैं। इससे पहले सिंधु ने प्री–क्वार्टर फाइनल में अपनी ही देश की खिलाड़ी इशारानी बरुआ को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप 24 जून को रचाएंगे शादी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप जल्द ही अपने जीवन की नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। मैदान पर अपनी तेज गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले आकाशदीप अब विवाह बंधन में बंधने की तैयारी में हैं। जानकारी के अनुसार वह 24 जून को अपनी मंगेतर अक्षिता के साथ सात फेरे लेंगे। शादी समारोह बिहार के रोहतास जिले में पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ आयोजित किया जाएगा। आकाशदीप की होने वाली पत्नी अक्षिता डेहरी–ऑन–सोन के मानिकपुर गांव की निवासी हैं। दोनों परिवारों की सहमति से यह विवाह संपन्न होगा। शादी को लेकर दोनों परिवारों में तैयारियां जोरों पर चल रही हैं और रिश्तेदारों के आने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। विवाह समारोह को पारंपरिक और पारिवारिक माहौल में आयोजित करने की योजना बनाई गई है। सूत्रों के अनुसार शादी से पहले विभिन्न रस्में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न होंगी। 21 जून को तिलक समारोह आयोजित किया जाएगा, जबकि 22 जून को मेहंदी की रस्म होगी। इसके बाद 23 जून को हल्दी समारोह का आयोजन किया जाएगा। इन सभी कार्यक्रमों में परिवार के सदस्य, करीबी रिश्तेदार और मित्र शामिल होंगे। 24 जून को आकाशदीप बारात लेकर अक्षिता के घर पहुंचेंगे और विवाह की सभी परंपराओं का पालन करते हुए दोनों जीवनसाथी बनेंगे। आकाशदीप का पैतृक गांव रोहतास जिले का बड्डी गांव है, जहां विवाह से जुड़ी कई रस्में संपन्न की जाएंगी। स्थानीय लोगों में भी इस शादी को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। क्रिकेट के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके आकाशदीप की इस खुशखबरी से उनके प्रशंसकों में भी खुशी का माहौल है। भारतीय टीम के लिए खेलते हुए आकाशदीप ने अपनी तेज और सटीक गेंदबाजी से कई बड़े बल्लेबाजों को परेशानी में डाला है।

फीफा विश्व कप : मैक्सिको की धमाकेदार शुरुआत, दक्षिण अफ्रीका को से हराया

मैक्सिको सिटी (एजेंसी)। सह मेजबान मैक्सिको ने अब तक के सबसे बड़े फुटबॉल विश्व कप के उद्घाटन मैच में दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर अपने अभियान की धमाकेदार शुरुआत की। इस बार विश्व कप में 48 टीम भाग ले रही हैं और खचाखच भरे एज़्टेका स्टेडियम में मैक्सिको की टीम पर अपेक्षाओं का दबाव होना स्वाभाविक था। लेकिन उसके खिलाड़ियों ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई और दक्षिण अफ्रीका को आसानी से हराकर अपने प्रशंसकों को जमकर जश्न मनाने का मौका दिया।

इस मैच में तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड भी दिखाए गए। जूलियन क्विनोनेस (नौवें मिनट) और राउल जिमेनेज (66वें) ने मैक्सिको के लिए गोल किए, जो कनाडा और अमेरिका के साथ इस टूर्नामेंट की सह-मेजबानी कर रहा है। मैक्सिको के कोच जेवियर अगुइरे ने मैच के बाद कहा, 'मैंने उन्हें यह समझाने की कोशिश की कि विश्व कप और घरेलू मैदान पर पहला मैच खेलने का क्या मतलब होता है। वे युवा हैं और उन्हें खुद इसका अनुभव करना था।'

मैक्सिको चार साल पहले कतर में खेले गए विश्व कप में ग्रुप चरण से बाहर हो गया था। इससे पहले उसकी टीम लगातार सात बार अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रही लेकिन क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। लेकिन इस साल उम्मीद की किरण है। मैक्सिको अब तक केवल दो बार 1970 और 1986 में विश्व कप के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचा है। इन दोनों अवसरों पर वह मेजबान देश था। अगुइरे 1986 की टीम का हिस्सा थे।

मैक्सिको ने 80,824 दर्शकों की उपस्थिति में आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और नौवें मिनट में क्विनोनेस के गोल से बढ़त बना ली। जिमेनेज ने 66वें मिनट में हेडर से दूसरा गोल दागा। यह मैक्सिको के लिए उनका 46वां लेकिन तीन विश्व कप में पहला गोल था। जिमेनेज़ इस गोल से मैक्सिको की तरफ से सर्वाधिक गोल करने के मामले में जारेड बोर्गेटी के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। वह शीर्ष पर काबिज जेवियर हर्नांडिज़ से छह गोल पीछे हैं।

अगुएरे ने कहा, 'हमने पहले हाफ में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन अगर हम हाफ टाइम तक 3-0 की बढ़त बना लेते तो किसी को कोई शिकायत नहीं होती। हमने उनसे कहीं बेहतर खेल दिखाया।' दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी स्फेफेलो सिथोले और थेम्बा ज़वाने दोनों को लाल कार्ड दिखाया गया, जिसके चलते टीम को नौ खिलाड़ियों के साथ ही मैच समाप्त करना पड़ा। इसके बाद मैक्सिको के डिफेंडर सेसार मोंटेस को भी इंजरी टाइम में लाल कार्ड मिला।

विश्व कप टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में पहली बार तीन लाल कार्ड दिखाए गए। विश्व कप के किसी मैच में सर्वाधिक लाल कार्ड दिखाए जाने

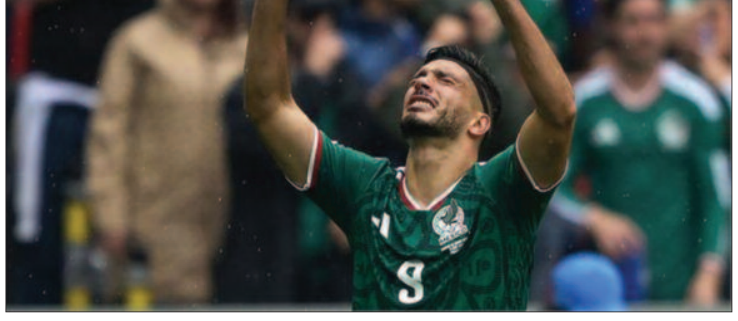

के मामले में यह मैच दूसरे स्थान पर है। पुर्तगाल और नीदरलैंड के बीच 2006 में जर्मनी में खेले गए विश्व कप के मैच में चार लाल कार्ड दिखाए गए थे। मैक्सिको के अब ग्रुप ए में तीन अंक हो गए हैं और वह अगले गुरुवार को ग्वाडलजारा में दक्षिण कोरिया के खिलाफ खेलेगा। दक्षिण अफ्रीका उसी दिन अटलांटा में चेक गणराज्य का सामना करेगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 3916

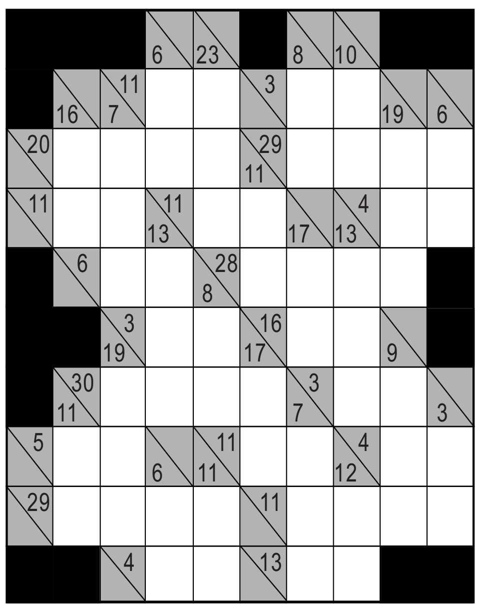

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3915 का हल

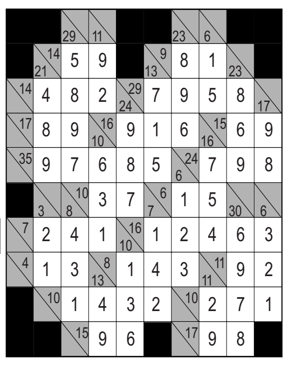

हंसी के फूव्वारें

एक सेठ अपने बेटे को कॉलेज में नाम लिखवाने आये.

'सेठजी आप लेट हो गए हैं, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है.' प्रधानाचार्य ने कहा.

सेठजी ने कहा-आप चिन्ता न करें, मेरे बेटे का नाम लिख लें. सीट मैं नयी बनवा दूँगा.

'कुँवारे व्यक्ति को तुम स्वार्थी क्यों कहती हो ?' पहली फिल्म अभिनेत्री ने दूसरी फिल्म अभिनेत्री से पूछा.

दूसरी अभिनेत्री ने कारण बताया, 'क्योंकि कुँवारा व्यक्ति किसी महिला को तलाक का अवसर नहीं देता.'

विवाह के कुछ दिन बाद पति-पत्नी में लड़ाई हो गयी. पत्नी बोली, 'मैं मायके जा रही हूँ, अब नहीं आऊँगी.'

पति शांत रहा. उसने जेब में हाथ डाला और उसे रुपये देकर बोला, 'यह लो ट्रेन का किराया.'

पत्नी ने रुपये गिने और बोली, 'ट्रेन की वापसी का किराया कौन देगा ?'

युवती-किसी ने सत्य ही कहा है कि जिसे शक्ल मिलती है उसे अक्ल नहीं मिलती.

युवक-इसलिए तो मैंने तुमसे प्रेम किया है.

फिल्म वर्ग पहेली- 3916

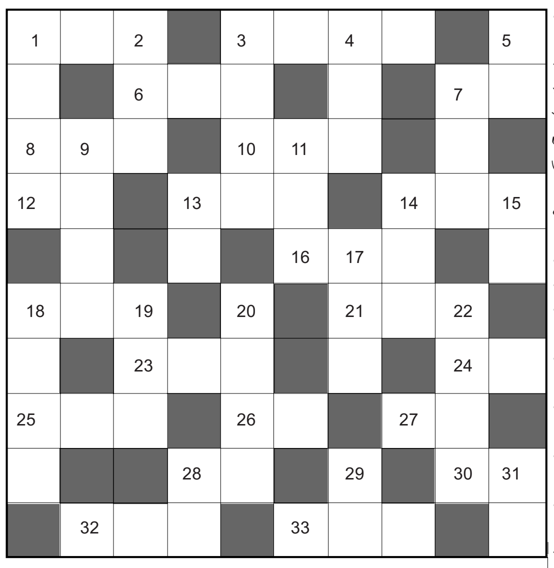

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी ?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3915

सूडोकु -3916

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3915 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 3916

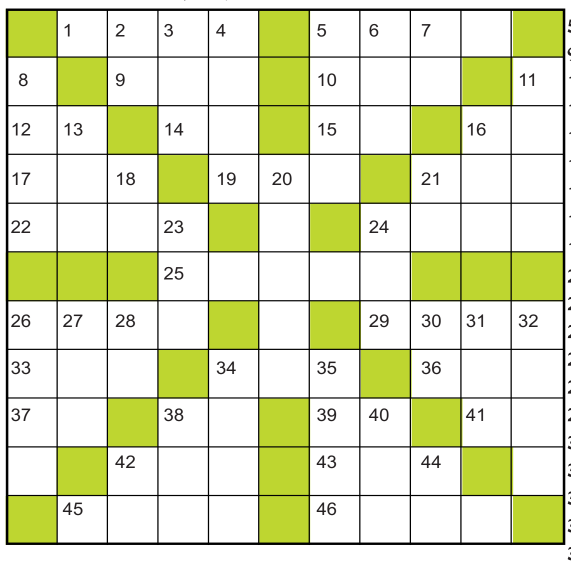

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली -3915 का हल

...स्माइल प्लीज

कई लोगों को यह शिकायत रहती है कि उनके फोटो अच्छे नहीं आते। यह सही है कि हर व्यक्ति का चेहरा कैमरे के लिहाज से परफेक्ट नहीं हो सकता या हर कोई फोटोजेनिक फेस वाला नहीं हो सकता लेकिन अगर आप कुछ बातों का खयाल रखें तो आपकी तस्वीर भी अच्छी आ सकती है।-

- आपका चेहरा ऑइली नहीं होना चाहिए। कॉम्पेक्ट का इस्तेमाल करके चमक को हटा लीजिए। साथ ही कॉम्पेक्ट या पावडर को हल्के हाथों से उन स्थानों पर सफाई के साथ लगाएँ जहाँ चेहरे के रंग में अंतर दिखता हो।
- आप आँखों को हाईलाइट करने के लिए काजल और मस्कारा चुन सकती हैं लेकिन यह याद रखें कि सामान्य फोटो के लिए बहुत ज्यादा नाटकीय मेकअप की जरूरत नहीं होती। यही बात लिपिस्टिक लगाते समय भी ध्यान में रखें। चाहें तो होठों पर चमकीला ग्लॉस लगा सकती हैं।
- फोटो में स्लिम नजर आना चाहती हैं तो काले या गहरे रंग के कपड़े पहनें। हल्के रंग के या ज्यादा ढीले कपड़े आपके शरीर को बढ़-चढ़ाकर ज्यादा वजन का दिखाते हैं। इसलिए कोशिश करें कि आपके कपड़े अच्छी फिटिंग के और गहरे रंग के हों।
- हालाँकि आजकल मॉडलिंग के हिसाब से पोर्टफोलियो बनवाने वाली दुकानें थोक के भाव खुल गई हैं लेकिन आप भरोसा उसी पर करें जो इस क्षेत्र में अनुभव रखता हो। कहीं से भी पोर्टफोलियो बनवाने में आपके पैसे भी फिजूल खर्च होंगे और काम भी नहीं बनेगा।
- कभी भी किसी सेलिब्रिटी या फिल्म की देखा-देखी फोटो सेशन न करवाएँ। सबसे पहली बात तो यह कि हर व्यक्ति के चेहरे की बनावट तथा शारीरिक कोणों में विभिन्नाता होती है। यह कतई जरूरी नहीं कि माधुरी दीक्षित जैसा पोज आप पर भी जम ही जाए। इसलिए

इस मामले में जिद छोड़ फोटोग्राफर की बात मानें। उसे अच्छे से मालूम होता है कि किस चेहरे पर कैसा काम करना है।

- चाहे आपने बहुत महँगे कपड़े पहन रखें हों लेकिन जरूरी नहीं कि फोटो के लिहाज से भी वे ठीक ही हों। अत: इस मामले में भी फोटोग्राफर से एक राय जरूर लें।
- मेकअप कम से कम करें।
- एक साथ बहुत सारे जेवर न पहन डालें।
- स्टुडियो के लिए निकलने से ठीक पहले ब्रश से दाँत साफ करें ताकि आपकी मुस्कान आपकी तरह ही स्पेशल हो।

चेहरे को बनाएं हसीन

त्वचा यदि रूखी और बेजान हो, तो तीखे नाक-नक्स भी अपनी सुंदरता खो देते हैं। त्वचा मुलायम और चमकदार कैसे नजर आए ? इसके लिए निम्न विधियों का उपयोग करें-

एल्फा हाइड्रोप्सी एसिड

इस तकनीक में हर महिला की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकता की पूरी जानकारी ली जाती है। कई बार हारमोन्स के विकार, नींद की कमी या मानसिक तनाव भी त्वचा को प्रभावित करते हैं।

प्राय: खाने-पीने की गलत आदतों से भी त्वचा को नुकसान पहुंचता है। अत: अपने भोजन, भोजन करने के तरीके एवं समय को भी ध्यान में रखना जरूरी है।

अतिरिक्त खनिज पदार्थ, विटामिन तथा प्रोटीन त्वचा के लिए जरूरी हैं।

एल्फा हाइड्रोप्सी एसिड तकनीक में फलों के एसिड (लवणों) द्वारा उपचार होता है। इस विधि में मृतप्राय त्वचा की सफाई होती है, जिससे त्वचा फिर से खिल उठती है।

इससे त्वचा पर पड़ी झुर्रियां भी सरलता से दूर की जा सकती हैं।

यदि इस विधि का प्रयोग नियमित रूप से या कम से कम महीने में एक बार करवाया जाए, तो निश्चय ही आपकी त्वचा चमक उठेगी।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

इंडियन आइडल की जज बनीं नेहा कक्कड़

बॉलीवुड की लोकप्रिय गायिका नेहा कक्कड़ आज देश की सबसे चर्चित सिंगर्स में गिनी जाती हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें पहचान बनाने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। उनकी जिंदगी का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि जिस रियलिटी शो में वह एक कंटेस्टेंट के रूप में हिस्सा लेकर बाहर हो गई थीं, बाद में उसी शो में जज की कुर्सी तक पहुंचीं। नेहा कक्कड़ का परिवार एक छोटे से किराए के घर में रहता था। संगीत से जुड़े माहौल में पली-बढ़ीं नेहा को बचपन से ही गाने का शौक था। उनकी बड़ी बहन सोनू कक्कड़ और भाई टोनी कक्कड़ भी संगीत से जुड़े रहे हैं। महज चार साल की उम्र में नेहा ने धार्मिक आयोजनों और जागरणों में गाना शुरू कर दिया था। छोटी उम्र में ही वह परिवार के साथ मंच पर भजन गाती थीं। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया और उन्होंने गायकी को ही अपना भविष्य बनाने का फैसला किया। बेहतर अवसरों की तलाश में परिवार दिल्ली आया और बाद में नेहा अपने भाई टोनी कक्कड़ के साथ मुंबई पहुंच गईं। यहां उन्हें कई बार निराशा का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2005 में नेहा ने 'इंडियन आइडल' में हिस्सा लिया, लेकिन वह आगे नहीं बढ़ सकीं और शुरुआती दौर में ही बाहर हो गईं। उस समय शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यही लड़की एक दिन उसी मंच पर जज बनकर बैठेगी।

शो से बाहर होने के बाद नेहा ने छोटे-बड़े कई प्रोजेक्ट्स में काम किया। साल 2008 में उनका पहला म्यूजिक एल्बम 'नेहा द रॉकस्टार' रिलीज हुआ। इसी दौरान उन्होंने फिल्म 'मीराबाई नॉट आउट' में कोरस सिंगिंग की। इसके बाद उन्हें कई फिल्मों और म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में काम मिलने लगा। फिल्म 'कॉकटेल' का गाना 'सेकंड हैंड जवानी' उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। इस गाने ने उन्हें देशभर में पहचान दिलाई। इसके बाद सफलता का सिलसिला लगातार आगे बढ़ता गया। 'लंदन ठुमकदा', 'सनी सनी', 'काला चश्मा', 'दिलबर' और 'आंख मारे' जैसे गानों ने उन्हें बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय आवाजों में शामिल कर दिया। उनकी गायकी को देश ही नहीं, विदेशों में भी पसंद किया जाने लगा। सोशल मीडिया और यूट्यूब पर भी उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग बनी। नेहा को उसी 'इंडियन आइडल' में जज बनने का मौका मिला, जहां कभी वह कंटेस्टेंट के रूप में बाहर हो गई थीं। उन्होंने कई सीजन में जज की भूमिका निभाई और नए प्रतिभाशाली गायकों को मार्गदर्शन दिया।

तापसी पन्नू को नहीं मिल रहे खास तरह के रोल

शाहरुख को लेकर कहा

तापसी पन्नू ने हाल ही में एक अहम मुद्दे पर बात की है। वह महिला कलाकारों के साथ हो रहे भेदभाव का जिक्र करती हैं। खुद भी वह ऐसी ही चुनौती का सामना कर रही हैं। तापसी का कहना है कि बढ़ती उम्र के कारण उन्हें कुछ खास तरह के किरदार ऑफर ही नहीं हो रहे हैं, मेकर्स को लगता है कि वो ऐसे किरदारों के लिए बड़ी हैं।

सिनेमा इंडस्ट्री में होता है उम्र को लेकर भेदभाव

हालिया इंटरव्यू में तापसी पन्नू कहती हैं, 'जब तक आप इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाते हैं, तब तक आप 30 साल के हो चुके होते हैं। फिर वे कहते हैं कि आप रोमांटिक-कॉमेडी में काम करने के लिए उतने यंग नहीं हैं। लेकिन मेल एक्टर्स के मामले में ऐसा नहीं होता है। इंडस्ट्री में उम्र को लेकर भेदभाव एक बड़ी बात है।'

तापसी पन्नू करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं?

तापसी पन्नू की हाल ही में एक फिल्म 'अस्सी' रिलीज हुई, इसमें उन्होंने एक वकील का रोल किया। यह फिल्म दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराध को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ती है। तापसी पन्नू 'वो लड़की है कहां' और 'गांधारी' जैसी फिल्मों में भी नजर आएंगी।

शाहरुख का दिया उदाहरण

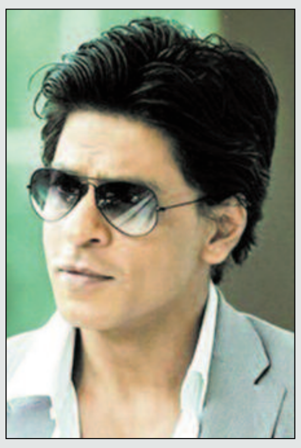

आगे तापसी पन्नू कहती हैं, 'साउथ में भी मेरे साथ ऐसा होता था। जैसे ही मुझे किसी सीनियर एक्टर के अपोजिट कास्ट किया जाता, यंग एक्टर मेरे साथ काम नहीं करना चाहते थे।' तापसी फिर बॉलीवुड का जिक्र करते हुए कहती हैं, 'शाहरुख खान के बारे में तो आप ऐसी बात कहने की हिम्मत भी नहीं कर सकते हैं।' इस तरह तापसी ने जाहिर किया दिया कि उम्र को लेकर भेदभाव सिर्फ एक्ट्रेसेस के साथ होता है, मेल एक्टर्स के करियर पर उम्र बढ़ने का कोई असर नहीं होता है।

पुलकित सम्राट ने पूरी की अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग

अभिनेता पुलकित सम्राट ने निर्देशिका स्नेहा तौरानी द्वारा निर्देशित और रमेश तौरानी की टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बन रही अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। हालांकि फिल्म की आधिकारिक घोषणा का अभी इंतजार है, लेकिन सूत्रों के अनुसार फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब केवल एक गाने की शूटिंग बाकी है।

फिलहाल अपने प्रोडक्शन के अंतिम चरण में पहुंच चुका पुलकित सम्राट का यह प्रोजेक्ट दर्शकों के एक कदम और करीब आ गया है। वैसे पिछले साल जब पुलकित का नाम इस प्रोजेक्ट से जुड़ा था, तब से ही फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थी, लेकिन इस खबर के साथ ही दर्शकों की उत्सुकता अब चरम पर पहुंच चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि बॉलीवुड के सबसे सफल प्रोडक्शन हाउसेज़ में से एक टिप्स फिल्म्स के साथ एक उभरती हुई निर्देशिका और अपने करियर के मजबूत दौर से गुजर रहे अभिनेता का यह सहयोग इंडस्ट्री में पहले ही चर्चा का विषय बन चुका है।

हालांकि पुलकित की इस फिल्म की शूटिंग पूरी होने की खबर भी ऐसे समय में आई है, जब पुलकित को उनकी हालिया रिलीज 'ग्लोरी' में दमदार प्रदर्शन के लिए काफी सराहना मिल रही है।

गौरतलब है कि इस प्रोजेक्ट में एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए पुलकित को उनके फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन और अभिनय के लिए दर्शकों ने खूब पसंद किया है। सिर्फ यही नहीं इस किरदार ने एक कलाकार के रूप में पुलकित की न सिर्फ एक नई छवि पेश की है, बल्कि चुनौतीपूर्ण व विविध भूमिकाएं निभाने की उनकी प्रतिष्ठा को भी और मजबूत किया है। सालों से अलग-अलग शैलियों में प्रयोग करते आए पुलकित सम्राट ने कमर्शियल एंटरटेनर्स के साथ-साथ परफॉर्मेंस आधारित किरदारों के बीच संतुलन बनाए रखा है। यही वजह है कि 'ग्लोरी' से मिली इस नई रफ्तार के बाद अब दर्शकों के बीच टिप्स फिल्म्स के साथ उनकी इस नई फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। फिलहाल शूटिंग के बाद अंतिम चरण में पहुंच चुकी इस फिल्म में पुलकित सम्राट को बतौर मुख्य अभिनेता एक और दिलचस्प किरदार निभाते देखना वाकई आँखों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगा। फिलहाल मेकर्स की ओर से आने वाले महीनों में फिल्म की आधिकारिक घोषणा किए जाने की संभावना है।

क्या गौतम तिन्ननुरी की फिल्म में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना?

कर्नाटक संगीत की महान गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जिंदगी पर एक बायोपिक फिल्म बनने जा रही है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं।

मुख्य अभिनेत्री को लेकर सस्पेंस

फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर अभी अलग-अलग जानकारी आ रही हैं। रश्मिका मंदाना को एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक के लिए चुना गया है। बताया जा रहा है कि हाल ही में इसके लिए उनके घर पर एक लुक टेस्ट भी हुआ है। हालांकि, कुछ समय पहले यह जानकारी आई थी कि रश्मिका या साई पल्लवी की जगह रुक्मिणी वसंत को इस रोल के लिए साइन किया गया है। लेकिन सबसे पहले चर्चा थी कि साई पल्लवी यह किरदार निभाएंगी और उन्होंने इसके लिए कर्नाटक संगीत सीखना भी शुरू कर दिया है। बहरहाल, फिल्म मेकर्स की तरफ से अभी तक किसी भी नाम पर आधिकारिक पुष्टि नहीं दी है।

बायोपिक का निर्देशन

एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक पर बन रही इस फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्ननुरी करेंगे। गौतम तिन्ननुरी को सुपरहिट फिल्म 'जर्सी' बनाने के लिए जाना जाता है। गौतम काफी समय से इस कहानी पर रिसर्च कर रहे हैं।

'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके लिए रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। फिल्म 'कॉकटेल 2', 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं ।

शोभिता धुलिपाला ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

नागा चैतन्य के साथ रिश्ते और शादी को लेकर लंबे समय से सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना कर रहीं शोभिता धुलिपाला ने आखिरकार आलोचकों को करारा जवाब दिया है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि 'अब मुझे लोगों की बातों से फर्क नहीं पड़ता। मैं अपनी जिंदगी के बेहद खूबसूरत दौर में हूं।' बता दें कि शोभिता और नागा चैतन्य के रिश्ते की चर्चा साल 2022 में शुरू हुई थी। इसके बाद अगस्त 2024 में दोनों ने सगाई की और उसी साल दिसंबर में शादी कर ली। हालांकि, इस रिश्ते को लेकर शोभिता को लगातार सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। शोभिता ने आगे कहा कि 'लोगों की दिलचस्पी और चर्चाओं को मैं उत्सुकता के तौर पर देखती हूं। मैं बस अपनी जिंदगी जी रही थी और मुझे समझ नहीं आता कि लोग मुझसे कैसी प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहे हैं। समय के साथ मुझे अपनी पहचान और मानसिक मजबूती का बेहतर एहसास हो गया है।'

अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं ऋतिक रोशन

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन अब अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इशारा किया है कि वह अब सीधे-साधे और हमेशा सही रहने वाले किरदारों से हटकर कुछ अलग और गंभीर यानी ग्रे शेड की भूमिकाएं करना चाहते हैं। ऋतिक ने माना कि डायरेक्टर अक्सर उन्हें सिर्फ पॉजिटिव रोल ही ऑफर करते हैं, जिससे वे थोड़े निराश हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर की दिल की बात

ऋतिक ने पेरिस की एक खूबसूरत सड़क से अपनी एक सेल्फी शेयर की, जिसके बैकग्राउंड में एफिल टावर दिख रहा है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'मुझसे अभी पूछा गया कि मैं किस तरह का रोल करना चाहता हूं। जब मुझे इसका जवाब मिला, तो मैं खुद भी हैरान रह गया। क्या आपको फिल्म 'लक बाय चांस' का जफ्फर याद है? मुझे वैसा ही रोल चाहिए।' ऋतिक ने आगे लिखा, 'अगर मुझे ऐसा कोई मौका मिला, तो मैं उसे तुरंत अपना लूंगा। लेकिन दुख की बात है कि डायरेक्टर मुझे सिर्फ अच्छे इंसान के रोल में ही देखना चाहते हैं।'

क्या था 'जफ्फर' का किरदार?

साल 2009 में आई निर्देशक जोया अख्तर की फिल्म 'लक बाय चांस' में ऋतिक ने 'जफ्फर' नाम के एक मतलबी और घमंडी सुपरस्टार का छोटा सा रोल निभाया था। भले ही वह रोल छोटा था, लेकिन लोगों को बहुत पसंद आया था। ऋतिक की इस पोस्ट को देखकर जोया अख्तर ने तुरंत कमेंट में लिखा, 'चलो, कॉफी पर मिलते हैं।'

ऋतिक रोशन के आने वाले प्रोजेक्ट्स

ऋतिक को आखिरी बार फिल्म 'वॉर 2' में देखा गया था, जिसे बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। आने वाले समय में वे इन बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। 'कृष 4' सुपरहिट सुपरहीरो फिल्म से ऋतिक पहली बार निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इस फिल्म को यश राज फिल्म्स और राकेश रोशन मिलकर बना रहे हैं। इसके अलावा ऋतिक अपनी वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम 'स्टॉर्म' है। 'स्टॉर्म' से ऋतिक अब ओटीटी की दुनिया में भी कदम रख रहे हैं। 'स्टॉर्म' मुंबई पर आधारित एक थ्रिलर सीरीज है।

'कांटे 2' को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं संजय गुप्ता

निर्देशक संजय गुप्ता ने पुष्टि की है कि वह अपनी चर्चित फिल्म 'कांटे' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि 'कांटे 2' की कहानी का शुरुआती खाका तैयार कर लिया गया है और अब वह इसकी स्क्रिप्ट लिखने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। संजय गुप्ता और संजय दत्त लंबे समय से साथ काम करते रहे हैं। दोनों ने 'आतिश', 'जंग', 'खौफ', 'कांटे', 'मुसाफिर', 'जिंदा' और 'दस कहानियां' जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। संजय का मानना है कि संजय दत्त में आज भी किसी फिल्म को अपने दम पर सफल बनाने की क्षमता है। निर्देशक ने यह भी खुलासा किया कि 'कांटे' लंबे समय तक कानूनी विवाद में फंसी रही, जिसके कारण सीक्वल पर काम आगे नहीं बढ़ पाया। अब यह मामला सुलझ चुका है, जिससे वह फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारत से विवाद हल करने में तीसरे पक्ष की जरूरत नहीं : नेपाल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बुधवार को देश की संसद में स्पष्ट किया कि सरकार ने भारत के साथ सीमा विवाद को सुलझाने के लिए किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता न तो मांगी है और न ही वह इसका समर्थन करती है। यह स्पष्टीकरण 31 मई को प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के बयानों के बाद मचे राजनीतिक हंगामे को शांत करने के लिए दिया गया। पीएम के बयानों की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की थी और उनके इस्तीफे की मांग भी उठी थी। खनाल ने कहा कि नेपाल और भारत के बीच सीमा को लेकर चल रहे विवाद पर दोनों देशों का एक संयुक्त कार्य समूह विचार करेगा।

चीनी विदेश मंत्रालय के साथ भारतीय दूत विक्रम की बैठक

बीजिंग, एजेंसी। चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने बुधवार को बीजिंग में चाइनीज पीपल्स एसोसिएशन फॉर फ्रेंडशिप विद फॉरेन कंट्रीज के अध्यक्ष यांग वानमिंग से मुलाकात की और दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। चाइनीज पीपल्स एसोसिएशन फॉर फ्रेंडशिप विद फॉरेन कंट्रीज चीन के विदेश मंत्रालय से जुड़ी संस्था है। यह चीन और दूसरे देशों के लोगों के बीच आपसी मेल-जोल पर ध्यान देती है। भारतीय दूतावास की पोस्ट के अनुसार, दोराईस्वामी और यांग ने भारत-चीन के बीच लोगों के आपसी मेल-जोल की पुरानी परंपरा और सांस्कृतिक, शैक्षिक व युवाओं के बीच बातचीत को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

अफगानिस्तान के हेरात में गोली लगने से एक किशोर की मौत

हेरात, एजेंसी। अफगानिस्तान के पश्चिमी शहर हेरात में महिलाओं की कथित गिरफ्तारी के विरोध में हुए प्रदर्शन पर की गई हिंसक कार्रवाई में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई है। संयुक्त राष्ट्र के अफगानिस्तान मिशन ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। हेरात इलाके में ड्रेस कोड नियमों के उल्लंघन के आरोप में 30 महिलाओं की गिरफ्तारी की गई थी। इन गिरफ्तारियों के खिलाफ मंगलवार को 100-150 लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। आरोप है कि इस दौरान तालिबान पुलिस ने भीड़ पर गोलीबारी की। गोली लगने से कम से कम एक किशोर की मौत हुई है, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों को लाठियों से पीटे जाने की भी रिपोर्ट है। साल 2021 में अमेरिकी नेतृत्व वाली सेनाओं की वापसी के बाद अफगानिस्तान पर तालिबान का शासन है। इसके बाद सरकार ने इस्लामी कानून (शरीयत) की सख्त व्याख्या पर आधारित कई नियम लागू किए हैं। देश में विरोध-प्रदर्शन दुर्लभ हैं और सरकार के खिलाफ असहमति को लगभग बर्दाश्त नहीं किया जाता। महिलाओं और लड़कियों पर कई सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिनमें प्राथमिक शिक्षा के बाद पढ़ाई पर रोक और सार्वजनिक स्थानों पर ड्रेस कोड शामिल है। नियमों के अनुसार महिलाओं को पूर्ण हिजाब—सिर से पैर तक ढका हुआ वस्त्र और चेहरा ढकने वाला नकाब—पहनकर ही बाहर निकलने की अनुमति है।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा खुलासा, कहा- ईरान को पता ही नहीं, हमने होर्मुज से निकाल लिए 10 करोड़ बैरल तेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को बड़ा खुलासा किया। ट्रंप ने कहा कि उनके देश ने एक गुप्त सैन्य अभियान के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से 10 करोड़ (100 मिलियन) बैरल से ज्यादा तेल निकाल लिया है। होर्मुज दुनिया भर में तेल ले जाने का एक अहम रास्ता है और अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे तनाव में एक अहम और संवेदनशील बिंदु है, उसे तेहरान ने 28 फरवरी से बंद कर रखा है। लेकिन बंद होर्मुज से अमेरिका ने 100 मिलियन बैरल तेल निकाल लिया, ये आश्चर्यजनक बात है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक गुप्त मिलिट्री ऑपरेशन की जानकारी देते हुए लिखा, 'पिछले महीने, मैंने हमारी महान अमेरिकी सेना को होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज) से गुज़रने वाले तेल टैंकरों और दूसरे कमर्शियल जहाज़ों की सुरक्षा के लिए एक गुप्त मिशन चलाने का निर्देश दिया था। उन्होंने आगे कहा, 'आज मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस कोशिश के नतीजे में 10 करोड़ (100 मिलियन) बैरल से ज़्यादा तेल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुज़ारकर खुले बाज़ार तक पहुंचाया है। 200 से ज़्यादा कमर्शियल जहाज़ सुरक्षित रूप से यहां से गुज़रे हैं। यह ज़बरदस्त कामयाबी इसलिए मिली है क्योंकि होर्मुज पर अमेरिका का कंट्रोल है, ईरान का नहीं। उनकी सेना हार चुकी है और उनकी अर्थव्यवस्था बर्बाद हो चुकी है। ईरान का खेल खत्म हो चुका है!' ट्रंप ने कहा कि ईरान को इस सीक्रेट मिशन के बारे में पता नहीं था। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने ऑपरेशन के बारे में और जानकारी दी और दावा किया कि कल रात बिना लाइट जलाए 22 जहाज़ निकाले गए और ईरान को इसका पता नहीं चल पाया क्योंकि उनके पास रडार नहीं था। ट्रंप ने कहा, 'मैं आज पहली बार यह बता रहा हूं।

पीओके में पाकिस्तानी सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश

21 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर, दावा- प्रदर्शन रोकने के लिए जा रहे थे सैनिक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बुधवार को पाकिस्तान सेना का एक एमआई-17 हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा मुजफ्फराबाद के पास उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हुआ। हेलिकॉप्टर में सवार सभी 21 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि सेना ने अभी यह नहीं बताया है कि हेलिकॉप्टर में कुल कितने लोग सवार थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये सुरक्षाकर्मी पीओके के नीलम घाटी सेक्टर जा रहे थे। वहां पर विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद चल रहा है। इस वजह से सरकार वहां एक्स्ट्रा सैनिक तैनात कर रही है। मुजफ्फराबाद में उड़ान भरने के बाद हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई। पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन सुरक्षित उतारा नहीं जा सका। पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि दुर्घटना की असली वजह का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

आर्मी चीफ मुनीर ने हादसे की जांच का आदेश दिया : सेना ने कहा है कि दुर्घटना की असली वजह पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए गए हैं। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर समेत सेना के सभी अधिकारियों और जवानों ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी हेलिकॉप्टर हादसे पर शोक जताया। दोनों नेताओं ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और कहा कि पूरा देश इन सैनिकों के बलिदान को सलाम करता है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि देश इन बहादुर सैनिकों की कुर्बानी को हमेशा याद रखेगा। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों ने मृतकों के लिए प्रार्थना की और उनके परिवारों को इस दुख को सहने की शक्ति मिलने की कामना की।

हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की मौत : पाकिस्तान अखबार डॉन की रिपोर्ट के में दी गई जानकारी में बताया गया है कि पाकिस्तान आर्मी एविएशन का यह हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबियों के कारण उड़ान भरते समय हादसे का शिकार हो गया। घटना के वक्त हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। पाकिस्तान मीडिया ने इंटर सर्विसेज पब्लिश रिलेशन के हवाले से यह जानकारी दी है। बताया गया है कि इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवाल कोई भी जीवित नहीं बचा है। वहीं, पाकिस्तानी आर्मी के ओर जारी बयान में कहा गया है कि हेलीकॉप्टर किसी तकनीकी खराबी की वजह से गिरा। हादसे के तुरंत बाद रेस्क्यू और रिकवरी टीमें मौके पर पहुंच गईं।

हेलीकॉप्टर में कुल 20 लोग थे सवार : बता दें कि यह दर्दनाक घटना पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के नीलम वैली में हुआ है। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पाकिस्तान सेना का यह हेलीकॉप्टर अचानक आसमान से नीचे जमीन पर आ गिरा। नीचे गिरते ही हेलीकॉप्टर आग का गोला बन गई। हेलीकॉप्टर में आग इतनी भीषण थी कि कोई भी बाहर नहीं निकल सका और सभी मौत के मुंह में समा गए। आईएसपीआर की ओर से इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि हेलीकॉप्टर में कुल कितने सैनिक सवार थे। पीओके में प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पाकिस्तान सेना ने हेलिकॉप्टर तैनात किए हुए हैं। खबर यह भी है कि दो दिन पहले भी बलूचिस्तान में एक पाकिस्तानी सेना का हेलिकॉप्टर गिरा था।

पीओके में प्रदर्शन को रोकने सेना तैनात : यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब मुजफ्फराबाद और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था काफी सख्त है। हाल के दिनों में वहां बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई थी। इसकी वजह यह थी कि एक विरोध आंदोलन से जुड़े लोगों ने प्रदर्शन करने का ऐलान किया था।

चीन के गुआंगशी में भीषण विस्फोट, 7 लोगों की मौत; ब्लास्ट के बाद पूरे इलाके में मची अफरा-तफरी

गुआंग्शी , एजेंसी। चीन के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित गुआंग्शी क्षेत्र में एक विस्फोट ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। स्थानीय प्रशासन द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस धमाके में अब तक 7 लोगों की जान जा चुकी है। जबकि 17 लोग घायल हुए हैं। घटना की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास की इमारतों और वहां मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय आपातकालीन सेवाओं ने तुरंत सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। धमाके के बाद अस्पताल और घटना स्थल पर पीड़ित परिवारों की भारी भीड़ देखी गई। जैसे ही धमाके की गूंज सुनाई दी, पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल पैदा हो गया। स्थानीय प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत व्यापक बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया। मलबे और घटना स्थल के आसपास फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव दल ने घंटों मशक्कत की। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है ताकि आम नागरिकों को किसी और खतरे से बचाया जा सके और जांच प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। प्रारंभिक जांच रिपोर्टों में यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यह विस्फोट किसी गैस पाइपलाइन से जुड़ा हुआ नहीं था। इस खुलासे ने जांच को एक नई दिशा दे दी है, क्योंकि अब अधिकारी अन्य संभावित कारणों जैसे औद्योगिक लापरवाही या किसी विस्फोटक सामग्री की मौजूदगी की पड़ताल कर रहे हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विशेषज्ञ टीमों को काम पर लगा दिया गया है और वे बारीकी से साक्ष्य जुटा रहे हैं। फिलहाल, पूरा ध्यान जांच पूरी करने और विस्फोट की असली वजह का पता लगाने पर केंद्रित है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक तकनीकी जांच और विशेषज्ञों की रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र में सुरक्षा मानकों और आपातकालीन तैयारियों पर बहस छेड़ दी है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

कांगो में इबोला का कहर: संक्रमित मरीजों का आंकडा बढ़कर 635 हुआ, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बनी बड़ी चुनौती

किन्शासा, एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री रोजर कांबा ने जानकारी दी है कि नौ जून तक देश में इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 635 हो गई है। यह बीमारी 'बुंडीबुग्यो इबोला वायरस' के कारण फैली है। हालांकि, इस संकट के बीच राहत की खबर यह है कि अब तक 30 मरीज ठीक होकर घर लौट चुके हैं। हाल ही में आठ नए मरीज ठीक हुए हैं, जिनमें से सात इतुरी प्रांत के न्यानकुंडे और एक मोंगबवालू इलाके से है। स्वास्थ्य मंत्री ने सोशल मीडिया पर बताया कि सरकार इस बीमारी को रोकने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मरीजों के संपर्क में आए लोगों की पहचान करने का काम अब पहले से बेहतर हो रहा है। अब 61.1 प्रतिशत संपर्कों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सरकार ने इतुरी, उत्तर कीवू और दक्षिण कीवू जैसे प्रभावित प्रांतों में 490 टन दवाइयां भेजी हैं। वहां प्रयोगशालाओं को मजबूत किया गया है और स्वास्थ्य टीमें दिन-रात काम कर रही हैं। मंत्री ने लोगों से अपील की है कि वे लक्षण दिखने पर तुरंत इलाज के लिए आएं, क्योंकि समय पर देखभाल से जान बचाई जा सकती है।

स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बन रही चुनौती : दूसरी ओर, अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने जमीनी हकीकत पर चिंता जताई है। एजेंसी का कहना है कि बचाव कार्यों में कई बड़ी बाधाएं आ रही हैं। प्रभावित इलाकों के अस्पतालों की हालत बहुत खराब है। वहां पीने के साफ पानी, कचरा जलाने वाली मशीनों, पीपीई किट और सफाई के सामान की भारी कमी है। इसके अलावा, खराब सड़कें, एम्बुलेंस की कमी और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी काम को धीमा कर रही हैं। कई स्वास्थ्य कर्मियों को समय पर वेतन नहीं मिला है, जिससे उन पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। एक बड़ी चुनौती स्थानीय लोगों के बीच भरोसे की कमी भी है। इसके अलावा, कुछ देशों ने प्रभावित अफ्रीकी देशों की यात्रा पर पाबंदियां लगा दी हैं, जिसे स्वास्थ्य एजेंसियों ने गलत बताया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 17 मई को ही इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया था।

अमेरिका का ईरान पर लगातार दूसरे दिन हमला

जवाब में ईरान ने कुवैत-बहरीन में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया, होर्मुज फिर बंद किया

तेहरान/वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने गुरुवार सुबह ईरान के कई ठिकानों पर नए हवाई हमले किए है। यह अप्रैल में हुए सीजफायर के बाद लगातार दूसरे दिन बड़ा अटैक है। ईरानी मीडिया के मुताबिक केश्म द्वीप, बंदर अब्बास, मीनाब और सीरिक में धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं। कई इलाकों में एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव कर दिए गए।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान समझौते की बातचीत में देरी कर रहा है, इसलिए अमेरिका दबाव बनाए रखेगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने 49 टॉमहॉक मिसाइलें दागीं और लड़ाकू विमानों से भी हमले किए। इसके जवाब में ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। हालांकि, किसी नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ईरान ने एक बार फिर होर्मुज स्ट्रेट को सभी जहाजों के लिए बंद कर दिया है। हालांकि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इसे खारिज कर दिया।

जॉर्डन बोला- 5 ईरानी मिसाइलें हवा में मार गिराईं: जॉर्डन की सेना ने दावा किया कि ईरान से दागी गई 5 मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया। किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

ईरान का दावा- अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन मार गिराया: तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक दक्षिणी ईरान के जाम इलाके में अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को गिराया गया। अमेरिका की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई।

होर्मुज के पास टैंकर पर अमेरिकी हमला: ओमान तट के पास एक ऑयल टैंकर पर अमेरिकी हमले के बाद आग लग गई। जहाज पर 24 भारतीय समेत 28 क्रू मेंबर सवार थे। एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि कुछ क्रू मेंबर लापता बताए गए।

रूस ने अमेरिका-ईरान से हमले रोकने की अपील की: मॉस्को ने दोनों देशों से संयम बरतने और सैन्य कार्रवाई बंद कर कूटनीति का रास्ता अपनाने को कहा।

कतर का प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचा: कतर ने क्षेत्रीय तनाव कम करने और अमेरिका-ईरान टकराव पर बातचीत के लिए अपना प्रतिनिधिमंडल ईरान भेजा है। बहरीन में फिर बजे एयर रेड सायरन, लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह अमेरिका-ईरान तनाव के बीच बहरीन में एक बार फिर एयर रेड सायरन बजाए गए हैं। बहरीन के गृह मंत्रालय ने लोगों से शांत रहने और तुरंत नजदीकी सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि नागरिक सुरक्षा निर्देशों का पालन करें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। हालांकि सायरन बजाने की वजह या संभावित खतरे के बारे में तत्काल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। कुवैत पर मिसाइल और ड्रोन हमले, सेना बोली- जवाबी कार्रवाई जारी मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच कुवैत ने कहा है कि उसके खिलाफ मिसाइल और ड्रोन हमले किए गए हैं। कुवैती सेना ने बताया कि वह इन हमलों का जवाब दे रही है और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट पर हैं। सेना ने लोगों से शांति बनाए रखने और जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। अधिकारियों ने नागरिकों से अनावश्यक आवाजाही से बचने और आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने को कहा है।

सिर काटने की कोशिश के बाद आयरलैंड-ब्रिटेन में भड़के दंगे

लंदन, एजेंसी। आयरलैंड के बेलफास्ट में एक आयरिश व्यक्ति का सिर काटने की कोशिश के विरोध में शुरू हुआ प्रदर्शन बुधवार को बड़े एंटी-इमिग्रेशन दंगों में बदल गया। ?आयरलैंड और ब्रिटेन में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटना सामने आई। बेलफास्ट और उसके आसपास के इलाकों में नकाबपोश भीड़ ने घरों, दुकानों, बसों और कारों को निशाना बनाया। बेलफास्ट के न्यूटाउनार्ड्स रोड पर कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया शैंकिल में दो दुकानें लूट ली गईं और एक अफ्रीकी प्रवासी की दुकान को आग के हवाले कर दिया गया। लंदन के पार्लियामेंट स्क्वायर व स्कॉटलैंड के ग्लासगो में भी प्रवासी विरोधी प्रदर्शन के दौरान जमकर हिंसा हुई।

हिंसा की शुरुआत बेलफास्ट में चाकूबाजी की घटना के बाद हुई। सूडान के एक शरणार्थी का एक आयरिश व्यक्ति से विवाद हो गया था। इसी बीच हादी ने चाकू से उसका गला काटने की कोशिश की थी। हमले में 40 वर्षीय आयरिश व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। इस वारदात का वीडियो वायरल होते ही प्रदर्शन की अपीलें तेज हो गईं थीं। पुलिस के मुताबिक चाकूबाजी घटना का आरोपी हादी अलोदिद सूडान से पेरिस और फिर डबलिन आया था। 2023 में वह बेलफास्ट पहुंचा और शरण मांगी।

प्रवासी विरोधियों परहिंसा भड़काने के आरोप : दक्षिणपंथी और प्रवासी विरोधियों ने सोशल मीडिया पर चाकूबाजी की घटना का वीडियो तेजी से फैलाया। कट्टरपंथी व प्रवासी-विरोधी टॉमी रॉबिनसन ने वीडियो शेयर करते हुए पूरे ब्रिटेन में लोगों से 'सड़कों पर उतरने' की अपील की थी। इसके बाद मास्क पहने हजारों लोगों की भीड़ सड़कों पर जमा हो गई। बेलफास्ट में नकाबपोशों ने कई घरों को निशाना बनाया है। कुछ जगह 'विदेशियों को निकालो' जैसे नारे भी लगाए। स्थानीय पादरी जैक मैकी ने बताया कि लोग सिर्फ प्रवासी होने के कारण घर छोड़ने को मजबूर हुए। बेलफास्ट इस्लामिक सेंटर ने शाम की नमाज रोक दी। दिग्गज कारोबारी इलॉन मस्क ने भी सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर करते हुए कहा- जोरदार प्रदर्शन से ही बदलाव आएगा। ब्रिटेन की कट्टरपंथी पार्टी रिफॉर्म यूके ने घटना को प्रवास नीति का नतीजा बताते हुए वीजा प्रतिबंध की अपनी पार्टी की बात दोहराई। वहीं, सांसद क्लेयर हन्ना ने मस्क, रिफॉर्म यूके के चीफ नाइजल फराज व अन्य को हिंसा का जिम्मेदार ठहराया।

'हमारा इलाका छोड़ दो वरना...', ईरानी विदेश मंत्री की अमेरिका को आखिरी चेतावनी; होर्मुज में भारी तबाही

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक बार फिर भीषण सैन्य संघर्ष का केंद्र बन गया है। अमेरिकी सेना द्वारा ईरानी ठिकानों पर की गई हालिया बमबारी के बाद ईरान के तेवर बेहद सख्त नजर आ रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अमेरिका को दो-टूक चेतावनी देते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार की धमकी या हमले का ईरान की सेनाएं निर्णायक और मुंहतोड़ जवाब देंगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से अराघची ने अमेरिकी कार्रवाई पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि युद्ध के मैदान में हार के बावजूद अमेरिका ने ईरान के संकल्प की परीक्षा लेने का फैसला किया है। अराघची ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर आप सुरक्षित रहना चाहते हैं, तो हमारे इलाके से चले जाएं। फारस की खाड़ी का इतिहास घुसपैठ करने वाले बाहरी लोगों के बुरे अंजामों की कई कहानियों से भरा पड़ा है।

होर्मुज की संप्रभुता पर छिड़ी जंग : ईरानी विदेश मंत्री ने होर्मुज की अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि होर्मुज स्ट्रेट कोई अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र नहीं है, बल्कि यह ईरान और ओमान के बीच बंटा हुआ क्षेत्र है, जो अमेरिका के तटों से हजारों मील दूर स्थित है। अराघची के अनुसार, समुद्री सीमाएं बिल्कुल स्पष्ट हैं और ईरानी सेनाएं अपने हवाई क्षेत्र, जमीन या जलक्षेत्र के किसी भी उल्लंघन के लिए हमेशा हाई अलर्ट पर रहती हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि क्षेत्र में मौजूद विदेशी सेनाओं को मानवीय गलतियों या अचानक होने वाली गोलीबारी में फंसने का खतरा हमेशा बना रहता है।

की 'सेल्फ-डिफेंस' स्ट्राइक : यह तनाव तब और बढ़ गया जब अमेरिकी केंद्रीय कमान ने ईरान पर हमलों की पुष्टि की। अमेरिकी राष्ट्रपति के आदेश पर 9 जून की शाम को यह जवाबी कार्रवाई शुरू की गई थी। अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि यह हमला पूरी तरह से 'आत्मरक्षा' में किया गया था, क्योंकि एक दिन पहले ईरान ने अमेरिकी सेना के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया था। अमेरिकी वायुसेना और नौसेना के लड़ाकू विमानों ने सटीक निर्देशित हथियारों का इस्तेमाल करते हुए होर्मुज के पास स्थित ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों, ग्राउंड कंट्रोल स्टेशनों और निगरानी रडार ठिकानों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया है।

बड़ी सैन्य कार्रवाई के लिए पूरी तरह मुस्तैद : कूटनीति बनाम युद्ध की भाषा संघर्ष के इस दौर में भी ईरान ने बातचीत का रास्ता खुला रखने की बात कही है, लेकिन साथ ही अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन भी किया है। अराघची ने कहा कि ईरान कूटनीति की भाषा को प्राथमिकता देता है, लेकिन उनके बहादुर योद्धा दुनिया को दिखा चुके हैं कि वे जरूरत पड़ने पर 'दूसरी भाषा' यानी युद्ध की भाषा बोलना भी जानते हैं। फिलहाल खाड़ी क्षेत्र में स्थिति बेहद तनावपूर्ण बनी हुई है और दोनों ओर की सेनाएं किसी भी बड़ी सैन्य कार्रवाई के लिए पूरी तरह मुस्तैद हैं।

बिल गेट्स का सनसनीखेज खुलासा, कहा- अफेयर को लेकर एपस्टीन ने बनाया था ब्लैकमेलिंग का दबाव

वाशिंगटन, एजेंसी। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने अमेरिकी संसद की एक समिति के सामने बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है. बिल गेट्स ने यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन ने उनके पुराने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स को लेकर उन्हें ब्लैकमेल किया था. एपस्टीन चाहता था कि दोनों के बीच रिश्ते खत्म होने के बाद गेट्स उससे दोबारा संपर्क शुरू करें.

बिल गेट्स अमेरिकी संसद की 'हाउस ओवरसाइट एंड गवर्नमेंट रिफॉर्म कमेटी' के सामने पेश हुए थे. ये समिति इस बात की जांच कर रही है कि प्रशासन ने एपस्टीन मामले को कैसे संभाला. साथ ही, जांचकर्ता उस रसूखदार नेटवर्क का भी पता लगा रहे हैं जो एपस्टीन के संपर्क में था. न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक बिल गेट्स ने माना कि जब वेफिलांथ्रोपी के कामों के सिलसिले में एपस्टीन से मिले थे, तब वो उसके अपराधों की गंभीरता को पूरी तरह नहीं समझ पाए थे. गेट्स ने अपने बयान में कहा, 'इन अफेयर्स का एपस्टीन के साथ मेरी बातचीत से कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन ये मेरे परिवार के लिए बेहद दर्दनाक थे. एपस्टीन ने मेरी बेवफाई की जानकारी और उसके ऊपर कई झूठ की परतें चढ़ाकर मुझ पर दोबारा जुड़ने का दबाव बनाने की कोशिश की थी.'

व्यक्तिगत रिश्तों से साफ इनकार : बिल गेट्स ने इस दौरान बताया कि एपस्टीन के साथ उनकी मुलाकातें सिर्फ चैरिटी, वैश्विक स्वास्थ्य और फंड जुटाने को लेकर ही हुई थीं. उन्होंने एपस्टीन के साथ किसी भी तरह के निजी या दोस्ताना रिश्ते से साफ इनकार किया. गेट्स ने सांसदों को बताया, 'मैं कभी भी उसके द्वीप (आइसलैंड), उसके फार्महाउस (रेंच) या फ्लोरिडा वाले घर पर नहीं गया. मैंने कभी किसी का शोषण नहीं किया है.' उन्होंने आगे कहा, 'हो सकता है कि उसने निजी संबंध बढ़ाने की कोशिश की हो, लेकिन मेरी कभी ऐसी कोई दिलचस्पी नहीं थी और न ही मैंने कभी उसकी तरफ हाथ बढ़ाया।

2014 में एपस्टीन से तोड़ दिया था नाता : बिल गेट्स ने बताया कि वो एपस्टीन से 2011 में जुड़े थे. ये वो समय था जब एपस्टीन फ्लोरिडा में वेश्यावृत्ति के आरोप में जेल की सजा काट चुका था. गेट्स ने कहा कि साल 2014 में जब उन्हें समझ आ गया कि एपस्टीन के जरिए चैरिटी के लिए फंड जुटाने की कोशिशें बेकार जा रही हैं, तो उन्होंने सारे नाते तोड़ दिए. गेट्स के मुताबिक, 'उस मोड़ पर मैंने मुझे समझ आया कि एपस्टीन अपने वादे कभी पूरे नहीं करेगा. मैंने उससे कह दिया कि हम अब आगे बात नहीं करेंगे और उससे मिलना-जुलना पूरी तरह बंद कर दिया.' गेट्स ने ये भी बताया कि उन्होंने एपस्टीन को कभी कोई आपराधिक काम करते नहीं देखा।

सांसदों के सवाल- सब जानते हुए भी संपर्क क्यों रखा : संसद की इस द्विदलीय समिति ने बिल गेट्स से तीखे सवाल पूछे. दोनों ही पार्टियों के सांसदों ने पूछा कि जब एपस्टीन के पुराने अपराधों और सजा की बात जगजाहिर थी, तो गेट्स उससे क्यों मिलते रहे? कमेटी के शीर्ष डेमोक्रेटिक सांसद रॉबर्ट गार्सिया ने सुनवाई के बाद बताया कि बिल गेट्स ने ये मंजूर किया है कि उन्हें एपस्टीन के पुराने अपराधों और सजा की जानकारी थी. वहीं, रिपब्लिकन सांसद टिम बर्चेट ने एपस्टीन को एक फ्रेंड कलेक्टर बताया. बर्चेट ने कहा, 'ये पूरी तरह साफ है कि एपस्टीन बड़े लोगों को इकट्ठा करने का शौकीन था. उसे रसूखदार लोगों के साथ तस्वीरें खिंचवाना और उनके साथ घूमना पसंद था, ताकि वो अपना प्रभाव बढ़ा सके. मुझे लगता है कि इसी तरह उसने लोगों को अपने जाल में फंसाया.' डेमोक्रेटिक सांसद एमिली रैंडल ने कहा कि इस गवाही से ये पता चलता है कि एपस्टीन के साथ उठने-बैठने वाले कई ताकतवर पुरुषों ने जानबूझकर चेतावनी के संकेतों को नजरअंदाज किया और वही देखा जो वो देखना चाहते थे.

पीड़ितों के लिए न्याय की मांग : सुनवाई के दौरान बिल गेट्स ने एपस्टीन के अपराधों का शिकार हुए लोगों को लेकर अपनी संवेदना जाहिर की. उन्होंने कहा, 'मैं उम्मीद करता हूं कि एपस्टीन के अपराधों से बचे लोगों को वो न्याय मिले जिसके वे हकदार हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)